खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 02 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-180

सत् श्री अकाल!

पाक ने गुरुद्वारा तोड़ा

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां): पाकिस्तान में एक गुरुद्वारे को गिराए जाने की खबरों पर भारत सरकार ने नाराजगी जताई है। भारत ने बुधवार को इसे बेहद परेशान करने वाली घटना बताया। वहीं, विदेश मंत्रालय के मुताबिक ये निंदनीय और सोची-समझी तोड़फोड़ है।

पाकिस्तान के फारूकाबाद में करीब 125 साल पुराना ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा साहिब स्थित है। कहा जा रहा है कि इस गुरुद्वारे के कुछ हिस्सों को ढहा दिया गया है। अब भारत ने पाकिस्तान से इस हरकत के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। भारत सरकार ने पाकिस्तान से इस मामले की तुरंत जांच करने को कहा है। विदेश मंत्रालय ने मांग की है कि इस घटिया हरकत को अंजाम देने वालों को कानून के कटघरे में खड़ा किया जाए। भारत ने कहा है कि गुरुद्वारा साहिब के जिन हिस्सों को तोड़ा गया है, उन्हें जल्द से जल्द ठीक किया जाए और उनका दोबारा निर्माण कराया जाए

तोड़फोड़ की कड़ी निंदा करते हैं

इस मामले पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा, हमने पाकिस्तान के फारूकाबाद में 125 साल पुराने ऐतिहासिक और पवित्र गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा साहिब को गिराए जाने की बेहद दुखद खबरें देखी हैं। हम सिख समुदाय के इस पवित्र स्थल के खिलाफ की गई इस निंदनीय और लक्षित तोड़फोड़ की कड़ी निंदा करते हैं।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर उठाए सवाल

भारत ने इस घटना पर पाकिस्तान के स्थानीय प्रशासन और वहां के इवेक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड के रवैये पर भी सवाल उठाए हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, स्थानीय अधिकारियों या ईटीपीबी की तरफ से कोई ठोस कार्रवाई न किए जाना चिंता की बात है।मंत्रालय ने ध्यान दिलाया कि इससे पहले भी पाकिस्तान से इस तरह की खबरें लगातार आती रही हैं। मंत्रालय ने आगे कहा, पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। ये सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है।मंत्रालय ने आगे कहा, हम पाकिस्तान सरकार से अपील करते हैं कि वो अपने देश में रहने वाले अल्पसंख्यक समुदायों और उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करे। पाकिस्तान को अपने यहां बढ़ रही धार्मिक असहिष्णुता और सांप्रदायिक हिंसा के माहौल को पूरी तरह खत्म करना चाहिए।

30 दिन जेल तो जाएगी कुर्सी

मंत्री हो या संतरी

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां): अगर कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री या राज्य मंत्री किसी गंभीर अपराध के मामले में गिरफ्तार होने के बाद लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उन्हें पद छोड़ना पड़ सकता है। इससे जुड़े बिलों को सरकार मानसून सत्र में दोबारा पेश कर सकती है।

सूत्रों के मुताबिक 130वें संविधान संशोधन बिल पर बनी संसद की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) इससे जुड़े प्रावधानों को हटाने के पक्ष में नहीं है। समिति 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को मंजूरी दे सकती है।

गृहमंत्री अमित शाह ने इससे जुड़े 3 बिलों को पिछले मानसून सत्र में संसद के दोनों सदनों में रखा था, जिसके बाद इन्हें जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया गया था।

1) मामला क्या है?

130वें संविधान संशोधन विधेयक में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों की गिरफ्तारी से जुड़े प्रावधानों को लेकर संसद की संयुक्त संसदीय समिति अपनी रिपोर्ट को 17 जुलाई को मंजूरी दे सकती है।

2) 130वें संविधान संशोधन विधेयक में प्रस्तावित कानून क्या कहता है? 130वें संविधान संशोधन विधेयक के मुताबिक अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री या राज्य मंत्री किसी गंभीर अपराध (जिसमें 5 साल या उससे ज्यादा की सजा का प्रावधान है) के मामले में गिरफ्तार होकर लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहते हैं,

▶8 पर

आर्टिफिशल सूर्य!

चीन में न्यूक्लियर फ्यूजन एनर्जी

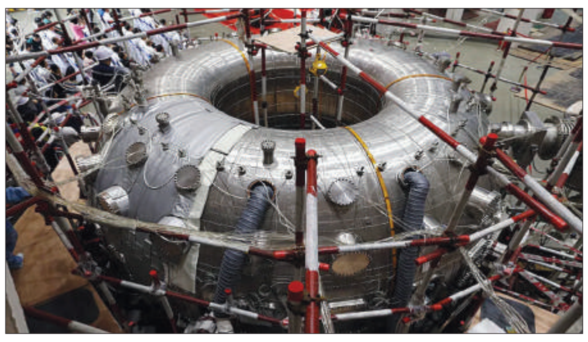

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां): चीन ने न्यूक्लियर फ्यूजन तकनीक में बड़ी सफलता हासिल की है। देश के वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल सन यानी कृत्रिम सूरज के लिए दुनिया का सबसे बड़ा सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट बनाया है। इसका सफल परीक्षण भी पूरा हो चुका है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे फ्यूचर में फ्यूजन एनर्जी विकसित करने की दिशा में मदद मिलेगी।

आर्टिफिशियल सन एक ऐसी मशीन है जिसमें सूरज की तरह एनर्जी बनाने की कोशिश की जाती है। इसमें बहुत गर्म गैस यानी प्लाज्मा बनाई जाती है। उसे नियंत्रित करने की कोशिश होती है ताकि एनर्जी पैदा की जा सके। इसी तकनीक को न्यूक्लियर फ्यूजन कहा जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर यह तकनीक सफल होती है, तो फ्यूचर में इससे बड़ी मात्रा में साफ एनर्जी बनाई जा सकती है।

चीन ने इस मशीन के लिए दुनिया का सबसे बड़ा सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट तैयार किया है। इसका वजन 582 टन है। इसकी लंबाई 21 मीटर, चौड़ाई 12 मीटर और ऊंचाई 3.3 मीटर है। इस मैग्नेट का काम मशीन के अंदर मौजूद बहुत गर्म प्लाज्मा को एक जगह बनाए रखना है, ताकि वह मशीन की दीवारों से न टकराए। अगर ऐसा होता है, तो ऊर्जा बनाने की प्रक्रिया रुक सकती है।

▶8 पर

राम मंदिर चढ़ावाकांड : आरोपियों से दो घंटे पूछताछ

ऐसे होती थी चोरी

अयोध्या, 01 जुलाई (एजेंसियां): अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में करोड़ों रुपये की चोरी के मामले में जांच लगातार आगे बढ़ रही है। कोर्ट की अनुमति के बाद पुलिस ने जेल में बंद आरोपियों से करीब दो घंटे तक पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने चोरी के तरीके, रकम के इस्तेमाल और गणना प्रक्रिया से जुड़े कई अहम दावे किए। इस दौरान ट्रस्ट से जुड़े अनिल मिश्रा का नाम भी एक बार फिर सामने आया। वहीं, जांच अब आरोपियों की संपत्तियों और बैंक खातों तक पहुंच गई है।

इस चढ़ावा चोरी केस की जांच में हर दिन कई नई जानकारियां सामने आ रही हैं। पुलिस यह भी जानने की कोशिश कर रही है कि आखिर इतनी बड़ी रकम लंबे समय तक बिना किसी शक के कैसे गायब होती रही और इसमें किन-किन लोगों की क्या भूमिका रही। इसी कड़ी में मंगलवार को पुलिस की टीम कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद जिला जेल पहुंची। वहां गिरफ्तार आरोपियों से करीब दो घंटे तक अलग-अलग पूछताछ की गई। सूत्रों के मुताबिक सबसे ज्यादा समय आरोपी अविनाश मिश्रा से पूछताछ में लगाया गया। बताया जा रहा है कि उसके पास से सबसे अधिक बरामदगी हुई थी, इसलिए पुलिस उससे पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने की कोशिश कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर करोड़ों रुपये की चोरी की पूरी कार्यप्रणाली पुलिस को बताई। दावा है कि दान राशि की गणना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की कुछ कमजोरियों का फायदा उठाया जाता था। किस समय रकम निकाली जाती थी, कैसे उसे छिपाया जाता था और किस तरह बाहर पहुंचाया जाता था, इन सभी बिंदुओं पर पुलिस ने विस्तार से सवाल किए। सूत्रों का यह भी कहना है कि पूछताछ के दौरान ट्रस्ट से जुड़े अनिल मिश्रा का नाम एक बार फिर सामने आया। आरोपियों ने कथित तौर पर कहा कि दान राशि की गणना प्रक्रिया में उनकी प्रमुख भूमिका रहती थी। हालांकि, इस संबंध में पुलिस ने अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है और न ही किसी व्यक्ति की भूमिका को लेकर अंतिम निष्कर्ष सामने आया है। जांच एजेंसियां आरोपियों के दावों का उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सत्यापन कर रही हैं।

पूछताछ में सामने आया सबसे चौंकाने वाला दावा चोरी के कथित तरीके को लेकर है। सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों ने पुलिस को बताया कि दान राशि निकालने का काम एक व्यक्ति करता था, जबकि बाकी लोग उसके चारों ओर इस तरह खड़े हो जाते थे कि

▶8 पर

सात आरोपियों से मिले करोड़ों रुपये

अयोध्या, 01 जुलाई (एजेंसियां): अयोध्या में राम मंदिर चंदा चोरी विवाद के बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अपने अगले कदम पर चर्चा करने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक ट्रस्ट की अहम बैठक 6 जुलाई को अयोध्या में हो सकती है। पहले इस बैठक की तारीख 7 जुलाई बताई गई थी, लेकिन अब इसे एक दिन पहले किए जाने की जानकारी सामने आई है।

इस बैठक में ट्रस्ट के दो सीनियर सदस्यों के इस्तीफे पर चर्चा होने की संभावना है। ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं। इस बैठक में इन इस्तीफों को स्वीकार करने पर चर्चा होगी। सूत्रों का कहना है कि दोनों पदाधिकारियों के इस्तीफे स्वीकार होने की संभावना बहुत ज्यादा है। वहीं अयोध्या चंदा चोरी मामले में पुलिस द्वारा जब्त की गई बरामदगी की रिपोर्ट का विवरण भी सामने आया है। पुलिस की यह बरामदगी रिपोर्ट थाना रामजन्मभूमि, अयोध्या में दर्ज मु0अ0सं0 90/26 से संबंधित है। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों से जुड़ी बरामदगी और जांच से संबंधित अहम जानकारियां जुटाई है।

अभियुक्तों से बरामदगी का विवरण

चंदा चोरी के अभियुक्तों से बरामदगी का विवरण इस प्रकार है:

1. अभियुक्त: मनीष कुमार यादव

पिता का नाम: स्व सुधीर कुमार यादव

निवासी: स्वर्गद्वार, नयाघाट, अयोध्या

बरामदगी: कुल 2,00,000 रुपए (500 के 270 नोट, 200 के 105 नोट, 100 के 400 नोट)

▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 24°

जितनी बढ़ोतरी, उतनी ही कटौती

पेट्रोल - डीजल सस्ते

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां): भारत में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। पेट्रोल की कीमत में जहां 5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है, तो वहीं डीजल की कीमत 3 रुपये प्रति लीटर कम कर दी गई है। फ्यूल प्राइस में ये कटौती भारत में सबसे बड़ी प्राइवेट फ्यूल रिटेलर बनकर सामने आई नायरा एनर्जी ने की है और नई कीमतें बुधवार 1 जुलाई 2026 से लागू कर दी गई हैं।

बीते दो साल से ज्यादा समय में ये पहली बार है कि किसी भी कंपनी द्वारा रिटेल पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती की गई है। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह मिडिल ईस्ट में तनाव कम होना है, क्योंकि युद्ध थमने के चलते अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में गिरावट आई है।

नायरा एनर्जी रूस की रोसनेफ्ट समर्थित फ्यूल कंपनी है। इसने हाल ही में भारत में अपने पेट्रोल पंप की संख्या 7,000 के पार पहुंचाई है और इसके साथ ही ये प्राइवेट सेक्टर की देश की सबसे बड़ी पेट्रोल-डीजल रिटेल सेलर के रूप में उभरी है। तेल की कीमतों पर बीते कुछ समय में महंगाई की मार से इस कंपनी ने अब अपने देशव्यापी नेटवर्क पर पेट्रोल प्राइस में 5 रुपये और डीजल प्राइस में 3 रुपये प्रति लीटर की कटौती का तोहफा दिया है।

▶8 पर

व्हाट्सएप फीचर पर भारत सख्त

3 दिनों में माँगा जवाब, लॉन्च पर रोक

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां): व्हाट्सएप ने हाल ही में अपना नया यूजरनेम फीचर लॉन्च किया है। इस फीचर की मदद से अब लोग अपना मोबाइल नंबर बताए बिना भी किसी दूसरे यूजर से बात कर सकेंगे। भारत सरकार ने मेटा को भारत में वॉट्सऐप के यूजरनेम फीचर को शुरू करने को लेकर नोटिस जारी किया है।

सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार ने मेटा को 3 दिनों के भीतर यूजरनेम फीचर पर विस्तृत जवाब देने का निर्देश दिया है। सरकार ने कंपनी से कहा है कि इस मामले पर सलाह-मशविरा पूरा होने तक वॉट्सऐप का यूजरनेम फीचर भारत में लॉन्च न किया जाए।

जब तक इस मामले पर चर्चा और परामर्श की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक मेटा को वॉट्सऐप का यूजरनेम फीचर रोलआउट नहीं करने का निर्देश दिया गया है।

बता दें कि वॉट्सऐप ने इस फीचर के बारे में कहा है कि इससे यूजर्स की प्राइवेसी पहले से ज्यादा मजबूत होगी। लेकिन भारत सरकार इस फीचर को लेकर सतर्क हो गई है। सरकार को आशंका है कि अगर इसका गलत इस्तेमाल हुआ तो ऑनलाइन फ्रॉड और फर्जी पहचान वाले मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है।

स्कैमर्स के लिए फायदेमंद तो नहीं?

सरकारी सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार वॉट्सऐप नए यूजरनेम फीचर के गोपनीयता और सुरक्षा पहलुओं की जांच करने की तैयारी में है। सरकार यह समझना चाहती है कि कहीं यह फीचर साइबर अपराधियों के लिए नई सुविधा तो नहीं बन जाएगा।

▶8 पर

ईरान का कड़ा रुख, लेबनान पर हमला बंद होगा तब होगी अमेरिका से अंतिम समझौते पर सीधी वार्ता

दोहा/वाशिंगटन

कतर की राजधानी दोहा में अमेरिकी और ईरानी वार्ताकार मौजूद हैं। दोनों पक्षों के बीच अब तक सीधी वार्ता शुरू नहीं हो सकी है। ईरान ने अंतिम समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए कड़ी शर्त रखी है। ईरान का कहना है कि अगर लेबनान में इजराइली हमले रुक जाएं (युद्ध खत्म हो जाए) तो उसे वार्ता शुरू करने पर कोई परहेज नहीं है। इस बीच अमेरिकी वार्ताकारों ने कतर के प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री से मुलाकात की है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर घालीबाफ ने कहा कि तेहरान अंतिम समझौते पर बातचीत तब तक शुरू नहीं करेगा जब तक लेबनान में लड़ाई खत्म नहीं हो जाती। साथ ही वार्ता शुरू करने से पहले वाशिंगटन को तेल पर लगे प्रतिबंध हटाते हुए ईरान के फ्रीज किए गए फंड को जारी करना होगा। ईरान के इस रुख की वजह से दोहा में अमेरिकी वार्ताकारों से सीधी बातचीत संभव नहीं हो पा रही है। अलबत्ता

कतर के प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी ने दोहा में अमेरिकी दूत स्टीव विटकाफ और जेरेड कुशनर से मुलाकात की है।

ईरानी वार्ताकार भी दोहा में मौजूद हैं, लेकिन दोनों पक्षों के बीच आमने-सामने की बातचीत शुरू होने के कोई संकेत नहीं हैं। ईरान ने यह भी कहा है कि वह अमेरिका के साथ हुए एमओयू को लागू करने और फ्रीज की गई ईरानी संपत्ति को जारी करने के मुद्दे पर मध्यस्थ कतर के जरिए अप्रत्यक्ष बातचीत करेगा। तेहरान ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका युद्ध खत्म करने के समझौते का उल्लंघन करता है, तो वह उसका जवाब देगा। इजराइल ने दावा किया है कि उसने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के एक और लड़ाके को मार गिराया है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ स्काट उहलिंगर का कहना है कि वाशिंगटन होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़ते तनाव को संभालने के लिए दोहा में ईरान के साथ अप्रत्यक्ष तकनीकी बातचीत कर रहा है। उहलिंगर ने कहा मुझे लगता है कि अमेरिकी वार्ताकारों का मुख्य मकसद तकनीकी समस्या को सुलझाना है, ताकि भविष्य में आने वाली कुछ मुश्किलों को टाला जा सके।

सीआईए के पूर्व अधिकारी उहलिंगर ने कहा कि ये मुश्किलें होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण पाने की ईरान के राजनयिक कदमों से जुड़ी हैं। अमेरिका यह स्पष्ट करने की कोशिश कर रहा है कि एमओयू के अनुसार, जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षा हो। उहलिंगर ने कहा कि वाशिंगटन की कोशिश है कि कतर और अन्य खाड़ी देश ईरान के साथ बातचीत करके एक गठबंधन बनाएं, जो इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से गुजरने वाले यातायात को नियंत्रित कर सके।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका, ईरान ने लेबनान डी-कान्फ्लिक्शन सेल के लिए दूत नियुक्त किए: घालीबाफ

तेहरान। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर घालीबाफ का कहना है कि अमेरिका और ईरान ने

लेबनान डी-कान्फ्लिक्शन सेल (टकराव रोकने वाली इकाई) के लिए दूत नियुक्त किए हैं। इन दूतों का प्राथमिक उद्देश्य दो विरोधी या अलग-अलग ताकतों के बीच गलतफहमी को रोकना, सैन्य टकराव को टालना और आपसी सहयोग या युद्धविराम को बनाए रखना है। यह नियुक्तियां स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टाक में अमेरिका और ईरान के बीच हुई ऐतिहासिक वार्ता के दौरान लेबनान में तनाव कम करने और युद्धविराम का पालन कराने के लिए एक विशेष लेबनान डी-कान्फ्लिक्शन सेल के गठन पर सहमति बनने के बाद की गई हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी संसद के अध्यक्ष ने सरकारी प्रेस टीवी को दिए साक्षात्कार में यह दावा किया। उन्होंने कहा ईरान और ओमान पहले ही होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री सेवाओं के प्रशासन से जुड़े सभी कानूनी और सेवा संबंधी मामलों पर समझौते पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत तब तक आगे नहीं बढ़ेगी जब तक एमओयू की पांच शर्तों को लागू नहीं किया जाता। इन शर्तों में लेबनान में युद्ध को रोकना, ईरानी तेल एक्सपोर्ट को सुरक्षित करना और ईरान की फ्रीज की गई संपत्ति को जारी करना शामिल है। उन्होंने तर्क दिया कि ईरान-अमेरिका एमओयू का मकसद लेबनान की आजादी को बनाए रखना है। घालीबाफ का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान की ताकत का सबसे बड़ा जरिया है। उन्होंने कहा कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी संप्रभुता बनाए रखेगा। एमओयू से इस जलमार्ग में समुद्री सेवाओं के शुल्क से केवल 60 दिनों की अस्थायी छूट मिलती है। प्रेस टीवी की वेबसाइट के अनुसार, संसद के अध्यक्ष ने कहा, ये हमारे क्षेत्रीय जल क्षेत्र हैं।हम अमेरिका को यह दावा करके विवाद या गलत तर्क पैदा करने की इजाजत नहीं देंगे कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य का सैन्यीकरण किया है। ईरान किसी भी हालत में इस रुख से पीछे नहीं हटेगा।

ईरान, हमास, हिजबुल्लाह से लड़ाई कभी खत्म नहीं होगी: नेतन्याहू

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि ईरान और उसके सहयोगियों (हमास और हिजबुल्लाह) के खिलाफ पूरी जीत हासिल करने की उनकी कोशिश कभी खत्म नहीं होगी । उन्होंने पिछले तीन साल में इजराइल की सैन्य उपलब्धियों का जिक्र किया और साथ ही यह भी कहा कि अभी और काम करना बाकी है। द टाइम्स आफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने चैनल 14 को दिए साक्षात्कार में यह दावा किया। नेतन्याहू से पूछा गया कि क्या गाजा युद्ध के दौरान पूरी जीत हासिल करने का उनका वादा अभी भी कायम है। नेतन्याहू ने कहा, यह कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इजराइल पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है। उसने अपने दुश्मनों को काफी कमजोर किया है। प्रधानमंत्री ने हमास, हिजबुल्लाह और ईरान के ज्यादातर नेताओं को मारने और गाजा, लेबनान व सीरिया में बफर जोन बनाने के अपने कदमों की तारीफ की। उन्होंने यह माना कि ईरान के साथ युद्ध के नतीजे उन पक्के लक्ष्यों से कमतर रहे जो उन्होंने शुरू में तय किए थे।

आजादी की चाह में 40 घंटे का मौत से मुकाबला, जिनपिंग के दुश्मन डोंग गुआंगपिंग की कहानी

बीजिंग। आजादी की कीमत कभी-कभी जेल नहीं, बल्कि जान जोखिम में डालकर भी चुकानी पड़ती है,

और चीन के 68 वर्षीय लोकतंत्र समर्थक डोंग गुआंगपिंग की कहानी इसका जीवंत प्रमाण है। शी जिनपिंग के कम्युनिस्ट शासन के खिलाफ मुखर आवाज उठाने वाले डोंग ने एक छोटी सी रबर की नाव में बैठकर करीब 40 घंटे तक समुद्र में मौत से मुकाबला किया। इस दौरान उनके मोबाइल फोन की बैटरी खत्म होने वाली थी, चारों तरफ सिर्फ पानी था और उन्हें यह भरोसा भी नहीं था कि अगला सूरज देख पाएंगे या नहीं। लेकिन उनके मन में एक ही बात थी, चीन में जिस तरह जी रहा था, उससे तो मौत भी बेहतर लग रही थी। यही अटल संकल्प उन्हें आखिरकार कनाडा तक ले आया, जहाँ पहुँचकर उन्होंने एक दशक बाद पहली बार खुद को सचमुच आजाद महसूस किया। कनाडा पहुँचने के बाद डोंग ने कहा कि चीन में रहना पिंजरे में कैद रहने जैसा था। उन्होंने बताया कि वहाँ अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है और जेल से रिहा होने के बाद भी पुलिस लगातार उनकी निगरानी करती थी, जिससे सामान्य जीवन जीना असंभव था।

चीन हुआ कटहल का दीवाना, बांग्लादेश से कर रहा करार, पीएम तारिक रहमान की हाल ही में चीन यात्रा पर हुई कृषि व्यापार पर चर्चा

ढाका

चीन में कटहल की मांग बढ़ती जा रही है। भारत-बांग्लादेश श्रीलंका और थाईलैंड जैसे देशों के स्थानीय बाजार में बिकने वाला कटहल अब अंतरराष्ट्रीय व्यापार का हिस्सा बन गया है। वियतनाम से बड़े पैमाने पर कटहल आयात करने के बाद अब चीन बांग्लादेश से बड़ा करार करने जा रहा है। इससे कटहल एक बार भी कृषि व्यापार की चर्चा के केंद्र में आ गया है। बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान हाल ही में चीन यात्रा पर गए थे। यहां दोनों देशों के बीच कृषि व्यापार बढ़ाने पर चर्चा हुई। इसमें विशेष तौर पर अगर किसी चीज पर बात हुई तो वह कटहल और चीनी ही थी। फिलहाल चीन की ओर से प्रस्ताव दिया गया और गुणवत्ता मानकों को सेट किया जा रहा है, जिसका साफ संकेत है कि बांग्लादेश को चीन कटहल के बड़े आपूर्तिकर्ता के तौर पर देख रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि बांग्लादेश दुनिया के प्रमुख कटहल उत्पादक देशों में शामिल है।

हालांकि इसका बड़ा हिस्सा देश में ही खप जाता है - चीन में कटहल के अलावा जिस फल की ज्यादा मांग है वो नारियल है। रिपोर्ट में एक्सपर्ट के हवाले से लिखा है कि कटहल दो वजहों से अलग है। पहला यह मीठे फल के तौर पर खाया जा सकता है। दूसरा इसे शाकाहारी मीट के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इसी वजह से प्लांट बेस्ड फूड इंडस्ट्री में इसकी मांग तेजी से बढ़ी है। 2025 में वियतमानी कटहल के चीन को निर्यात किए जाने को औपचारिक मंजूरी दी गई थी। चीन के सीमा शुल्क प्रशासन की एक रिपोर्ट के मुताबिक वियतनाम में तकरीबन 84 हजार से ज्यादा हेक्टेयर क्षेत्र में कटहल की खेती होती है। अगर सालाना उत्पादन देखें तो यह 10 लाख टन से ज्यादा है। 2024 में ही वियतनाम ने कटहल निर्यात से तकरीबन 146 मिलियन डालर की कमाई की थी। चीन के लिए ये अच्छा इसलिए भी है, क्योंकि दोनों देशों भागौलिक तौर पर एक दूसरे से निकट हैं। इससे परिवहन लागत कम रहती है और कटहल के जल्द ही खराब होने की संभावना भी न के बराबर होती है। बांग्लादेश सरकार ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की थी। इसके मुताबिक बांग्लादेश दुनिया के सबसे बड़े कटहल उत्पादकों में से एक है। यहां सालाना 10 से 12 लाख टन कटहल का उत्पादन होता है। कटहल को पोषण के लिहाज से बेहद खास माना जाता है।

नक्शे पर बिंदी जितना छोटा देश, पर कांपते हैं भारत के दुश्मन

विक्टोरिया। हिंद महासागर में चीनी प्रभुत्व के दिन अब शायद लदने वाले हैं, क्योंकि भारत ने समुद्री क्षेत्र में ड्रैगन को घेरने के लिए अपनी रणनीति में एक बड़ा बदलाव किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने विजन महासागर के तहत सीधे सेशेल्स पहुंचे हैं, जिसे हिंद महासागर का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और रणनीतिक खिलाड़ी माना जाता है। पिछले कई वर्षों से चीन इस क्षेत्र के छोटे द्वीपीय देशों को अपने कर्ज के जाल में फंसाकर सैन्य अड्डे स्थापित करने की फिराक में था, जैसा कि उसने श्रीलंका के हंबनटोटा पोर्ट के साथ किया। लेकिन भारत ने ऐन वक्त पर सेशेल्स के साथ अपने सुरक्षा और कूटनीतिक रिश्तों को मजबूती प्रदान करके चीन के स्ट्रिंग आफ पर्ल्स प्लान को बड़ा झटका दिया है। अब हिंद महासागर के उस व्यस्त समुद्री मार्ग पर, जहां से दुनिया का सबसे अधिक तेल और व्यापार गुजरता है, भारत और सेशेल्स मिलकर चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी करेंगे। इस साझा निगरानी के बाद हिंद महासागर में चीन की मनमानी पर पूरी तरह से अंकुश लग जाएगा, और ड्रैगन की किसी भी संदिग्ध गतिविधि का भारत तुरंत और मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार रहेगा। मालदीव के एक बार फिर चीन के खेमे में चले जाने के बाद, भारत के लिए सेशेल्स का साथ रणनीतिक रूप से और भी अधिक नाजुक और महत्वपूर्ण हो गया है। यही कारण है कि दिल्ली से रवाना होते समय प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सेशेल्स भारत का एक अमूल्य समुद्री पड़ोसी है, जो विजन महासागर और ग्लोबल साउथ के देशों को एकजुट करने की भारत की मुहिम का सबसे मजबूत स्तंभ है। नक्शे पर एक बिंदी जितना छोटा दिखने वाला सेशेल्स आखिर भारत और चीन जैसी महाशक्तियों के बीच एक प्रमुख रणनीतिक अखाड़ा क्यों बना हुआ है दरअसल, भौगोलिक आकार में भले ही यह देश बेहद छोटा हो, लेकिन समुद्री मार्ग के संदर्भ में इसकी कूटनीतिक अवस्थिति इसे हिंद महासागर का सबसे बड़ा किंगमेकर बनाती है। यह खूबसूरत द्वीपीय देश दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण और व्यस्त समुद्री मार्ग के ठीक मुहाने पर एक पहरेदार की तरह स्थित है, जहां से अंतरराष्ट्रीय व्यापार का एक बहुत बड़ा हिस्सा और दुनिया भर की अर्थव्यवस्था को संचालित करने वाले तेल के विशाल टैंकर गुजरते हैं।

अमेरिका में दीपावली पर जारी होगा डाक टिकट

वाशिंगटन

अमेरिकी डाक सेवा (यूएस पोस्टल सर्विस) ने इस साल हिन्दू त्योहार दीपावली पर डाक टिकट जारी करने की घोषणा की है। इसमें ह्यूस्टन में रहने वालीं संगीता भूटाडा की बनाई रंगोली की आकृति है। यूएस पोस्टल सर्विस की वेबसाइट पर यह घोषणा 29 जून को की गई। विवरण के अनुसार, दीपावली हिन्दू कैलेंडर के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। शरद ऋतु में मनाया जाने वाला यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। यह पर्व आमतौर पर पांच दिन तक मनाया जाता है।

इस साल दीपावली 8 नवंबर को मनाई जाएगी। संगीता भूटाडा की रंगोली की फोटो विजय दीक्षित ने ली थी।

वेबसाइट के अनुसार, संगीता भारत की रहने वाली हैं और लंबे समय से ह्यूस्टन इलाके में रह रही हैं। वे लगभग 30 वर्ष से इस प्राचीन लोककला का अभ्यास कर रही हैं। इस डाक टिकट को जेनिफर अर्नोल्ड ने डिजाइन किया है। इसे अक्टूबर में जारी किया जाएगा।

यूएस पोस्टल सर्विस ने अमेरिकी तटरक्षक बल, क्रिसमस कुकीज, यहूदियों के त्योहार हनुक्का और अफ्रीकी-अमेरिकी संस्कृति के उत्सव क्वांजा पर आधारित डाक टिकट जारी करने की भी घोषणा की है। कहा गया है कि अमेरिकी तटरक्षक बल अकादमी की 150वीं वर्षगांठ के मौके पर भी एक डाक टिकट जारी किया जाएगा।

इसके अलावा यहूदियों के त्योहार हनुक्का पर लगातार नौवें साल डाक टिकट जारी करने की घोषणा की गई है। इस बार के डाक टिकट में ड्रेडल (एक तरह का लट्टू) का डिजिटल चित्र है। यह कलाकार लिसा पेरिन की यहूदी विरासत और पूर्वी यूरोपीय लोककला परंपरा को दर्शाता है।

पत्नी को पहाड़ से धक्का देकर मारा, इंश्योरेंस के पैसे पर 20 साल किया ऐश

वाशिंगटन। अमेरिका में करीब 20 साल पुराने चर्चित मामले का अंत हो गया है, जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को पहाड़ से धक्का देकर मार दिया था। बाद में इंश्योरेंस के पैसे से 20 साल तक मौज की जिंदगी जीता रहा, लेकिन उसका एक पुराना पाप सामने आ गया, जिसने उसकी पत्नी की हत्या का मामला खोल दिया। हत्या के मुकदमे की सुनवाई शुरू होने से पहले ही व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों की मानें तो उसकी मौत खुद को पहुंचाई चोट के चलते हुई। इसके बाद मृतक पत्नी के माता-पिता ने कहा कि उन्हें दामाद की मौत से मानसिक शांति मिल गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला 2006 का है। 29 साल की बर्नैडेट वेंडर मीर अपने पति डेविड वेंडर मीर के साथ यूटा के मशहूर जियोन नेशनल पार्क घूमने गई थीं। वहीं एंजेल्स लैंडिंग नाम की खतरनाक चट्टान से गिरकर उनकी मौत हो गई। उस समय इसे हादसा माना गया था, लेकिन साल 2022 में एक महिला के नए खुलासे के बाद पुलिस ने जांच दोबारा शुरू की।

हेलसिंकी में भारत-फिनलैंड मीडिया एक्सचेंज पहल पर अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारों ने की चर्चा

हेलसिंकी, फिनलैंड: हेलसिंकी (फिनलैंड) स्थित 'इंटरनेशनल जर्नलिस्ट नेटवर्क ऑफ यूरोप' (खगछए) के अध्यक्ष और प्रमुख पत्रकार नुरेर ज़मान भुइयां ने अपनी फिनलैंड यात्रा के दौरान हैदराबाद (भारत) के 'स्नैप्स इंडिया' से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय पत्रकार मोहम्मद शम्सुद्दीन से मुलाकात की।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य भारत और फिनलैंड के बीच मीडिया सहयोग को मजबूत करना था। इसके तहत एक पत्रकार विनिमय कार्यक्रम (जर्नलिस्ट एक्सचेंज प्रोग्राम) शुरू करने पर चर्चा हुई, जिससे दोनों देशों के पत्रकारों को पेशेवर ज्ञान, सांस्कृतिक समझ और स्वतंत्र व नैतिक पत्रकारिता के बेहतरीन तौर-तरीकों को साझा करने का अवसर मिल सके।

मुख्य बिंदु: इस दौरान भविष्य में सहयोग के अवसरों, पेशेवर आदान-प्रदान और फिनलैंड व भारत के पत्रकारों और मीडिया संगठनों के बीच समन्वय बढ़ाने की पहलों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रस्तावित एक्सचेंज प्रोग्राम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मजबूत अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संबंधों को बढ़ावा देना, नैतिक पत्रकारिता को प्रोत्साहित करना और स्थायी पेशेवर साझेदारी का निर्माण करना है।

इस विशेष अवसर पर, मोहम्मद शम्सुद्दीन ने सद्भावना और मित्रता के प्रतीक के रूप में हेलसिंकी में 'यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इन फिनलैंड' की कानूनी सलाहकार सुश्री लौरा होंकानेन को एक गुलदस्ता भेंट किया। इस दौरान नुरेर ज़मान भुइयां दाईं ओर खड़े नजर आए।

कुछ समय बाद कार्बन डाइआक्साइड उत्सर्जित करने लगेगा आर्कटिक क्षेत्रः शोध

जूनो

हाल ही गहरे अध्ययन के बाद वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि आर्कटिक क्षेत्र की जमी हुई बर्फ के नीचे छिपा विशाल कार्बन भंडार आने वाले दशकों में जलवायु परिवर्तन की चुनौती को और गंभीर बना सकता है। वैज्ञानिकों की माने तो वर्तमान में वातावरण से कार्बन डाइआक्साइड सोखने वाला आर्कटिक क्षेत्र वर्ष 2050 के आसपास इस भूमिका को खो सकता है और इसके बजाय बड़ी मात्रा में कार्बन उत्सर्जित करने लगेगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक तापमान वृद्धि की रफ्तार तेज हो सकती है।

अब तक जलवायु माडल यह मानकर चलते रहे थे कि उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्र और उसके आसपास की भूमि लंबे समय तक कार्बन को अवशोषित करती रहेगी। बढ़ते तापमान के कारण बर्फ पिघलने के बावजूद वहां वनस्पतियों की वृद्धि अधिक कार्बन सोखने में मदद करेगी। इसी आधार

पर अनुमान लगाया गया था कि यह क्षेत्र जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कुछ हद तक संतुलित करता रहेगा। हालांकि नई रिसर्च ने इस धारणा को चुनौती दी है। शोधकर्ताओं के अनुसार पुराने माडलों में जमीन की गहरी परतों में मौजूद कार्बन का सही आकलन नहीं किया गया था। साइबेरिया, अलास्का और कनाडा के बड़े हिस्सों में हजारों वर्षों से जमी हुई परमाफ्रास्ट परतों के नीचे भारी मात्रा में जैविक कार्बन दबा हुआ है।

यह कार्बन सतह से कई मीटर नीचे तक मौजूद है और अब तक बर्फ में कैद रहा है। वैज्ञानिकों ने एक उन्नत जलवायु माडल की मदद से इन गहरी परतों का अध्ययन किया। माडल में पिछले हिमयुग के बाद से जमा कार्बन और 1900 से 2014 तक के ऐतिहासिक आंकड़ों को शामिल किया गया। इसके आधार पर 2100 तक की संभावित परिस्थितियों का अनुमान लगाया गया। अध्ययन में सामने आया कि उत्तरी क्षेत्रों की मिट्टी में पहले की तुलना में कहीं अधिक कार्बन मौजूद है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, परमाफ्रास्ट तेजी से पिघल रही है। इसके पिघलने से मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीव सक्रिय हो जाते हैं और हजारों वर्षों से जमे जैविक पदार्थों को तोड़ना शुरू कर देते हैं। इस प्रक्रिया से कार्बन डाइआक्साइड और मीथेन जैसी ग्रीनहाउस गैसें वातावरण में निकलती हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 2050 के दशक तक आर्कटिक क्षेत्र कार्बन सोखने की तुलना में अधिक कार्बन छोड़ने लगेगा।

शोधकर्ताओं ने यह भी चेतावनी दी है कि वास्तविक खतरा उनके अनुमान से अधिक गंभीर हो सकता है। परमाफ्रास्ट का अचानक धंसना, थर्मोकार्स्ट झीलों का बनना, जंगलों में आग लगना और बर्फ की बदलती संरचना जैसी प्रक्रियाएं अतिरिक्त कार्बन उत्सर्जन को बढ़ावा दे सकती हैं। इनमें से कई कारकों को मौजूदा माडल में पूरी तरह शामिल नहीं किया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह अध्ययन दुनिया के लिए एक गंभीर चेतावनी है। यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आर्कटिक में छिपा यह कार्बन भंडार वैश्विक जलवायु संकट को और गहरा कर सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप को धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अपने साथी के साथ बाहर जाते वक़्त ठीक तरह से व्यवहार करें। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप कुछ समय अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती है और अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। टीवी, मोबाईल का इस्तेमाल गलत नहीं है लेकिन आवश्यकता से अधिक इनका उपयोग आपके जरुरी समय को खराब कर सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत बढ़िया रहेगी। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। प्यार-मोहब्बत की नज़रिए से बेहतरीन दिन है। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा-शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आज आपका जीवनसाथी आपको प्यार और सुख के लोक की सैर करा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख-कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जीवनसाथी की खराब तबीयत के कारण आज आपका धन खर्च हो सकता है लेकिन आपको इसको लेकर चिंता करने की जरुरत नहीं है क्योंकि धन इसीलिये बचाया जाता है कि बुरे समय में वो आपके काम आ सके। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भगीदार हों– और अगर ज़रूर पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी है। आपके हँसने-हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। करिअर के नज़रिए से शुरू किया सफ़र कारगर रहेगा। लेकिन ऐसा करने से पहले अपने माता-पिता से इजाज़ता ज़रूर ले लें, नहीं तो बाद में वे आपत्ति कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप वो काम नहीं कर पाएंगे जो आपको करना था।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुजारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द हो जाए तो चिंता न करें, आप साथ में अधिक समय व्यतीत कर सकेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं

आज का पंचांग

दिनांक : 02 जुलाई 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रातः 09:40 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा प्रातः 09:28 तक
योग : वैधृति सायं 04:38 तक
करण : गर प्रातः 09:40 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:38, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 10:29 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विनय ही सभी गुणों की पूँजी, अहंकार ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु : जैनाचार्य ज्ञानचंद्रजी

सिकंदराबाद जैन स्थानक में धर्मसभा आयोजित, विनम्रता, गुरु मार्गदर्शन और आत्मकल्याण का दिया संदेश

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मनुष्य के जीवन में विनय और नम्रता ही सफलता तथा आत्मकल्याण का वास्तविक आधार है। जो व्यक्ति झुकना सीख लेता है, वही ज्ञान, संस्कार और सद्गुणों से परिपूर्ण होकर समाज में सम्मान प्राप्त करता है। उक्त विचार जैनाचार्य श्री ज्ञानचंद्रजी महाराज ने मंगलवार को सिकंदराबाद जैन स्थानक में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए।

आचार्यश्री ने कहा, कुएँ में उतरने वाली बाल्टी थोड़ी झुकती है तो भरकर बाहर आती है। जीवन की भी यही गणित है। जो झुकता है, वही भरकर बाहर आता है। उन्होंने कहा कि अहंकार मनुष्य के ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु है। भगवान का संदेश भी यही है कि झुकोगे तो पाओगे।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति को कभी भी दादागिरी का भाव नहीं रखना चाहिए। दादागिरी तो मरने के बाद भी कर लोगे, क्योंकि तब लोग पैदल चलेंगे और तुम कंधों पर। इस उदाहरण के माध्यम से उन्होंने अहंकार त्यागकर विनम्र जीवन जीने की प्रेरणा दी।

आचार्य प्रवर ने कहा कि साधु जीवन का प्रथम गुण विनय है। अहंकार टूटते ही ज्ञान का प्रारंभ हो जाता है। पढ़ेंगे कम तो भी पाएँगे अधिक, यदि जीवन में विनय होगा। वास्तव में विनय सभी सद्गुणों की पूँजी है।

उन्होंने एक दृष्टांत सुनाते हुए कहा कि कई बार कुएँ को बहुत गहरा खोदने पर भी पानी नहीं निकलता। तब एक अनुभवी व्यक्ति उचित स्थान पर हथौड़ी से प्रहार करता है और वहीं से जलधारा फूट पड़ती है। उसी प्रकार सद्गुरु अपने अनुभव से शिष्य के जीवन की कमजोरियों पर प्रहार करते हैं। गुरु के उपदेश भले ही कठोर प्रतीत हों, किंतु वही जीवन में ज्ञान और आत्मबोध का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

सिकंदराबाद संघ के संघपति संपतराज कोठारी, अध्यक्ष शांतिलाल बोहरा, कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र कटारिया तथा महामंत्री विजयराज डूंगरवाल ने आचार्य प्रवर का भावपूर्ण स्वागत किया।

संघपति श्री संपतराज कोठारी ने आचार्यश्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरुदेव की ओजस्वी वाणी हमारे जीवन में धर्म की अमिट छाप छोड़ती है तथा हमें आध्यात्मिकता की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देती है। उन्होंने बताया कि गुरुदेव का जन्मस्थान ब्यावर है, जहाँ की तिल पापड़ी पूरे भारतवर्ष में प्रसिद्ध है।

उन्होंने चातुर्मास के पश्चात पुनः सिकंदराबाद संघ में पधारने का आग्रह किया, जिस पर उपस्थित सभी संघ सदस्यों ने खड़े होकर अपनी भावपूर्ण विनती एवं श्रद्धा प्रकट की।

महामंत्री श्री विजयराज डूंगरवाल ने बताया कि आचार्य प्रवर का 1 जुलाई का प्रवचन हिमायतनगर स्थित सुधर्मालय जैन स्थानक में होगा। उन्होंने कहा कि गुरु भगवंत ने दिनभर की सेवा का लाभ प्रदान कर अपनी मंगलमयी वाणी का अमृत बरसाया, जिसके लिए संघ उनकी कृपा के प्रति कृतज्ञ है।

उन्होंने वर्ष 2026 में मौन साधक पूज्य श्री सौरव मुनिजी म.सा. एवं उपप्रवर्तक गौरव मुनिजी म.सा. के चातुर्मास कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि उनका चातुर्मास सिकंदराबाद स्थानक में होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों संत डेयरी फार्म से विहार कर बोलारम पधारेंगे तथा 1 एवं 2 जुलाई को बोलारम में विराजमान रहेंगे। उन्होंने धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया।

सिकंदराबाद संघ की ओर से गौतम प्रसादी का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर संघपति जैन रत्न संपतराज कोठारी, निवर्तमान अध्यक्ष गौतमचंद गुगलिया, अध्यक्ष शांतिलाल बोहरा, कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र कटारिया, महामंत्री विजयराज डूंगरवाल, मंत्री गजेन्द्र तातेड, कोषाध्यक्ष अरुण सांखला, हितेश चाणोदिया, आनंद पितलिया, सज्जन पोकरणा, काचीगुड़ा संघ के महामंत्री पवन कटारिया, सहमंत्री राजेन्द्र कटारिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं संघ सदस्य उपस्थित थे।

मां दूधेश्वरी धाम कुरना में 19–20 सितंबर को विशाल भजन संध्या एवं भव्य मेले का आयोजन

पाली मारवाड़ (राजस्थान), 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडोरा व्यास परिवारों की कुलदेवी मां दूधेश्वरी धाम मंदिर, ग्राम कुरना, पाली मारवाड़ (राजस्थान) में आगामी 19 एवं 20 सितंबर 2026 को दो दिवसीय विशाल धार्मिक आयोजन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर 19 सितंबर 2026, शनिवार (भादवा सुदी अष्टमी) को विशाल भजन संध्या तथा 20 सितंबर 2026, रविवार (भादवा सुदी नवमी) को विशाल भव्य मेले एवं महाप्रसादी का आयोजन होगा।

आयोजकों ने समस्त इष्ट मित्रों, मंडोरा व्यास परिवारों, सिखवाल बंधुओं एवं भक्तजनों से परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कुलदेवी के दरबार में हाजिरी लगाने का आह्वान किया है।

19 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली विशाल भजन संध्या के लाभार्थी परिवार के रूप में स्व. श्री रूपचंद जी, स्व. श्री मदनलाल जी, स्व. श्री प्रताप जी, स्व. श्री बालाराम जी एवं स्व. श्री गमनीराम जी व्यास की पावन स्मृति में उनके पुत्र-पौत्रों द्वारा संचालित मोटावत व्यास परिवार, ग्राम कुरना की ओर से 2,25,000 की सहयोग राशि प्रदान की गई है।

20 सितंबर 2026 को आयोजित विशाल भव्य मेले की महाप्रसादी के लाभार्थी परिवार के रूप में स्व. श्री हंसराज जी के सुपुत्र श्री राजेश जी एवं श्री पन्नालाल जी व्यास (सिखवाल), ग्राम नराधना, हाल मुकाम सिकंदराबाद (सिखवाल ट्रेडर्स) द्वारा 1,51,000 की सहयोग राशि समर्पित की गई है।

मंडोरा व्यास परिवार सेवा समिति ने समाजबंधुओं एवं भक्तजनों से अपील की है कि वे कुलदेवी के इस भव्य मेले में विभिन्न सेवाओं का लाभ लेकर पुण्य अर्जित करें। दो दिवसीय आयोजन में निम्न सेवाओं हेतु सहयोग राशि निर्धारित की गई है

दो दिवसीय मेले में जल एवं चाय सेवा : 31,000

20 सितंबर 2026 (भादवा सुदी नवमी) शोभायात्रा सहयोग : 51,000

20 सितंबर 2026 प्रातःकालीन अल्पाहार सेवा : 31,000

19 एवं 20 सितंबर 2026 के संपूर्ण मेले की वीडियो एवं फोटोग्राफी सेवा : 31,000

समिति द्वारा विशेष सूचना जारी करते हुए बताया गया है कि पाली मारवाड़, राजस्थान जाने के लिए 13 जुलाई 2026 से रेल टिकट आरक्षण हेतु काउंटर खुलने जा रहा है। समाजबंधुओं एवं भक्तजनों से आग्रह किया गया है कि वे अपने परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में टिकट आरक्षित करवाकर कुलदेवी मां दूधेश्वरी के दरबार में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएं।

मां दूधेश्वरी धाम मंदिर सेवा समिति ने जानकारी दी कि मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए वर्ष के 365 दिन उत्तम आवास व्यवस्था उपलब्ध है। वहीं भोजशाला में प्रतिदिन नियमित रूप से प्रसाद एवं भोजन की व्यवस्था संचालित होती है।

प्रातः 7:00 बजे – चाय एवं अल्पाहार
दोपहर 12:30 बजे – महाप्रसाद भोजन
अपराह्न 4:00 बजे – चाय
सायं 6:30 बजे – महाप्रसाद भोजन

समिति ने सभी भक्तजनों से कुलदेवी मां दूधेश्वरी के इस दो दिवसीय भव्य धार्मिक महोत्सव में सहभागी बनकर धर्मलाभ एवं पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान अस्पताल में उपचाररत मरीजों के परिजनों, जरूरतमंदों एवं राहगीरों को ससम्मान भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे समर्पण, अनुशासन और आत्मीयता के साथ अपनी सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि ङ्कङ्कमानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।ङ्कङ्क उन्होंने कहा कि भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे श्रेष्ठ पुण्य है और समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार सेवा कार्यों में अवश्य भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर अन्नदान के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत कर रहा है, जो सभी के लिए प्रेरणादायी है।

कार्यक्रम में उमाकांत गुप्ता ने कहा कि नियमित अन्नदान केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का सशक्त माध्यम है। वहीं मनीष अग्रवाल ने कहा कि सेवा का प्रत्येक छोटा प्रयास किसी जरूरतमंद के जीवन में नई उम्मीद जगा सकता है और यही राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी पहचान है।अन्नदान कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने पूरी श्रद्धा और सेवा भाव के साथ भोजन वितरण किया। जरूरतमंदों ने ग्रुप के इस नियमित सेवा अभियान की सराहना करते हुए सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, मनीष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी ने संकल्प लिया कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से राधे-राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान अभियान आगे भी इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगा।

बंजारा हिल्स के एक सभागृह में आयोजित विशेष कार्यक्रम में जस्मता पटेल, ए.बी. चैतन्य दास स्वामी, महेश अग्रवाल एवं अन्य अतिथियों द्वारा फिल्म नागबंधम की निर्माता निशिता नागारेड्डी, अभिनेता विराट कर्ण और अभिनेत्री नाभा नटेश को लव फॉर काऊ का स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

मंचेरियल में भाजपा की विरोध रैली, पार्षदों पर दर्ज केस वापस लेने की मांग

मंचेरियल, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) – नगर परिषद के पास धरने के दौरान भाजपा नेताओं पर पुलिस द्वारा केस दर्ज करने के विरोध में मंगलवार को जिला भाजपा ने डीसीपी कार्यालय तक रैली निकाली। महापौर व नगर आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी कर डीसीपी भास्कर को ज्ञापन सौंपा।

जिलाध्यक्ष नागुनुरी वेंकटेश्वर गौड़ ने कहा कि नगर निगम बैठक में भ्रष्टाचार पर सवाल पूछने पर भाजपा पार्षदों को बाहर कर दिया गया। शांतिपूर्ण विरोध पर भी पुलिस ने अवैध केस दर्ज किया, जिसे तुरंत वापस लिया जाए।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुनाथ ने नगर निगम में भ्रष्टाचार व धन के दुरुपयोग की जांच और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष राजकुमार, पार्षद मुकेश गोड, बोटला अनिता व अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

पेद्दापल्ली में ऑयल पाम मेगा प्लांटेशन कार्यक्रम

पेद्दापल्ली, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी व्हिप व विधायक चिंताकुंटा विजयरामन राव और जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने बुधवार को एलीगेडु मंडल के शिवपल्ली गांव में ऑयल पाम मेगा प्लांटेशन कार्यक्रम में भाग लिया। विधायक विजयरामन राव ने कहा, ऑयल पाम से किसानों को स्थिर आय मिलेगी। सरकार सस्ते दाम पर पौधे दे रही है और 4 साल बाद प्रति एकड़ 3 लाख तक आय संभव है। बीच में इंटरक्रॉप भी ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि एसआरएसपी डी-83 और डी-86नहरों से क्षेत्र में 1.20-1.30 लाख एकड़ आयाकट है। इस सीजन 2.41 लाख मीट्रिक टन धान व 27 हजार मीट्रिक टन मक्का मएसपी पर खरीदा गया। सुपर एल नीनो के कारण कम बारिश की आशंका पर कम पानी वाली फसलों की सलाह दी। यूरिया का अधिक उपयोग मिट्टी के लिए हानिकारक बताया। कलेक्टर श्रीहर्ष ने कहा, शिवपल्ली में एक साथ 120 एकड़ में रोपण सराहनीय है। श्रीरामपुर मंडल में नई ऑयल पाम प्रोसेसिंग फैक्टरी लग रही है। वर्तमान रेट 23,000/टन है। छोटे, सीमांत व अकेली महिला किसानों को ड्रिप, बोरहोल व बिजली कनेक्शन में मदद का आश्वासन। 50 एकड़ और रोपण पर नई सड़क मंजूर होगी। कार्यक्रम में मार्केट कमेटी चेयरमैन तिरुपति रेड्डी, ऑयल पाम फैक्टरी एमडी श्याम, कृषि अधिकारी व किसान मौजूद रहे।

पेद्दापल्ली में सफाई कर्मचारियों को अनुशासन में काम करने के निर्देश

पेद्दापल्ली, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) – म्युनिसिपल चेयरमैन नुगिला मल्लैया ने मंगलवार को म्युनिसिपल कार्यालय में सफाई कर्मचारियों की बैठक में कर्मचारियों को अनुशासन में रहकर ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश का मौसम देखते हुए सफाई कार्य में लापरवाही न बरतें। कई कर्मचारी 3-4 महीने से ड्यूटी से गायब हैं, जिससे वार्डों में सफाई ठप है और अन्य कर्मचारियों पर बोझ बढ़ रहा है। वार्ड पार्षदों को जनता की शिकायतें मिल रही हैं।चेयरमैन ने चेताया कि बीमारी की स्थिति में कमिश्नर या संबंधित अधिकारियों को सूचित कर छुट्टी लें। बिना अनुमति अनुपस्थित रहने पर विभागीय कार्रवाई होगी। ड्यूटी में कोई समस्या हो तो कमिश्नर या उन्हें बताएं।

उन्होंने शहरवासियों से भी सफाई कर्मचारियों के साथ सहयोग की अपील की। बैठक में जूनियर असिस्टेंट रमाकांत, सैनिटरी इंस्पेक्टर राममोहन रेड्डी, पुलिपका राजू, जवान जयराज, मोहन, करुणाकर, अनिल, चिन्ना, वेणु लाल व अन्य नगर निगम कर्मचारी मौजूद रहे।

मंचेरियल महिला डिग्री कॉलेज में शी टीम जागरूकता अभियान

मंचेरियल, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) – मंचेरियल एसआई उषारानी ने मंगलवार को समाज कल्याण महिला डिग्री कॉलेज में शी टीम जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में डीसीपी ए. भास्कर और एसीपी आर. प्रकाश मुख्य अतिथि रहे। डीसीपी भास्कर ने कहा कि शी टीम का उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा, आत्मविश्वास व गरिमा की रक्षा करना है। पुलिस स्टेशन जाने से डरें नहीं। शिकायत मिलते ही टीम गोपनीय तरीके से कार्रवाई करेगी और शिकायतकर्ता की जानकारी गुप्त रखी जाएगी। उन्होंने छात्राओं से सोशल मीडिया, फोन कॉल या व्यक्तिगत उत्पीड़न की तुरंत सूचना देने की अपील की। कहा कि चुप्पी उत्पीड़न को बढ़ाती है। समस्या माता-पिता, शिक्षक या शी टीम को बताएं। शी टीम 24 घंटे मदद के लिए तैयार है। डीसीपी ने छात्रों को अपनी प्रतिभा पहचानने, दबाव में मनहींफकहने का साहस रखने और शांति से समस्या का विश्लेषण करने की सलाह दी। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक एस. चंद्रशेखर रेड्डी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर. प्रताप रेड्डी और उप पुलिस अधीक्षक डी. आनंद कुमार भी उपस्थित थे।

भगवती त्रिपुर भैरवी

Ö»ßÇÌ दुर्गा के अनंत नामों में से एक नाम महाविद्या है। वस्तुत: एक ही शक्ति अलग-अलग रूपों में अवतरित होकर अनेक प्रकार की लीलाएं करती है। आगमों की उपासना पद्धति में विशेष रूप से भगवति का त्रिपुर भैरवी नाम सर्वाधिक प्रतिष्ठित है। महाभागवत देवी पुराण में माता त्रिपुर भैरवी का विस्तृत वर्णन मिलता है। माहेश्वरी त्रिपुर भैरवी को त्रिपुर सुंदरी एवं षोडसी नाम से भी साधना की जाती है। शत्रुओं का दमन करने वाली, त्रिजगत को धारण करने वाली ये माताएं महाकाली के ही स्वरूप हैं। वाराही पुराण में वर्णित है कि ब्रह्मा, विष्णु व स्वयं शिव ने भी इनकी आराधना की थी। इसी लिए इनका नाम त्रिपुरा पड़ा।

साधना के लाभ

त्रिपुर भैरवी की कृपा से साधक सिद्ध हो जाने पर समस्त प्रकार की सिद्धयां प्राप्त कर लेता है। उसकी सभी इच्छाएं व कामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। इससे साधक स्वयं ही आश्चर्यचकित रह जाता है। वह समस्त ज्ञान-विज्ञान व मंत्र विद्या में पारंगत होकर एक आद्वितीय पुरुष व तेजस्वी पुरुष बन जाता है। उसे भूतकाल व भविष्य का ज्ञान होने लगता है।

दक्ष-नारद संवाद

देवी पुराण में कथा आती है कि एक बार ब्रह्मा पुत्र दक्ष प्रजापति ने यज्ञ का आयोजन किया। हुआ यूं कि एक बार नारद जी दक्ष प्रजापति के पास पहुंचे और बोले, 'प्रजापते, आप जिन महेश्वर की प्रतिदिन निंदा करते हैं, वह उससे क्रोधित होकर जो करना चाहते हैं, उसे आप सुन लीजिए, वह अपने भूतगणों के साथ आपके निकट आकर आपको नष्ट कर देंगे। आपसे स्नेह के कारण ही मैंने आपको सारी बात बताई है। इसे आप कभी किसी पर प्रकट न करें।' ऐसा कह नारद जी आकाश मार्ग से अपने स्थान लौट गए।

इधर, दक्ष ने अपने मंत्रियों को बुलाकर समस्या उनके सामने रखी। तब मंत्री बोले, 'हे प्रजापति, हम देवाधिदेव शिव की इस अनीति का कारण नहीं समझा पा रहे। आप तो बुद्धिमानों में श्रेष्ठ व सभी शास्त्रों के ज्ञाता हैं। आप ही कोई मार्ग सुझाएं।' तब दक्ष ने कहा, 'शमशान में निवास करने वाले भूतों के आधिपति शिव को छोड़कर आप सभी देवताओं को बुलाकर मैं यज्ञ का आयोजन करूंगा। समस्त विघनों का नाश करने वाले यज्ञेश्वर भगवान विष्णु को यज्ञ का संरक्षक बनाकर इसे सफलता पूर्वक संपन्न करवाउंगा। इस प्रकार पुण्य यज्ञ का आरंभ हो जाने पर भूतपति शिव मेरे पुण्यकर्मयुक्त नगर में कैसे आ पाएंगे?'

कैसे करें आराधना

त्रिपुर भैरवी की आराधना का समय रात्रि काल है। मंदिर में या किसी एकांत कमरे में आम से बना हुआ तथा लाल रंग से रंगा हुआ सिंहासन स्थापित करें। इस पर लाल वस्त्र बिछाकर भगवती त्रिपुर भैरवी का चित्र या मूर्ति स्थापित करें। धूप-दीप जलाएं। स्वयं भी लाल वस्त्र पहनें, लाल रंग के फूलों का इस्तेमाल ही करें। फिर ध्यान मंत्र, मूल मंत्र व कवच मंत्र का पाठ करें।

मूल मंत्र- ॐ हस्त्रीं त्रिपुर भैरव्यै नम: मां के इस मंत्र का जाप 81 दिन में 5 लाख संपन्न करें। जप समाह्श्वत होने पर दशांश हवन करें। हवन के बाद आरती विसर्जन करें। 41 कन्याओं को मीठा भोजन करवाएं। साधना सिद्ध होने पर त्रिपुर भैरवी स्वयं आशीर्वाद देती हैं।

किसी प्रेम को, आस्था को या समर्पण को जानना है, तो मीरा को जानना होगा। मीरा को जानना मोहन को पाने के बराबर है। कारण इसका यह भी है कि एक स्तर पर आकर उनका आपस का भेद ही खत्म हो जाता है...

मीरा और मोहन

कृष्ण को जानना हो, तो मीरा को सेतु बनाओ, क्योंकि मीरा के अलावा दूसरा कोई सेतु नहीं जो कृष्ण की थाह पा सके। भक्त हर युग में हुए, मगर मीरा जैसा भक्त किसी युग में दूसरा नहीं हुआ। मीरा की कृष्ण भक्ति के आगे दुनिया की हर भक्ति फीकी दिखाई पड़ती है। मीरा कृष्ण जी की मूर्ति के सामने खड़ी होकर कहती हैं- 'मैं तो सिर्फ इस योग्य हूं कि तुम्हारे गीत गा सकूं। इसके अलावा मुझमें दूसरा कोई गुण नहीं है।

'जहां बैठाने तित ही बैठूं, बेचे तो बिक जाऊं।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, बार-बार बलि जाऊं।'

अर्थात- अब तो मेरा जीवन उसी की आज्ञा के जैसा चलता है। जहां बिठा देता है, वहीं बैठ जाती हूं। उठने को कहता है, तो उठ जाती हूं। मेरे तो प्रभु कृष्ण कन्हैया हैं, जिन पर जीवन बलिहारी है।

परमात्मा के प्रति मीरा की दीवानगी इस हद तक थी कि उन्हें दुनिया में कृष्ण के अलावा कुछ दिखाई ही नहीं देता था। वह कहती हैं, संतों के संग बैठ बैठ कर वह जो लोक लाज का व्यर्थ आड बर था, बोझ था वह सारा मैंने उतार दिया है। संत के संग बैठ कर भी अगर लोग लाज न खोई, तो संत से या सीखा?

कौन थीं मीरा?

मीरा कृष्ण की दीवानी थी, ऐसा सारा संसार जानता है। मगर उनकी पृष्ठभूमि को जानना भी बहुत जरूरी है। मीरा का जन्म राठौर परिवार के रत्न सिंह और वीर कुंवरी के घर 1512 में मेड़ता में हुआ था। मीरा के दादा का नाम राव द्दा जी था, जो अत्यंत धनाढ्य थे। मीरा की माता वीर कुंवरी झाला राजपूत सुल्तान सिंह की बेटी थी। रत्न सिंह ने कुड़की गांव को अपना केंद्र बनाया था। मीरा ने गुरु गजाधर से शिक्षा ग्रहण की। उन्हें अपनी आजीविका के लिए सात हजार बीघा जमीन दे रखी थी और उन्हें व्यास की पद्वी से विभूषित किया था। मीरा की एक बाल सखी थी ललिता, जो वास्तव से उसकी दासी थी। एक बार मीरा महल के ऊपर खड़ी थी। नीचे से एक बारात जा रही थी। बाल सुलभ मीरा ने मां से पूछा कि यह क्या हो रहा है? मां ने बताया कि बारात जा रही है। मीरा के यह पूछने पर कि बारात क्या होती है? मां ने कहा कि वर पक्ष के लोग कन्या के घर पर उसे विवाह कर लातें है और विवाह में वर का किसी कन्या के साथ विवाह होता है। उसने मां से पूछा कि मेरा वर कौन होगा? इतने में कुल पुरोहित श्रीकृष्ण की एक मूर्ति लेकर आए और मां ने मजाक में कह दिया कि यह है तेरा वर। और मीरा ने श्रीकृष्ण को अपना वर मान लिया।

जब मीरा की शादी हुई

मीरा जब शादी के योग्य हुईं, तो माता-पिता ने उनका रिश्ता राजकुंवर भोजराज से कर दिया। भोजराज चितौड़ नरेश राणा सांगा के पुत्र थे। मीरा ने इसे अपनी दूसरी शादी करार दिया। राजघराने की बहू बनने के बाद भी वह हर वक्त श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन रहने लगीं। मीरा की एक देवरानी थी अजब कुंवरी, जो बाल विधवा थी। उसने मीरा की भावनाओं को समझ लिया तथा उसे सखी जैसा प्यार देने लगी। दूसरी तरफ उसकी ननद ऊदो ने बड़ी कोशिश की कि मीरा कृष्ण भक्ति छोड़ दें, मगर असफल रहीं।

राजकुंवर भोजराज की असमयिक मृत्यु हो गई। प्रथा के अनुसार पति की मृत्यु पर पत्नी को सती हो जाना था, मगर मीरा ने सती होने से इंकार कर दिया। सभी लोग चाहते थे कि मीरा सती हो जाए, मगर भोजराज का छोटा भाई मीरा के पक्ष में खड़ा हो गया और वह सती होने से बच गईं।

जब मीरा पर अत्याचार हुए

उसी समय बाबर ने भारत पर आक्रमण कर दिया। राणा सांगा और बार में भीष्ण युद्ध हुआ, तो मीरा के पिता रत्न सिंह और भाई जलमल तथा अन्य रिश्तेदार राणा सांगा के साथ खड़े हो गए। मगर युद्ध में मारे गए, जिससे मीरा बहुत आहत हुईं। राणा सांगा भी मारा गया, तो चित्तौड़ की गद्दी पर राणा रत्न सिंह और उसके बाद विक्रम सिंह बैठे। विक्रम सिंह की बुरी नजर मीरा पर पड़ गई। उसने मीरा को प्राप्त करने का हर संभव प्रयास किया, मगर उसके इंकार करने पर वह मीरा से बदला लेने की सोचने लगा।

जन्माष्टमी के दिन राजा विक्रम सिंह ने मीरा को एक उपहार पेटिका भेजी, जिसमें काला भयंकर सांप था। मीरा ने पेटिका खोली, तो उस सांप को देखते ही पकड़ लिया। उसे कुछ नहीं हुआ। इतना ही नहीं, एक बार मीरा को धोखे से श्रीकृष्ण का चरणामृत कहकर विष भेजा गया। मीरा विष पीकर भी जिंदा रहीं। तब क्रोधित विक्रम सिंह ने मीरा पर तलवार से हमला किया, तो उसे एक साथ चार-चार मीरा नजर आने लगीं। आखिरकार मीरा अपने ताया के पास मेड़ता चली गईं, ताकि उसके अत्याचारों से बच सके। वह मथुरा वृंदावन भी गईं। और वहां के रणछोड़ जी के मंदिर में अपने बनाए भजन गाया करती थीं।

मीरा समुद्र की लहरों में समा गई

उधर राणा विक्रम अभी भी मीरा के पीछे पड़ा था। उसने पुरोहितों को मीरा के पास भेजा कि राणा बदल गया है। उसने यह भी कहलवा दिया कि अगर वह न लौटीं, तो वह आमरण अनशन करेगा। मीरा ने समझ लिया कि अब प्रभु मिलन का समय आ गया है। वह समुद्र की लहरों की ओर बढ़ने लगीं और इस तरह 1573 में वह समुद्र की लहरों में समा गईं।

व्यवसाय में उन्नति के लिए करें यह आसान उपाय

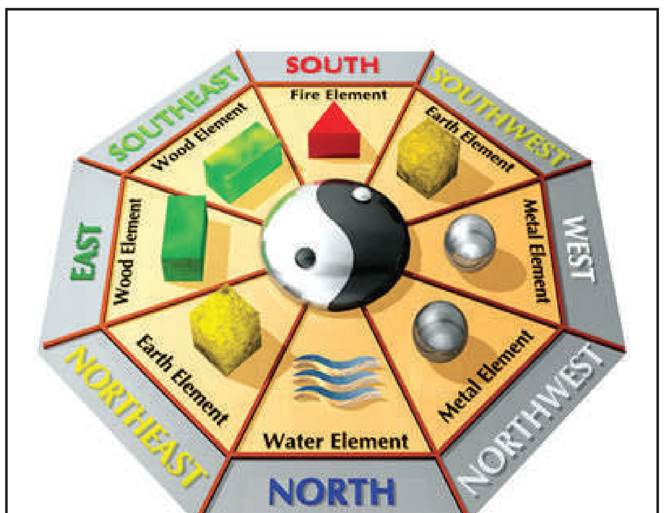

सभी चाहते हैं कि उनके व्यापार में उन्नति हो और वे सफलता की सीढियां चढ़ते जाएं। लेकिन व्यापार में भी उतार-चढ़ाव आता रहता है यदि आप चाहते हैं कि आपका व्यापार-व्यवसाय लगातार तरक्की करता रहें तो यहां कुछ विशिष्ट उपायों का विवरण दिया जा रहा है, जो अलग-अलग राशियों से संबंधित हैं।

मेष राशि: -मेष राशि वाले व्यवसाय स्थल पर कांच या मिट्टी के पात्र में जल भरकर रखें। कांच के बर्तन में थोड़ा पानी डालकर पांच सफेद फूल रखें। पानी बदलते रहें। लोहे, स्टील या अन्य धातु, वॉटर कूलर, जग में पीने का पानी भरकर नहीं रखना चाहिए। मीठा खाकर जल पीकर प्रस्थान करना शुभकारी है।

वृष राशि: - वृष राशि वाले व्यवसाय स्थल पर चमकीले एवं हल्के रंगों का प्रयोग कर साज-सज्जा करें। दरवाजे के सामने के बजाए किसी कोने में बैठने का स्थान होना चाहिए।

मिथुन राशि:- मिथुन राशि वाले हरे पत्तों सहित फूल लाकर अपनी दुकान या संस्था के ऑफिस में रखें। उत्तर या पूर्व की दीवार पर डॉल्फिन या पेंडुलम घड़ी अवश्य लगाएं। संस्थान के बाहर पांच हरे पौधे लगाएं। कार्यालय में आवाज करने वाला कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण न रखें।

कर्क राशि:- कर्क राशि वाले किसी पवित्र नदी या सरोवर का जल कांच के पात्र में भरकर दुकान के पूजाघर में रखें। इसके आलावा कार्यसिद्धि यंत्र अपने पूजा घर में रख प्रतिदिन दर्शन करें। पूर्णिमा को अपनी दुकान के प्रवेश द्वार के दोनों ओर कुछ गंगाजल अवश्य छिड़कें।

सिंह राशि:- सिंह राशि वाले अपने व्यवसाय स्थल में इस प्रकार बैठना चाहिए कि बाहर से व्यक्ति का मुंह दिखाई न पड़े। अष्टमी के दिन मिट्टी का शेर मंदिर में चढ़ाना चाहिए। लोहे या किसी भी धातु के फर्नीचर का प्रयोग बहुत कम करना चाहिए।

कन्या राशि:- कन्या राशि वाले व्यापार शुरू करने से पहले दुर्गा चालीसा का पाठ करें। लकड़ी का फर्नीचर प्रयोग में लाएं। इसके आलावा व्यवसाय स्थल के सम्मुख गाय को हरा चारा या पालक खिलाएं।

तुला राशि:- तुला राशि वाले जातकों को संस्थान के मध्य भाग में बैठना चाहिए। सात श्रीफल लाल वस्त्र में बांधकर कार्यस्थल की अलमारी में रख दें। उस अलमारी में अन्य सामान नहीं होना चाहिए। शक्रवार के दिन से शुरू कर सुगंधित पुष्प लाकर पूजा घर में चढ़ाने चाहिए। मां दुर्गा के दर्शन कर फिर दुकान खोलें। दुकान में सजावट व स्वच्छता का बहुत ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि:- वृश्चिक राशि वाले अपने व्यवसाय स्थल के मुख्य द्वार के दोनों ओर सिंदूर से स्वस्तिक बनाएं। दुकान के मंदिर में प्रथम मंगलवार, शनिवार को लाल पुष्प चढ़ाएं। कार्यस्थल पर आते समय किसी पूज्य व्यक्ति के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेकर आएं। प्रत्येक मंगलवार गंगाजल लेकर दुकान के सभी कोनों में फूल द्वारा छिड़कें।

धनु राशि:- धनु राशि वाले कोष स्थान पर सफेद चंदन की लकड़ी हल्के गुलाबी रंग के कपड़े में लपेटकर रखें7 दुकान के मंदिर में गाय के दूध से बने घी में छोटी इलायची डालकर दीपक जलाएं।

पीठ पीछे पूजा घर न बनाएं। मुख्य द्वार के सामने न बैठें। गुरुवार के दिन पीले फूल मंदिर में चढ़ाएं। गाय को रोटी-गुड़ खिलाएं।

मकर राशि: - मकर राशि वाले घोड़े की नाल मुख्य द्वार पर शाम के समय पीपल वृक्ष को छुआकर लगाएं। व्यापार बहुत मंदा हो गया हो तो शनिवार को मिट्टी के घड़े पर ढक्कन लगाकर, टेप से बंद कर दुकान में रख दें। बुधवार प्रात: काल उसे बहते जल में बगैर ढक्कन खोले प्रवाहित कर दें।

कुंभ राशि:- कुम्भ राशि वाले कार्यस्थल में इस प्रकार बैठें कि आगे का स्थान खुला हो। कोई कोना या बंद दरवाजा न हो। शनिवार को मिट्टी के कुल्हड़ में मिट्टी का ढक्कन रखें। उस ढक्कन में 250 ग्राम काले तिल रखें तथा अगले दिन वह कुल्हड़ तिल सहित किसी को दान कर दें या पीपल पर रख आएं। सजावट में लाल व सफेद रंग का प्रयोग न करें। शनिवार को दुकान पर आए भिखारी को खाली हाथ न लौटाएं।

मीन राशि:- मीन राशि वाले कार्यस्थल पर जाने से पूर्व पूज्य व्यक्ति के चरण स्पर्श व कार्यसिद्धि यंत्र के दर्शन कर घर से निकलना चाहिए। गुरुवार को पीला फल लाकर कार्यस्थल के पूजाघर में रखें, दूसरे दिन उसे किसी भिखारी को दान दें।

गुरुवार के दिन कार्यस्थल पर आए हुए साधु को दान अवश्य दें। सफेद चंदन को पीले वस्त्र में बांधकर नवरात्र की नवमी को दुकान की तिजोरी में रखें। बुधवार को पीला पपीता खिलाएं।

ज्योतिष विद्या और मै

ज्योतिष शास्त्र एक ऐसी विद्या है जो पूर्णरुपेन भगवत अराधना और दया से ही प्राप्त हो सकती है। मैने अपने जीवन की आधी सदी बस ये जानने में बिता दिया कि ज्योतिष शास्त्र आखिर है क्या? ये बहुत ही गुढ़ विद्या है, जो हर असम्भव को सम्भव कर सकता है। भूत,वर्तमान और भविष्य त्रिकालों का जानकार ही एक सच्चा ज्योतिष होता है।वो महाकाल त्रिकालदर्शी शिव सा तेज वाला कालपुरुष होता है।आज कल के निम्नस्तरीय वातावरण में ज्यों ही हमारे कानों में ज्योतिष शब्द आता है, हम सोच लेते है एक चंदन धारी, धोती पहने एक बुजुर्ग की छवि।पर ज्योतिष का जानकार इन्ही रुपों का संवाहक हो ऐसा जरुरी नहीं। आजकल युवाओं का रुझान इस विद्या की ओर देखने को मिला है ,जो ये साबित करता है कि अब भी हमारा देश विवेकानंद के सपनों को साकार करने में जागरुक है।मै स्वयं एक युवा ज्योतिष हूँ, मैने मात्र 20 साल की उम्र से ही इस विद्या का प्रहरी हूँ।रात दिन सुबह शाम एक करके आज 20 सालों बाद भी ऐसा लगता है कि मैने कुछ नहीं सीखा, मै कुछ नहीं जानता।ज्योतिष शास्त्र अनंत है।धन्य है हमसब जो ऐसी विद्या के सागर के दो बूँद से जनकल्याण हेतु दो बूँद उपयोग में लाते है।

ज्योतिष शास्त्र एक दैविक विद्या है और साथ में एक ऐसा मार्गदर्शक कि जन्मपत्री का सही गणित करके भविष्य वाचन किया जाये तो आगे का मार्ग शुभ, अशुभ का पता चल जाता है। ज्योतिष एक महान विद्या है, वही उसका दुरुपयोग भी बहुत हो रहा है। एक दो छोटी मोटी पुस्तकों को पढ़ ज्योतिष बनना कठिन है। किसी इष्ट की सहायता से ही एक सार्थक फलित वाचक ज्योतिष बना जा सकता है। भगवत दया से निरंतर मै अपने विचारों से आपसबको को रुबरु कराऊँगा,यूँही मेरा साथ दे...

अनेकानेक बाधाओं से मुक्ति मात्र सिर्फ एक उपाय से.....

कर्म करना एक तरह से मानव जीवन की विवशता ही है, क्यों कि किए गए कर्मो से ही प्रारब्ध का निर्माण होता है. भाग्य पूर्व के संचित कर्मों तथा वर्तमान जीवन के किए गए कर्मों के मिश्रण का ही रहस्यमयी अंश है.

इसलिए अधिकतर लोग अपने-अपने क्षेत्रों में सफलता के चरम को छूने के लिए निरन्तर संघर्षशील रहते हैं, लेकिन इनमें से बहुत कम ही अपने सपनों को हकीकत में बदल पाते हैं. एसी मान्यता है कि प्रकृति केवल योग्य 'प्रारब्ध' का ही स्वागत करती है. यहाँ योग्य शब्द विज्ञान के किसी भी तर्क तथा मानव बुद्धि की सीमा से बाहर है. 'योग्यता' के बीज कर्मफल में ही छिपे रहते हैं और इन बीजों में लुप्त रहतपनी चेतना में समेटे आत्मा इस शरीर में जन्म लेती है.

किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में वरदान धनयोग, राजयोग, महापुरूष योग आदि कई प्रकार के योगों के रूप में उभरता है तथा अपनी दशा अनुसार व्यक्ति की दृष्टि, बुद्धि, विवेक तथा पुरूषार्थ को सफलता, सम्पन्नता, एश्वर्य, सुख तथा यश-मान, प्रसिद्धि की ओर अग्रसर करता है.

दूसरी ओर किसी की जन्मकुंडली में श्राप अद्भुत रूप से उसके जीवनकाल में किए जा रहे क्रियामान प्रयत्नों(कर्मों) में अवरोध, निराशा, हताशा व दु:ख का विष घोलता रहता है.

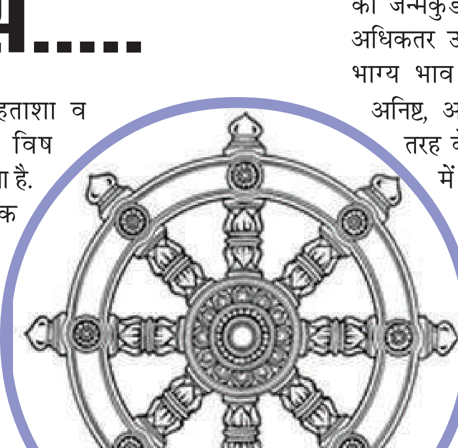

यही एक जटिल रहस्य है, जो हमें बताता है कि क्यों हममें से कुछ लोग औरों की अपेक्षा अधिक भाग्यशाली, सफल व सुखी जीवन व्यतीत कर रहे होते हैं, कुछ थोडे से प्रयत्न से ही अचानक सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ जाते हैं-जब कि कुछ अत्यधिक संघर्ष के बावजूद दयनीय तरीके से विफल रहते हैं. किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में ये श्राप अधिकतर उसके कर्म एवं भाग्य भाव को बाँधकर अनिष्ट, अरिष्ट तथा तरह तरह के भय के रूप में उजागर होते हैं, जो उस व्यक्ति के इच्छा क्षेत्र में खलबली मचाए हुए उसे संसार के तमाम सुखों से वंचित रखते हैं.

प्रारब्ध भले ही जीवन की विवशता हो, परन्तु पूर्व जन्म के अधिकतर दोषों, अपराधों यथा किन्ही श्राप आदि से व्यक्ति उपासना, प्रायश्चित कर्म के माध्यम से मुक्ति अवश्य प्राप्त कर सकता है.

पूर्वजन्मकृत किसी श्रापादि जन्य दुष्प्रभाव से मुक्ति का सहज उपाय :-

प्रत्येक महीने में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि, जिसे कि मास-शिवरात्रि भी कहा जाता है.

वर्षप्रयन्त यदि उस दिन उपवास रख, शिवलिंग पर चन्दन, जल, दूध, शहद,व बेलफल अर्पित करने तथा स्व इच्छित संख्या में ' ए ह्रीं नम: शिवाय ह्रीं ? ' का जाप किया जाए. तत्पश्चात त्रिधातु (सोना, चाँदी, ताँबा मिश्रित) काल्ला अनामिका अंगुली में धारण करें एवं रात्रि समय सोने से पूर्व कुछ समय जाने अनजाने में किए गए किन्ही अपराधों की क्षमाप्रार्थना कर श्री महामृत्युंजय मन्त्र का जाप किया जाए तो पूर्वजन्मकृत कई प्रकार के दोषों से सहज ही मुक्ति प्राप्त की जा सकती है.

वास्तु सूत्र

आपका व्यवसाय निरंतर प्रगति करता रहे इसके लिए यदि आप चाहें तो निम्न सूत्रों का प्रयोग कर सकते हैं।

- व्यावसायिक स्थल का उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र (ईशान कोण) हमेशा साफ-सुथरा और खाली रहे। यहां पूजाघर बनाएं या पेयजल की व्यवस्था कर सकते हैं।
- व्यावसायिक स्थल के मालिक दक्षिण दिशा में इस प्रकार बैठें कि उनका मुंह उत्तर या पूर्व दिशा की ओर रहे।
- ग्राहकों को हमेशा वायव्य या पश्चिमी दिशा में बिठाएं या खड़ा रहने दें।
- वह सामान जो काफी समय से स्टॉक में है, बिक नहीं रहा है उसे उत्तर-पश्चिम की तरफ रखें।
- भारी सामान, भारी मशीनरी, कबाड़ इत्यादि को दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य) में रखें।
- व्यवसाय स्थल के मुख्य द्वार के सामने कोई खंभा, बड़ा पेड़, बिजली का ट्रांसफॉर्मर इत्यादि नहीं हो। यदि ऐसा है तो मुख्य द्वार के बाहर उत्तल अथवा बगुआ दपर्ण इस प्रकार लगाएं कि इनका प्रतिबिंब दर्पण में दिखे।
- मुख्य द्वार के ऊपर बाहर या अंदर की ओर देखते हुए गणेशजी की प्रतिमा, अपने ईष्ट देव या धार्मिक प्रतीक चिह्न लगाएं।

सुझाव

टॉक्सिन फ्री उपायों से दिखें खूबसूरत

फिट रहें

खूबसूरत दिखने के लिए सबसे जरूरी है कि आप फिट रहें। इसके लिए आपको रोजाना व्यायाम की आदत डालनी होगी। इससे शरीर में रक्त संचार बढ़ता है और आप फिट रहते हैं। व्यायाम की शुरुआत में पहले धीरे-धीरे खुद को प्रेरित करें। जब आपको इसकी आदत हो जाएगी तो आप खुद ही बिना व्यायाम किए कुछ अधूरापन महसूस करेंगे।

ज्यादातर महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए कॉस्मेटिक पर निर्भर रहती है और सच भी है कि यह कॉस्मेटिक आपको कम समय में खूबसूरत बना देते हैं। इन कॉस्मेटिक में कई ऐसी चीजें मिली होती हैं जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। खूबसूरत दिखने के लिए अगर आप कुदरती चीजों की मदद लें तो आपका निखार बिना किसी समस्या के लंबे समय तक टिक सकता है। प्राकृतिक चीजों में वो सभी गुण होते हैं जो आपको स्वस्थ और खूबसूरत बनाने के लिए चाहिए आइए जानें खूबसूरत दिखने के उन तरीकों के बारे में जो आपको टॉक्सिन से बचाएंगे।

बालों की देखभाल: बालों की प्राकृतिक रुप से देखभाल करने के लिए नारियल तेल का प्रयोग करना अच्छा होता है। यह कंडीशनर की तरह काम करता है। नारियल तेल बालों से केराटिन को खोने से बचाता है। नमी बनाए रखने के लिए साथ में शहद मिलाएं। एक छोटे कप में नारियल तेल और शहद मिला लें और गर्म पानी के एक बड़े कटोरे में यह कप रख दें। मिश्रण जब तक गर्म न हो जाए तब तक कप को कुछ मिनट के लिए पानी में ही रखें। इस मिश्रण को बालों पर डालें, लेकिन बालों को तौलिए से लपेट लें। 20 मिनट तक ऐसे ही रहें और फिर धो लें।

त्वचा की देखभाल: अगर आप हर रोज कुदरती चीजों से खुद को निखारेंगी तो आपको कॉस्मेटिक की जरूरत कम पड़ेगी। शहद, नींबू का रस और गुलाब जल डालकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे, गर्दन, बांहों पर लगाएं और एक घंटे के बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो दें। ऐसा सप्ताह में दो बार करने से चेहरे का सांवलापन दूर होकर रंग निखर आएगा। नींबू व संतरे के छिलकों को सुखाकर चूर्ण बना लें। इस पाउडर को हफ्ते में एक बार बिना मलाई के दूध में मिलाकर लगाएं, त्वचा में आकर्षक चमक आएगी।

नाखूनों की देखभाल: नाखूनों की देखभाल के लिए नाखूनों पर एक हफ्ते से ज्यादा दिनों के लिए नेल पॉलिश को न लगा रहने दें। अगर नेल पॉलिश ज्यादा समय के लिए नाखून पर रहती हैं तो वह नाखूनो की सतह को खराब बना देती है। साथ ही नाखून बदरंग और अस्वस्थ्य हो जाते हैं। अपने नाखूनों को चमकदार और स्वस्थ्य बनाने के लिए उसकी हमेशा नारियल और अरंडी तेल से मसाज करती रहें।

होठों की देखभाल: हर रोज 5 से 6 ग्लास पानी पिएं। पानी न सिर्फ शरीर में पानी की पूर्ति करता है बल्कि होंठों की नमी भी बनाए रखता है। रात को सोने से होंठों पर क्रीम, मलाई, मक्खन या देशी घी हल्के हाथों से कुछ देर मलें। होंठों की त्वचा इससे एक जैसी होकर मुलायम बनी रहेगी।

साड़ी एक सदाबहार परिधान है। यह आपको बिंदास और सेक्सी लुक देती है। छह गज लंबी साड़ी को आप अलग-अलग अंदाज में पहन सकते हैं और अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकते हैं। जिससे कि शादी में जाने तक ड्रेस, फुटवियर आदि की कोई समस्या न हो, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि हम अपने लिए ड्रेस के अनुसार ज्वैलरी का चुनाव नहीं कर पाते है। परिधान के अनुरुप ज्वैलरी के सिलेक्शन इस लेख में दिया जा रहा है।

अपनाएं नए तरीके साड़ी पहनने के

शादियों का सीज़न शुरू हो चुका हैं, सभी महिलाएं शादी में सुंदर दिखने की कोशिश करती है। शादियों में सबसे बड़ी परेशानी जो हर महिला को झेलनी पड़ती है वह है कि ऐसे क्या कपड़े पहने जो पहनने में आरामदायक भी हो और जिससे आपकी खूबसूरती में चार चांद भी लगे। शादियों में हमें कोशिश करनी चाहिए की हम वेस्टर्न कपड़ों से बचे। ऐसे में साड़ी एक सदाबहार परिधान है। यह आपको बिंदास और सेक्सी लुक देती है। छह गज लंबी साड़ी को आप अलग-अलग अंदाज में पहन सकती हैं। और अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं। साड़ी को आकर्षक अंदाज से पहनने संबंधी ये सुझाव दिए हैं। साड़ी को अलग अंदाज से पहनने का एक तरीका केप स्टाइल है। सुनहरी जरी वाली काले या तटस्थ रंग जैसे भूरे, नीले आदि रंग की साड़ी को शादी समारोह में आकर्षण का केंद्र बनने के लिए केप स्टाइल में पहन सकती हैं। केप स्टाइल में साड़ी के पल्लू को कंधे पर से ले जाकर गर्दन में लपेट लीजिए या फिर गर्दन तक का कॉलर वाला ब्लाउज पहन लें।

लो नेकलाइन कॉलर ब्लाउज

खूबसूरत डिजाइन वाला लो नेकलाइन कॉलर ब्लाउज पहनें और इसके साथ भड़कीला गले का हार पहन लीजिए। यह स्टाइल आपको बिंदास और आकर्षक लुक देगा।

वेलवेट जैकेट

सर्दी से बचने और राजसी लुक पाने के लिए वेलवेट जैकेट भी आपके लिए मुफीद रहेगा।

एथनीक श्रग या जैकेट

साड़ी के ऊपर से एथनीक श्रग या जैकेट पहनकर भी आप स्मार्ट लुक पा सकती हैं। साड़ी के ऊपर स्लीवलेस या कॉलर वाला जैकेट, पेपलम वेस्टकोट आदि को आप कैजुअल तौर पर या शादी, पार्टी में भी पहन सकती हैं।

काउल टॉप

इंडो-वेस्टर्न लुक में नजर आने के लिए आप चाहे तो काउल टॉप पहन सकती हैं। छरहरी काया की दुल्हन अगर साड़ी के ऊपर यह टॉप पहनती हैं तो उनके ऊपर यह खूब खिलेगा। यह हैवी साड़ियों और हल्की साड़ियों दोनों के साथ पहना जा सकता है।

इन टिप्स से करें ज्वैलरी का चुनाव

मैरिज पार्टी में सभी चाहते है कि वह सबसे अलग दिखे। जिसके लिए हम की दिनों पहले से तैयारी शुरु कर देते है। जिससे कि शादी में जाने तक ड्रेस, फुटवियर आदि की कोई समस्या न हो, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि हम अपने लिए ड्रेस के अनुसार ज्वैलरी का चुनाव नहीं कर पाते है ।शादियों के सीजन में आभूषणों का चयन करने के बारे में कुछ टिप्स दिए है। दुल्हन पीला सोना और हरे रत्न जैसे पन्ना, तुर्मलिन जड़े आभूषण पहन सकती है, क्योंकि यह उसके सुर्ख लाल जोड़े पर और खिलेगा और उसे आकर्षक लुक देगा ।रिसेप्शन की शाम को आप व्हाइट गोल्ड के आसपास जड़े हीरे और बीच में बड़ा सा पन्ना जड़ा हुआ कॉकटेल रिंग पहन सकती हैं नीले रंग के परिधान आपके हरे रंग के आभूषण के साथ खूब खिलेंगे, आप चाहे तो कुछ एक्वामैरीन या नीले रंग के तंजेनाइट जड़े रत्न के साथ हरे रंग के आभूषण पहन सकती है। नीले और हरे रंग का कंट्रास्ट बरबस ही सबका ध्यान आकर्षित कर लेता है। हरे रंग के रत्न जड़े आभूषण लाल, गुलाबी, पीले, नीले और यहां तक कि काले रंग के परिधान पर भी जंचते हैं। आभूषणों का चयन रत्नों के आकार, डिजाइन, धातु का रंग, परिधान का रंग और इसकी कढ़ाई को ध्यान में रखकर ही करें।

सौंफ के इन अनगिनत फायदों के बारे में नहीं जानते आप

ज्यादातर घरों में सौंफ का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें कैल्शियम, आयरन और पोटाशियम जैसे गुण पाए जाते हैं। सौफ शरीर के लिए काफी फायदेमंद होती है। इससे सेहत से जुड़ी बहुत सी परेशानियों से बचा जा सकता है। आइए जाने इसके फायदे।

1. अफारा हो जाए तो सौंफ को पानी में उबाल कर इसके पानी का 1-1 चम्मच थोड़ी-थोड़ी देर में लेते रहें।
2. बुखार होने पर सौंफ को पानी में उबाल कर 2-2 चम्मच लेने से बुखार बढ़ता नहीं है।
3. कब्ज और खट्टे डकार आने पर इसके चूर्ण को गुणगुणे पानी के साथ लें।
4. पेट में भारीपन होने पर नींबू के रस में भीगी हुई सौंफ खाएं।
5. सौंफ,मिश्री और बादाम को बराबर मात्रा में मिलाकर पीस लें। रोजाना रात को इस मिश्रण का 1 चम्मच खाना खाने के बाद दूध के साथ सेवन करें। इससे आंखों की रोशनी बढ़ेगी।
6. शरीर में फालतू चर्बी को कम करने में सौंफ बेहद कारगर है। यह बॉडी में मैटाबॉलिजम को बढ़ा कर वजन घटाने में मदद करती है। सौंफ के साथ काली मिर्च का सेवन करने से वजन कम होता है।
7. खाना खाने के बाद सौंफ के साथ मिश्री का सेवन करने से फायदा होता है। रात को गुनगुने पानी के साथ सौंफ के चूर्ण का सेवन करने से पेट की गैस ठीक हो जाती है।
8. नींद न आए तो दूध में सौंफ को उबाल कर इसमें शहद मिलाकर पीने से अच्छी नींद आती है।

मानसून में प्रैग्नेंट महिला की ऐसी होनी चाहिए डाइट

गर्भवती महिला के लिए यह समय बहुत ही खास होता है। ऐसे में उन्हें बरसाती मौसम में अपनी सेहत का खास ख्याल रखना चाहिए। इस मौसम में गर्भवती महिला को जरूरी विटामिन, खनिज, कैल्शियम, प्रोटीन और कैलोरी से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। इस मौसम में खाने-पीने में की गई लापरवाही आपकी तबीयत खराब कर सकती है। आइए जाने मानसून में गर्भवती महिला को किस तरह की सावधानियां बरतनी चाहिए।

1. बाहर के खाने में बैक्टीरिया होने की संभावना अधिक होती है इसलिए इसे खाने से बचें। दिन में 8-10 गिलास पानी पीएं। इसे उबालें और ठंडा कर पीएं।
2. मानसून में पत्तेदार सब्जियां से परहेज करें। इन सब्जियों में सेल्यूलोस होता है जो ठीक से पचता नहीं है।
3. इस मौसम में कटे हुए या खुले हुए फलों का सेवन न करें।
4. हमेशा ताजा खाना ही खाएं। तला हुआ खाना न खाएं क्योंकि इसे पचने में समय लगता है।
5. ताजे फलों को अपनी डाइट में शामिल करें। ये सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं।
6. खाना फ्रिज से बाहर निकालते ही न खाएं। इसे थोड़ी देर बाहर रखें और तभी खाएं जब इसका तापमान सामान्य हो जाए।
7. बरसात के मौसम में मांस, अंडा, नट्स, पालक, गाजर, आलू, मक्का, मटर, संतरे, अंगूर, तरबूज और जामुन, ब्रेड, अनाज, चावल का सेवन गर्भावस्था के दौरान अवश्य करना चाहिए।
8. लहसुन की चटनी का सेवन करें। इसके सेवन से शरीर का कौई रोग नहीं लगता।
9. गर्भवती महिला को गेहूं, ओट मिल और अनाज की ब्रेड का सेवन करना चाहिए।
10. अपने खाने में कम से कम नमक का इस्तेमाल करें।

भूख नहीं लग रही तो करें सिर्फ यह एक आसन

कुछ लोग खाने के वक्स अक्सर यह शिकायत करते हैं कि उनको भूख नहीं है। जैसे ही खाना सामने आता है, कुछ खाने का मन नहीं करता। इस समस्या से शारीरिक कमजोरी आ जाती है। इसके लिए लोग दवाइयों का भी सेवन करते हैं,जो कुछ देर के लिए तो कारगर होती हैं। जब इनको छोड़ दिया जाए तो दोबारा फिर से यह परेशानी हो सकती है। इसके लिए आप एक आसन करके भूख न लगने की समस्या से निजात पा सकते हैं।

उत्तानपाद आसन

उत्तानपाद आसन पेट और भूख न लगने की परेशानी में बहुत कारगर है। इसे नियमित रूप से करने से कब्ज, पेट की गैस,एसीडिटी जैसी और भी बहुत सी परेशानियों से आराम मिल जाता है। यह आसन रोजाना करने से भूख बढ़ाने के लिए किसी भी तरह की दवाई खाने की कोई जरूरत नहीं पड़ती।

इस तरह करें उत्तानपाद आसन

– इस आसन को करने के लिए पहले जमीन पर बैठ जाएं और पैरों को आगे की तरफ फैलाएं। अब गहरी सांस लेकर पीठ के बल लेट जाएं। इस तरह लेटकर ही गर्दन को ऊपर की ओर उठाएं। अब धीरे-धीरे गर्दन को वापिस ले जाएं।

– इसे करने के लिए दूसरा तरीका भी अपनी सकते हैं। अब आप इसी तरह लेटकर दोनों पैरों को 30 डिग्री तक ऊपर उठाएं। धीरे-धीरे पैरों को नीचे लेकर आएं।

इस तरह आसन करने से आप कई तरह की परेशानियों से छुटकारा पा सकते हैं।

चेहरे पर अपनाएं ये नुस्खें, महीनेभर में रंग हो जाएगा गोरा!

खूबसूरत चेहरा और हैल्दी स्किन के साथ गोरा रंग किसे नहीं पसंद। सभी लड़कियों को गोरा रंग चाहिए होता है। इसके लिए लड़कियां काफी ट्रीटमेंट और तरीके अपनाती है, जो उनके आकर्षक दिखा सकें लेकिन चेहरे को सुंदर होने के बजाए भद्दा दिखाई देने लगता है। ऐसे में काम आते है कुछ घरेलू चीजें, जो स्किन को गोरा और स्वस्थ रखने का काम करता है। हम आपको इन्हीं चीजों के बारे में बताने जा रहे है, जिनका इस्तेमाल करने से महीने में ही चेहरे पर असर दिखाई देने लगेगा।

1. खीरा और जैतून तेल

खीरे को कद्दूकस करके उसमें 2 चम्मच जैतून का तेल मिला लें। फिर इस पेस्ट को मुंह और शरीर पर सप्ताह में मलें। इससे सांवली स्किन गोरी हो जाएगी।

2. सेब का रस और गुलाबजल

आधा कप सेब का रस और एक चम्मच गुलाबजल- दोनों को मिलाकर सांवली त्वचा पर लगाएं। इसका इस्तेमाल रोज करें । इससे चेहरे का रंग साफ होगा और धीरे-धीरे गोरा होने लगेगा।

3. बेसन और चंदन पाउडर

एक कटोरे में 4 चम्मच बेसन, आधा चम्मच चंदन पाउडर, एक चम्मच नींबू का रस, एक चम्मच खीरे का रस और एक चम्मच कच्चा दूध मिलाकर सारे शरीर पर उबटन की तरह लगाएं। इससे काफी फायदा नजर आएगा।

4. मिल्क पाउडर और नींबू

गाजर के रस में एक चम्मच मिल्क पाउडर और 1 चम्मच नींबू का रस मिलाकर लगाने से त्वचा का सांवलापन दूर होगा।

5. चिरौंजी और दूध

आधा चम्मच चिरौंजी को दूध में पीसकर पेस्ट बना लें। फिर इसे दूध में मिलाकर फिर चेहरे और बांहों पर लगाएं। 15 मिनट बाद धो लें। समाप्त में दो बार ऐसा करें।

रेसिपी

मक्के की मफिन्स

सामग्री

एक कप मक्के का आटा, एक कप मैदा, एक कप चीनी पाउडर, चौथाई छोटी चम्मच बेकिंग पाउडर, एक चौथाई छोटी चम्मच बेकिंग सोडा, एक कप दही, आधा मक्खन, एक छोटी चम्मच वनीला एसेंस, एक कप टूटी-फ्रूटी ।

विधि

सबसे पहले एक बड़े बाउल में मक्के का आटा, मैदा, पाउडर चीनी, बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा मिलाकर मिक्स कर लें । फिर एक दूसरे बाउल में दही, मक्खन, वनीला एसेंस डालकर अच्छे से मिलातें हुए फैंट लें । अब इसें पहले बाउल के मिश्रण डालकर अच्छी तरह से मिलाते हुए इसमें टूटी-फ्रूटी डालकर भी मिला ले। अब मफिन्स मेकर ले और उनके अंदर से बटर लगाकर चिकना कर लीजिए और साचों में तैयार मिश्रण डालकर ओवन को 180 डिग्री से.ग्रे. पर प्रिहीट पर करते हुए मफिन्स ट्रे को ओवन में रख दीजिए और 180 डि. से. पर 10 मिनट के लिए सैट कर दे। 10 मिनिट बाद चैक करे। मफिन्स अच्छे से गोल्डन ब्राउन हो गए हैं कि नही यदि हो गए है तो मफिन्स बनकर के तैयार हो गए है। अब इन्हें बाहर निकालकर थोड़ा ठंडा होने के बाद एक प्लेट में निकाल लीजिए।

काजू कतली

सामग्री

1.एक किलो काजू
2.पिसी हुई चीनी 750 ग्राम
3.इलायची का पाउडर
4.एक-दो चांदी का वर्क

विधि

सबसे पहले काजू को 5 से 6 घंटे के लिए पानी में भिगो दे। फिर पानी मे से निकालकर मिक्सी से बारीक पीस कर पेस्ट बना लीजिए। इस पेस्ट में पिसी चीनी मिला ले। एक कढ़ाई में काजू का पेस्ट डालकर धीमी आंच पर तब तक चम्मच से चलाते रहे जब तक पेस्ट गाढ़ा नहीं हो जाता। फिर इलायची पाउडर डालिए। इसके बाद जब मिश्रण कढ़ाई के चारो तरफ सफेद और सूखा सा दिखने लगे तब गैस बंद कर दीजिये। फिर इसे एक प्लेट में निकाल ले और पतला पतला फैला दे। आप चाहे तो इसमें मेवे भी डाल सकती है। ठंडा होने के बाद उस पर वर्क लगाकर अपने मन पसंद आकार में काट ले।

संपादकीय

चंदा-चढ़ावा कांड 'बेनतीजा'

उप्र के पुलिस महानिदेशक रहे डॉ. विक्रम सिंह और सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक एमएल शर्मा के आकलन हैं कि राम मंदिर चंदा-चढ़ावा चोरी का मामला शायद ही किसी निष्कर्ष तक पहुंचे, क्योंकि जांच के नाम पर जो किया जा रहा है, उसमें कई छिद्र हैं और वह सवालिया भी है। बड़ी आरामदेह जांच चल रही है। जांच के नाम पर तमाशा किया जा रहा है। अहम और संदेहास्पद सवाल यह है कि जिन 8 आरोपितों को पुनः 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है, उनकी रिमांड पुलिस ने क्यों नहीं मांगी? यदि रिमांड नहीं है, तो आरोपितों से पूछताछ, सवाल-जवाब कैसे किए जाएंगे? पूछताछ नहीं होगी, तो कथित अपराधियों से बरामदगी कैसे होगी? अपराध के सुराग और नेटवर्क कैसे खुलेंगे? बरामदगी तभी महत्वपूर्ण और कानूनी है, जब आरोपित कबूल करें और खुलासा करें कि चोरी का धन, आभूषण आदि कहां रखे हैं? पैसे का कहां निवेश किया गया है? जब तक ये जानकारियां पुष्ट, सत्यापित नहीं होंगी, तब तक अपराध साबित नहीं किया जा सकता। ये दोनों शीर्ष पुलिस अधिकारी मानते हैं कि जो कार्रवाई ट्रस्ट ने की और करीब 80 लाख रुपए की बरामदगी विशेष जांच टीम से भी छिपाई और प्राथमिकी 20 दिन के बाद दर्ज कराई गई, इन सबके बीच इतने छिद्र हैं कि जांच किसी निष्कर्ष या नतीजे तक पहुंचने की उम्मीद क्षीण है। गौरतलब है कि विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने खुलासा किया है कि बीती 5 जून को राम मंदिर ट्रस्ट ने खुद प्राथमिक जांच कराई। पुलिस की मदद ली गई और आरोपित अविनाश शुक्ला के घर से करीब पांच लाख रुपए नकदी का काला बैग बरामद किया गया, लेकिन 7 जून को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'चोरी' से इंकार किया। कहा कि कुछ उल्लेखनीय बात नहीं हुई। पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह इसे ट्रस्ट की 'गैर-कानूनी' हस्तक्षेप मानते हैं। पुलिस किसके आदेश पर उस छापेमारी में शामिल हुई? उनका सवाल है कि रुपए बरामद होने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? दरअसल हमारा भी यह मानना है कि पहली बरामदगी और 25 जून को प्राथमिकी दर्ज कराने के बीच 20 लंबे दिनों का फासला था। उस दौरान आरोपितों और उनके आकाओं ने सबूत मिटा दिए होंगे, चोरी की रकम ठिकाने लगा दी होगी और उसके बावजूद अयोध्या पुलिस ने आरोपितों को रिमांड पर नहीं लिया, तो जाहिर है कि जांच का निष्कर्ष नहीं निकलेगा। क्या चंदा-चढ़ावा चोरी का इतना संवेदनशील, भ्रष्ट मामला 'बेनतीजा' भी रह सकता है? साफ लगता है कि ट्रस्ट के स्तर पर बहुत कुछ छिपाया जा रहा है, लिहाजा अपराध में बराबर की भूमिका चंपत राय बंसल, अनिल मिश्रा आदि की भी है! पुलिस ने चंपत राय से भी पूछताछ की है और उनका बयान दर्ज कर लिया गया है, लेकिन उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और न ही उन्हें आरोपित करार दिया गया है। क्यों... ? आश्चर्य यह है कि पुलिस ने 8 आरोपितों के घर पर छापेमारी की। नकदी, आभूषण और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए जाने का दावा भी किया जा रहा है। आरोपितों के परिजनों से भी पूछताछ की गई है। फिर भी अदालत में पुलिस ने आरोपितों की रिमांड क्यों नहीं मांगी? क्या पुलिस सब कुछ जानती है? क्या पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य जुटा लिए हैं? हमें तो राजनीतिक दबाव, आरोपितों को संरक्षण, सांठगांठ का मामला लगता है। 'बड़ी मछलियां' डर रही होंगी कि ये 'छोटी मछलियां' कहीं सच न उगल दें और 'मगरमच्छ' जाल में न फंस जाएं! गौरतलब यह भी है कि प्रभु श्रीराम के मंदिर में व्यापक, अनवरत चोरी की जाती रही, उसकी जांच तो अभी जारी है, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के आंदोलन का मुद्दा उछाल दिया है। उसमें सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी लपेटने की कोशिश की गई है। क्या 2027 के विधानसभा चुनाव का बड़ा मुद्दा चंदा-चढ़ावा चोरी भी बन सकता है? जांच तो उन राम-शिलाओं की भी होनी चाहिए, जो चांदी की बनी थीं। साथ में दीपक और फूल भी चांदी के थे।

राम मंदिर चंदा-चढ़ावा चोरी का मामला शायद ही किसी निष्कर्ष तक पहुंचे, क्योंकि जांच के नाम पर जो किया जा रहा है, उसमें कई छिद्र हैं और वह सवालिया भी है। बड़ी आरामदेह जांच चल रही है। जांच के नाम पर तमाशा किया जा रहा है। अहम और संदेहास्पद सवाल यह है कि जिन 8 आरोपितों को पुनः 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है, उनकी रिमांड पुलिस ने क्यों नहीं मांगी? यदि रिमांड नहीं है, तो आरोपितों से पूछताछ, सवाल-जवाब कैसे किए जाएंगे? पूछताछ नहीं होगी, तो कथित अपराधियों से बरामदगी कैसे होगी? अपराध के सुराग और नेटवर्क कैसे खुलेंगे? बरामदगी तभी महत्वपूर्ण और कानूनी है, जब आरोपित कबूल करें और खुलासा करें कि चोरी का धन, आभूषण आदि कहां रखे हैं? पैसे का कहां निवेश किया गया है? जब तक ये जानकारियां पुष्ट, सत्यापित नहीं होंगी, तब तक अपराध साबित नहीं किया जा सकता। ये दोनों शीर्ष पुलिस अधिकारी मानते हैं कि जो कार्रवाई ट्रस्ट ने की और करीब 80 लाख रुपए की बरामदगी विशेष जांच टीम से भी छिपाई और प्राथमिकी 20 दिन के बाद दर्ज कराई गई।

कुछ अलग

चिपली! छिछली! मछली! मछली!

हर कुर्सी पर और कोई मौजूद हो या न, पर किसी न किसी टाइप की मछली प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष जरूर मौजूद रहती है। साइज के हिसाब से मछलियां अमूमन दो तरह की होती हैं। बड़ी मछली, छोटी मछली। अपने ऑफिस में पद के हिसाब से मैं छोटी मछली हूं। जो पद के बेखौफ दुरुपयोग करने के सुनहरे मौके मिलते रहे तो एक दिन मैं भी जरूर बड़ी मछली बन जाऊंगा। आजकल छोटी मछली होने के चलते छोटी मछलियों की सोसाइटी में रहता हूं। सर्वमान्य सामाजिक नियम तो यही है कि जिस तरह छोटे आदमी पर बड़ा आदमी भारी पड़ता है, उसी तरह छोटी मछली पर मछली होने के बाद भी बड़ी मछली भारी पड़ती है। जिस तरह भारी आदमी पर हाथ डालना पाप नहीं जघन्य पाप होता है उसी तरह बड़ी मछली को पकडने की सोचना भी पाप नहीं, जघन्य पाप होता है। जिस तरह लाख समाज विरोधी काम करने के बाद भी बड़ा आदमी पूजनीय होता है, उसी तरह लाख तालाब गंदा करने के बाद भी बड़ी मछली पूजनीय होती है। छोटी मछली बड़ी बदकिस्मत होती है। जब कहीं कोई हेरफेर में पकड़म पकड़ाई होती है तो सबसे पहले फंसती वही है। या कि वह फंसाने को ही बनी होती है। या कि उसे पकडने पकड़ाने के बाद माहौल शांत हो जाता है। छोटी मछली बिगड़ा माहौल शांत करने के लिए ही जन्म लेती है। उसका दोष न होने के बाद भी उसे मजे से पकड़ा जा सकता है। छोटी मछली थोड़ा सा खाने पर बहुत मचलती है। दूसरी ओर मछली जितनी बड़ी होती है, वह उतनी ही धीर गंभीर होती है। जनता का ख्वाजा होती है, जनता की पीर होती है। उसके खाए पर किसी को शक नहीं होता। वह बाहर से सरल जीवन जीती है, पर भीतर ही भीतर व्यवस्था का खून पीती है।

किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को

दिल्लीः वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है-भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा। दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है। वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है। ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा। समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा। दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें। प्रदूषण किसी एक सरकार, एक मौसम या एक कारण की समस्या नहीं है। यह हमारे विकास मॉडल, जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण का परिणाम है। आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति और सामूहिक उत्तरदायित्व की है। यदि हम स्वच्छ हवा चाहते हैं तो केवल प्रदूषण कम करने की योजनाएँ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित विकास की नई संस्कृति विकसित करनी होगी।

हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है-भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है।

देश दुनिया से

भरोसे के संकट को दूर करने की जरूरत

सामाजिक दृष्टिकोण से देखें तो भारत में ज्ञानार्जन की समस्या है, पुस्तक संस्कृति के घटते जाने की समस्या है। हमने 2024 में नीट की परीक्षा आयोजित की। नकल और अवैध तरीकों के इस्तेमाल के कारण परीक्षा की शुद्धता बुरी तरह से प्रभावित हुई और लाखों छात्रों को पुनः परीक्षा देनी पड़ी। यदि इस अनुभव से सबक लेते तो इस बार दोबारा परीक्षाएं आयोजित न करनी पड़ती। लेकिन 2026 में जब फिर नीट परीक्षा आयोजित हुई तो फिर पेपर लीक का मामला उजागर हुआ। इस घटनाक्रम ने देश की पठन-पाठन, शिक्षा प्रणाली और मूल्यांकन की शुचिता के बारे में बड़े सवाल पैदा कर दिए हैं। भारत के युवाओं का भविष्य सटीक ज्ञान के बगैर अधूरा है और चोर गलियों से सफलता के प्रतिमान स्थापित नहीं किए जा सकते। देश में नीट की परीक्षा दूसरी बार जिस तरह आयोजित हुई, जिनकी कल्पना पहले कभी नहीं की गई। प्रश्न पत्रों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने के लिए वायुसेना का इस्तेमाल, टेलीग्राम एप को बंद कर देने जैसे उपाय छात्रों को त्रिस्तरीय जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्रों में भेजा गया। बायोमीट्रिक जांच हुई, फिजिकल जांच हुई, दूसरे दस्तावेज जांचे गए। सात लाख सुरक्षा कर्मी और पर्यवेक्षक तैनात रहे। हर परीक्षा कक्ष में एक सीसीटीवी कैमरा लगाया गया। करीब 1.38 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरों से 95 हजार कक्षों पर नजर रखी गई और छात्र जाम में न फंसें, इसलिए प्रधानमंत्री भी दिल्ली एयरपोर्ट पर 45 मिनट रुके रहे। इसके बावजूद बिहार में 9 फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए। जिनमें 7 मेडिकल के छात्र थे। सबसे पहले जब पहली बार परीक्षा हुई तो 23 लाख छात्रों ने परीक्षा दी, इस बार दोबारा परीक्षा हुई तो 20 लाख छात्र परीक्षा देने बैठे। पहला सवाल यही है कि दो लाख से अधिक छात्र दोबारा क्यों नहीं बैठे? चाहे रिपोर्ट कहती है कि परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई है और कहीं गड़बड़ी की सूचना नहीं है। लेकिन

गड़बड़ी तो पहले ही पैदा हो गई थी जब पहली परीक्षा के बाद दोबारा परीक्षा की घोषणा से पूरे देश में अवसादग्रस्त होकर कई युवा छात्रों ने आत्महत्या कर ली। केन्द्र सरकार के दर्जनों मंत्रालयों के साथ राज्य सरकारों व एजेंसियों ने 37 दिनों तक एकजुट होकर काम किया। यह सही है कि परीक्षाएं पूरी तरह से सफल रहने की घोषणाएं की जा रही हैं लेकिन असल में ये कितनी सफल हुई हैं इसका पता तो परिणामों की घोषणा के साथ ही चलेगा। शिक्षाविदों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि अचानक इतने वर्षों के बाद परीक्षा व्यवस्था इतनी भयावह समस्या क्यों बन गई कि इसके आयोजन के लिए वायुसेना से लेकर लाखों पुलिसकर्मियों की मदद लेनी पड़ी; और इसके बावजूद बड़े पैमाने पर नकल करते हुए छात्र पकड़े जा रहे हैं। क्या इस स्थिति का मूल कारण वर्तमान शिक्षा प्रणाली के प्रति पैदा हुआ अविश्वास है? आज कुछ संस्थाएं परीक्षा की ठेकेदारी कर रही थीं, उन्हीं पर आरोप लगे हैं कि उन्होंने पेपर लीक किए हैं। क्यों विद्यार्थियों पर इतना अविश्वास किया गया कि उनके परीक्षा केन्द्र बदलकर उन्हें दूर-दूर तक परीक्षा देने जाना पड़ा। जैसे पहले के वर्षों में चलता रहा है क्या उसी तरह से परीक्षाएं उन्हीं केन्द्रों में नहीं करवाई जा सकती थीं, जहां से छात्र संबंध रखते थे। अगर थोड़ा-सा विश्वास वरिष्ठ शिक्षक जनों पर करके परीक्षा प्रणाली को उनके हवाले कर दिया जाता तो शिक्षक अपने पेशे के प्रति ईमानदार होते हुए अपनी अंतरात्मा का हनन कभी नहीं करेंगे अभी भी 90 प्रतिशत शिक्षक ऐसे ही हैं। उन मासूम छात्रों के बारे में सोचा जाए जिन्होंने दिन-रात एक करके पूरी मेहनत से परीक्षाएं दीं लेकिन अचानक उन्हें यह संदेश दिया गया कि पिछली मेहनत व्यर्थ है, अब दोबारा परीक्षा दो। हम समझते हैं कि इस समस्या का समाधान यही है कि परीक्षा लेने वालों और परीक्षा देने वालों पर पूरा विश्वास किया जाए। उनके लिए सुविधाजनक केंद्र बनाए जाएं। तब असामाजिक तत्व सारा तंत्र बिगड़ने पर आमादा हो जाएं तो उन्हें चुनकर बाहर फेंकना आसान हो जाएगा। इस समय परीक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन की जरूरत है। यह नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना, पूरी मेहनत और शिक्षण और शिक्षा के प्रति पूर्ण समर्पण के बिना नहीं हो सकता। अपराधी तलाश करने की जगह छात्रों की मेहनत और अध्यापकों के नैतिक कर्तव्य पर विश्वास को प्राथमिकता दी जाए तो परीक्षाओं की ईमानदारी से करवाने की इस जटिल गुत्थी को सुलझाने में तनिक भी देर नहीं लगेगी। आने वाला भारत डिजिटल होने जा रहा है। यहां शिक्षा के अलग-अलग आयामों में आमूलचूल परिवर्तन होगा। एआई तकनीकें सामने आ रही हैं। साइबर शक्ति बढ़ रही है। इन्हें सीखने का क्रम चलता रहे और ईमानदारी से प्रयास किया जाए तो हर वर्ष ऐसे एक देश एक परीक्षा जैसे आयोजन निरापद ढंग से पूरे हो सकेंगे।

आप का नज़रिया

कितने बनाम कितने

कितने बनाम कितने के खेल में फिलहाल दो नगर निगम अपने मेयर और डिप्टी मेयर नहीं चुन पाए। दूसरी ओर पालमपुर और मंडी का नेतृत्व दो महिलाएं करेंगी, यह स्पष्ट हो गया। कांग्रेस अपने सेफ जोन की तहरीर में पालमपुर का दिल जीत गई और भाजपा ने मंडी की तश्तरी पर अपना नाम लिख दिया। जाहिर है धर्मशाला और सोलन की यादों में सियासत बाकी है या कौन कैसे निपट जाए, यह शगल अभी बाकी है। दोनों ही निगमों में कांग्रेस का पलटवार पूरे चुनाव को सरका गया, तो मुहिम के पिंजरे कभी भी बंद हो सकते हैं। आशंकाओं के खेल में दरियाओं में बाढ़ का अंदेशा है और अगर चुनाव की वैधता में कुछ चेहरे अपात्र हो जाएं, तो शिकवे शिकायत में बदल जाएंगे। खैर पहली जुलाई अगर धर्मशाला के महापौर का नसीब देखेगी, तो दो जुलाई के शगुन में सोलन के सियासी तलवे सामने आएंगे। जाहिर है स्थानीय निकाय चुनावों के दलीय आधार पर भी खिचड़ी में नमक हलाली का हिसाब बाकी है। आंकड़े अगर स्पष्ट मान लिए जाते, तो धर्मशाला-सोलन में भाजपा का जोर-शोर में बदल जाता, मगर अभी घूंघट उठना बाकी है। जो भी हो, शहरी परिकल्पना के ताज में जिरह हैं, उम्मीदें हैं, तेरी-मेरी हिफाजत की कीलें हैं। सवाल यह भी है कि नगर निगम शहरी दृष्टि में कितना बदलाव लाते हैं। पालमपुर, मंडी, धर्मशाला या सोलन, अपने हालात से इतने घायल तो हैं कि ये सिसकियां सुनी जाएं। पालमपुर से बिना ट्रैफिक जाम के गुजरना अगर एक सपना है, तो हकीकत में सोलन की सडक़ों पर सारा कारवां बिखरता है। यह बाद की बात है कि किस पद पर कौनसी पार्टी को तिलक लगता है, मगर हकीकत यह है कि अभी कोरम में बैठना आया नहीं। बजट का संगीत सुना नहीं गया और वित्तीय संसाधन पैदा नहीं हुए। राजनीतिक चरित्र अगर राज्य की आंखों से आंखें नहीं मिला सकता, तो निगमों के व्यक्तित्व में दूर तक देखने की आंख भी नहीं मिली। पालमपुर में बेहद छोटी नगर परिषद अगर निगम की सीमा में बड़ी हो भी गई, तो शहर का बजट आएगा कहां से। अभी मर्जड और नए इलाकों के खेल में शिमला के बाद दूसरे पुराने व बड़े धर्मशाला नगर निगम ही अगर नागरिकों को कर अदायगी नहीं सिखा सका, तो आने वाले समय में बद्दी, हमीरपुर और ऊना के प्रस्तावित निगम किस खेत की मूली बनेंगे। शहरी मानसिकता अगर प्रसार है तो हिमाचल के गांव भी समाहित हैं, लेकिन अनुशासन की प्रस्तावना और नियोजित व्यवस्था में आने की दरकार को दरकिनार किया जा रहा है। प्रदेश में चुनाव की दृष्टि से स्थानीय निकायों को खूब पढ़ा जा रहा है। भाजपा के अपने दावे और सत्ता के आंकड़े अपनी-अपनी कहानी बयां करते हैं, फिर भी नागरिक समाज की शंकाएं परिवेश की चुनौतियों से संलिप्त हैं। एक पर्यटक सीजन जिस गांव और शहर से गुजरता है, वहां हजारों फफोले उभर आते हैं। कुल्लू घाटी में जून महीने में अगर तीन लाख गाडियां सडक़ों पर उतर आती हैं, तो पार्किंग का असंतोष कैसे खत्म होगा। शिमला ने पर्यटक सीजन में 18.5 लाख वाहन आमंत्रित कर लिए, तो नगर की व्यवस्था कर पाने के लिए निगम के बाजू सशक्त करने होंगे। आश्चर्य यह कि नगर निगम के सवालों पर हमारे पार्षदों की शपथ के मायने वही राजनीतिक रहते हैं या विकास की निरंतरता में कुछ तो अराजनीतिक होगा। बहरहाल मेयर-डिप्टी मेयर होने की गिनती में राजनीति ही भारी है, तो हम न तो अच्छे शहर बसा पाएंगे और न ही शहरी समाज को अच्छा बना पाएंगे। हिमाचल में आठ नगर निगम बन चुके हैं, जबकि यह संख्या बढ़ेगी, लेकिन शहरी हवाओं में बदलाव लाने की जिद्द कहीं दिखाई नहीं देती।

कांग्रेस अपने सेफ जोन की तहरीर में पालमपुर का दिल जीत गई और भाजपा ने मंडी की तश्तरी पर अपना नाम लिख दिया। जाहिर है धर्मशाला और सोलन की यादों में सियासत बाकी है या कौन कैसे निपट जाए, यह शगल अभी बाकी है। दोनों ही निगमों में कांग्रेस का पलटवार पूरे चुनाव को सरका गया, तो मुहिम के पिंजरे कभी भी बंद हो सकते हैं। आशंकाओं के खेल में दरियाओं में बाढ़ का अंदेशा है और अगर चुनाव की वैधता में कुछ चेहरे अपात्र हो जाएं, तो शिकवे शिकायत में बदल जाएंगे। खैर पहली जुलाई अगर धर्मशाला के महापौर का नसीब देखेगी, तो दो जुलाई के शगुन में सोलन के सियासी तलवे सामने आएंगे। जाहिर है स्थानीय निकाय चुनावों के दलीय आधार पर भी खिचड़ी में नमक हलाली का हिसाब बाकी है। आंकड़े अगर स्पष्ट मान लिए जाते, तो धर्मशाला-सोलन में भाजपा का जोर-शोर में बदल जाता, मगर अभी घूंघट उठना बाकी है। जो भी हो, शहरी परिकल्पना के ताज में जिरह हैं, उम्मीदें हैं, तेरी-मेरी हिफाजत की कीलें हैं। सवाल यह भी है कि नगर निगम शहरी दृष्टि में कितना बदलाव लाते हैं। पालमपुर, मंडी, धर्मशाला या सोलन, अपने हालात से इतने घायल तो हैं कि ये सिसकियां सुनी जाएं। पालमपुर से बिना ट्रैफिक जाम के गुजरना अगर एक सपना है, तो हकीकत में सोलन की सडक़ों पर सारा कारवां बिखरता है।

दृष्टि कोण

सशक्त राज्यसभा परिसीमन विवाद के समाधान की कुंजी

भारत एक बार फिर एक ऐसे संवैधानिक प्रश्न के सामने खड़ा है, जो उसके संघीय ढांचे की मजबूती की परीक्षा ले सकता है। भाजपा सरकार ने संकेत दिया है कि वह संसद के आगामी सत्र में परिसीमन (डिलिमिटेशन) का मुद्दा फिर से उठाएगी। नवीनतम जनगणना के आधार पर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण संविधान के अनुसार आवश्यक है, किंतु यह राजनीतिक रूप से अत्यंत विस्फोटक विषय भी है। परिसीमन के परिणामस्वरूप जनसंख्या की दृष्टि से बड़े उत्तरी राज्यों का लोकसभा में प्रतिनिधित्व दक्षिणी, पश्चिमी तथा छोटे राज्यों की तुलना में काफी बढ़ जाएगा। इन आशंकाओं का समाधान करने और राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के लिए भारत को उस संस्था की ओर देखना चाहिए, जिसका निर्माण विशेष रूप से राज्यों और क्षेत्रों के हितों की रक्षा के लिए किया गया था- राज्यसभा। सरकार का परिसीमन को आगे बढ़ाने का पहला प्रयास मात्र दो महीने पहले ही विफल हो गया, जबकि उसे व्यापक रूप से लोकप्रिय महिला आरक्षण के मुद्दे से जोड़ा गया था। प्रस्ताव था कि निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के बाद महिलाओं के लिए अधिक आरक्षण लागू किया जाए। विपक्षी दल इस विधेयक के विरोध में एकजुट हो गए। उनका तर्क था कि इससे अधिक जनसंख्या वाले हिंदी भाषी राज्यों- जहां भाजपा को मजबूत समर्थन प्राप्त है- को असंगत लाभ मिलेगा, जबकि वे राज्य जिन्होंने जनसंख्या वृद्धि को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया और जनकल्याण में भारी निवेश किया, उन्हें दंडित किया जाएगा। वास्तव में परिसीमन की बहस दो समान रूप से वैध सिद्धांतों के बीच टकराव है- लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और संघीय संतुलन। 1976 से लोकसभा की सीटें वस्तुतः 1971 की जनगणना के आधार पर स्थिर बनी हुई हैं। यदि इस स्थगन को बिना किसी अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था के समाप्त कर दिया गया, तो यह शून्य-योग (जीरो-सम) की प्रतिस्पर्धा बन जाएगी। उत्तरी राज्य अपनी बढ़ी हुई जनसंख्या के अनुरूप अधिक सीटों की मांग करने के पूर्णतः अधिकारी होंगे, क्योंकि यही 'एक व्यक्ति, एक वोट' के लोकतांत्रिक सिद्धांत की मांग है। दूसरी ओर,

दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों का राजनीतिक प्रभाव घट जाएगा, जबकि उन्होंने राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में असमानुपातिक योगदान दिया है और जनसंख्या नियंत्रण के राष्ट्रीय लक्ष्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के छोटे राज्यों का महत्व और भी कम हो सकता है। इस असंतुलन का समाधान केवल लोकसभा के भीतर संभव नहीं है। यदि संसद लोकसभा की कुल सीटों की संख्या बढ़ा भी दे, तब भी जनसंख्या आधारित वितरण उन राज्यों के सापेक्ष प्रभाव को कम कर देगा जिन्होंने विकास और जनसांख्यिकीय संकेतकों पर बेहतर प्रदर्शन किया है। संविधान-निर्माताओं ने राज्यसभा की कल्पना 'राज्यों की परिषद' के रूप में की थी। व्यवहार में, हालांकि, उसकी संरचना भी लोकसभा की तरह मुख्यतः जनसंख्या आधारित है। संविधान की चौथी अनुसूची के अंतर्गत राज्यों को राज्यसभा की सीटें मुख्यतः उनकी जनसंख्या के अनुपात में आवंटित की जाती हैं। परिणामस्वरूप, बड़े राज्यों का संसद के दोनों सदनों पर प्रभुत्व स्थापित हो जाता है और राज्यसभा अपनी वास्तविक संघीय भूमिका निभाने में असफल रहती है। इसलिए भारत को परिसीमन के साथ-साथ ऐसा संवैधानिक सुधार भी करना चाहिए, जिससे राज्यसभा में राज्यों का प्रतिनिधित्व अधिक संतुलित हो। इसके लिए अन्य संघीय व्यवस्थाओं से प्रेरणा ली जा सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रत्येक राज्य को उसकी जनसंख्या चाहे जितनी भी हो, सीनेट में समान प्रतिनिधित्व प्राप्त है। जर्मनी का बुंडेसराट एक स्तरीय (टियर) व्यवस्था अपनाता है, जो बड़े राज्यों के प्रभुत्व को सीमित करते हुए जनसंख्या के अंतर को भी कुछ सीमा तक स्वीकार करती है।

वेस्टइंडीज वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित मैट फिशर को पहली बार मौका, जैकब डफी की वापसी

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए बुधवार को 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज मैट फिशर को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है, जबकि हालिया इंग्लैंड टेस्ट दौरे से बाहर रहे जैकब डफी की टीम में वापसी हुई है। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का आगाज 11 जुलाई से गुयाना में होगा। पहले तीन मुकाबले 11, 13 और 16 जुलाई को खेले जाएंगे, जबकि अंतिम दो मैच 19 और 21 जुलाई को बारबाडोस में होंगे। 26 वर्षीय मैट फिशर ने अगस्त 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट और इस वर्ष बांग्लादेश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उन्होंने 25 लिस्ट-ए मुकाबलों में 26 की औसत से 43 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर, जैकब डफी मार्च में खेले गए टी20 विश्व कप फाइनल के बाद पहली बार न्यूजीलैंड टीम में लौटे हैं। विश्व कप के बाद उन्होंने आईपीएल में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेला था, लेकिन पहले बच्चे के जन्म के कारण इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से बाहर रहे थे।

मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा, - मैट और जैकब दोनों के टीम में आने से हमें मजबूती मिलेगी। मैट को पहली बार वनडे टीम में मौका मिलना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। वह तेज गति से गेंदबाजी करते हैं और मैच के अलग-अलग चरणों में प्रभावी गेंदबाजी करने के लिए अपनी विविधताओं पर लगातार काम कर रहे हैं।

उन्होंने डफी की तारीफ करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में उन्होंने सभी प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन किया है और उनका अनुभव टीम के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा।

टीम की कप्तानी मिचेल सेंटनर संभालेंगे। स्पिन विभाग में उनके अलावा माइकल ब्रेसवेल, जेडन लेनाक्स और डीन फाक्सक्राफ्ट को जगह मिली है। लेनाक्स इस साल जनवरी में भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कर चुके हैं और यह उनका तीसरा विदेशी सीमित ओवरों का दौरा होगा।

माइकल ब्रेसवेल और मार्क चैपमैन भी हालिया अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट से बाहर रहने के बाद टीम में लौटे हैं। न्यूजीलैंड ने तेज गेंदबाज काइल जैमीसन, मैट हेनरी और विल ओरूर्क को व्यस्त कार्यक्रम के कारण आराम दिया है। ब्लेयर टिकनर टखने की सर्जरी के चलते उपलब्ध नहीं होंगे। वहीं डेवोन कानवे दूसरे बच्चे के जन्म के कारण इस दौरे पर नहीं जाएंगे, जबकि रचिन रवींद्र पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में हिस्सा लेने के कारण उपलब्ध नहीं रहेंगे।

न्यूज ब्रीफ

एमबाप्पे के दो गोल से फ्रांस प्री-क्वार्टर फाइनल में, स्वीडन को 3-0 से हराया

ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी)। स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे के शानदार दो गोलों की बदौलत फ्रांस ने मंगलवार को फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ-32 मुकाबले में स्वीडन को 3-0 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में फ्रांस ने शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा। फ्रांस को पहला गोल पहले हाफ के अंतिम क्षणों में मिला। 45वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने शानदार फिनिश के साथ टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई और हाफ टाइम तक यही स्कोर रहा। दूसरे हाफ में फ्रांस ने आक्रामक खेल जारी रखा। 53वें मिनट में माइकल ओलिसे के बेहतरीन पास पर ब्रैडली बारकोला ने गोल दागकर बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद 74वें मिनट में एमबाप्पे ने अपना दूसरा गोल करते हुए फ्रांस की जीत पर मुहर लगा दी। इस गोल के साथ उन्होंने टूर्नामेंट में अपने कुल गोलों की संख्या 18 तक पहुंचा दी। फ्रांस की मजबूत रक्षा पंक्ति ने पूरे मुकाबले में स्वीडन के हमलों को नाकाम रखा और विपक्षी टीम को गोल करने का कोई बड़ा मौका नहीं दिया। इस शानदार जीत के साथ फ्रांस ने विश्व कप के अंतिम-16 (राउंड आफ-16) में प्रवेश कर लिया, जबकि स्वीडन का अभियान समाप्त हो गया।

डूरंड कप का कार्यक्रम घोषित, पांच शहरों में भिड़ेंगी 24 टीमें, 23 अगस्त को कोलकाता में फाइनल

कोलकाता। डूरंड कप के 135वें संस्करण के पांच मेज़बान शहरों, भाग लेने वाली सभी 24 टीमों और मैच कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा बुधवार को कर दी गई है। एशिया के सबसे पुराने और दुनिया के प्रतिष्ठित फुटबाल टूर्नामेंटों में शामिल डूरंड कप का आयोजन इस वर्ष 25 जुलाई से 23 अगस्त तक किया जाएगा। इस बार प्रतियोगिता कोलकाता, रांची, इम्फाल, शिलांग और गुवाहाटी में आयोजित होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 23 अगस्त को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा। सात टीमें पहली बार बनेंगी डूरंड कप का हिस्सा इस संस्करण में सात नई टीमें पहली बार डूरंड कप में भाग लेंगी। इनमें श्रीलंका सशस्त्र बलों की डिफेंडर्स एफसी, मेघालय प्रीमियर लीग चैंपियन नोंगकेसेह स्पोर्ट्स, सोशल एंड कल्चरल क्लब, बागपत एफसी, समलेश्वरी स्पोर्टिंग, एफसी रेंगदाई, मुंबई एफसी और एफसी1 शामिल हैं। कोलकाता रहेगा मुख्य केंद्र 2019 से स्थायी मेज़बान बने कोलकाता में इस बार भी टूर्नामेंट का सबसे बड़ा हिस्सा आयोजित होगा। यहां दो ग्रुप चरण, उद्घाटन मुकाबला, दो क्वार्टर फाइनल, एक सेमीफाइनल और फाइनल खेला जाएगा। मैच विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन और किशोर भारती क्रीड़ांगन में होंगे। कोलकाता चरण में रिकार्ड 17 बार की चैंपियन मोहुन बागान सुपर जायंट और 16 बार की विजेता ईस्ट बंगाल एफसी सबसे बड़े आकर्षण होंगे। इनके अलावा मोहम्मडन एससी, भारतीय सेना, सीआईएसएफ, साउथ यूनाइटेड एफसी, बागपत एफसी और समलेश्वरी स्पोर्टिंग भी हिस्सा लेंगी। पहली बार मेजबानी करेगा रांची रांची पहली बार डूरंड कप की मेज़बानी करेगा। बिरसा मुंडा स्टेडियम में 26 जुलाई से 16 अगस्त तक लीग चरण के मुकाबले और एक क्वार्टर फाइनल खेला जाएगा।

टी20 महिला विश्वकप : आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराकर रिकार्ड आठवीं बार फाइनल में जगह बनाई

लंदन। बेथ मूनी और एश्ले गार्डनर की आक्रामक बल्लेबाजी से आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को सेमीफाइनल मुकाबले में 8 विकेट से हराकर एक और उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ ही आस्ट्रेलियाई टीम रिकार्ड आठवीं बार टी20 कप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है। इस एकतरफा मुकाबले में वेस्टइंडीज ने आस्ट्रेलिया को 126 रनों का लक्ष्य दिया था जो आस्ट्रेलिया ने केवल 13 ओवर में ही हासिल कर लिया। अब फाइनल में आस्ट्रेलिया का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा। ये मुकाबला 5 जुलाई को लार्ड्स मैदान पर होगा। इस मैच में पहले वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 125 रन बनाये। कप्तान हेली मैथ्यूज ने 30 रन और किआना जोसेफ ने 16 रन बनाये। मैथ्यूज के आउट होने के बबाद शेमेन कैंपबेल ने 22 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाने का प्रयास किया पर असफल रही। टीम ने एक समय 15.3 ओवर में ही 83 रनों पर 6 विकेट खो दिये। इसके बाद, डिएंड्रा डाटिन ने जनिलेया ग्लासगो (15 रन) के साथ सातवें विकेट के लिए 27 गेंदों में तेजी से 42 रन जोड़े और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। डाटिन ने 16 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 26 रन बनाये।

विंबलडन : करीब चार साल बाद सिंगल्स में लौटीं सेरेना विलियम्स पहले ही दौर में हारीं

लंदन

दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का लगभग चार साल बाद सिंगल्स कोर्ट पर किया गया बहुप्रतीक्षित वापसी मुकाबला हार के साथ समाप्त हुआ। सात बार की विंबलडन चैंपियन सेरेना को आस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जाइंट ने मंगलवार को पहले दौर में 6-3, 6-7 (6), 6-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

44 वर्षीय सेरेना ने 2022 यूएस ओपन के बाद पहली बार कोई सिंगल्स मुकाबला खेला। लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहने के कारण उनकी कोई मौजूदा सिंगल्स रैंकिंग नहीं थी और उन्हें विंबलडन में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला था।

हालांकि सेरेना ने अपने पुराने अंदाज में तेज सर्विस और दमदार ग्राउंडस्ट्रोक्स का प्रदर्शन किया, लेकिन दुनिया की 87वें नंबर की खिलाड़ी माया जाइंट ने निर्णायक मौकों पर बेहतर खेल दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद जारी बयान में सेरेना ने कहा, विंबलडन में फिर से लौटना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दोबारा यहां खेलूंगी। सेंटर कोर्ट पर उतरना और दर्शकों का समर्थन पाना अविस्मरणीय अनुभव था। मैंने हर पल का आनंद लिया।

वहीं जीत के बाद माया जाइंट ने कहा कि वह इस मुकाबले से पहले पूरी रात सो नहीं सकीं।

उन्होंने कहा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि क्या हुआ। सेरेना एक दिग्गज हैं। इस कोर्ट पर खेलने का सपना मैंने बचपन से देखा था और उनके खिलाफ जीतना मेरे लिए अविश्वसनीय है।

मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने 37-37 अनफोर्स्ड एरर किए, लेकिन जाइंट ने 40 विनर्स लगाए, जबकि सेरेना केवल 26 विनर्स ही लगा सकीं। यह आल इंग्लैंड क्लब में माया जाइंट की दूसरी उपस्थिति थी और उन्होंने विंबलडन में अपने करियर की पहली जीत दर्ज की। दूसरी ओर, सेरेना के नाम विंबलडन में सिंगल्स के 98 मुकाबले जीतने का रिकार्ड दर्ज है। सेरेना अब अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ महिला युगल मुकाबले में हिस्सा लेंगी, जो सप्ताह के अंत में खेला जाएगा।

अन्य प्रमुख परिणाम

- अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अलेक्जेंडर ब्लाक्स को 6-4, 6-7 (8), 7-6 (5), 7-6 (0) से हराया।
- इगा स्वियातेक ने टेलर टाउनसेंड को 6-1, 2-6, 6-3 से मात दी।
- एलेना राइबाकिना ने लोइस बोइसन को 6-4, 1-6, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

चौथी वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन फिनलैंड के क्वालीफायर ओटो विर्तानेन से पांच सेटों में हारकर बाहर हो गए।

मैटियो बेरेटिनी ने स्टेन वावरिंका को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। यह वावरिंका के करियर का अंतिम विंबलडन मुकाबला रहा।

विंबलडन से स्टेन वावरिंका की भावुक विदाई, पहले दौर में बेरेटिनी से हारकर हुए बाहर

लंदन। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका का विंबलडन सफर मंगलवार को पहले ही दौर में समाप्त हो गया। 41 वर्षीय स्विस दिग्गज को इटली के मैटियो बेरेटिनी ने रोमांचक मुकाबले में 6-7 (7), 7-6 (16), 7-6 (7), 7-6 (5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। करीब चार घंटे 20 मिनट तक चले इस मुकाबले के बाद दर्शकों ने वावरिंका को खड़े होकर तालियां बजाकर विदाई दी। माना जा रहा है कि यह उनके करियर का आखिरी विंबलडन मुकाबला था। वावरिंका ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह 2026 सीजन के अंत में संन्यास ले लेंगे। उन्हें इस बार विंबलडन में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला था। स्विस स्टार ने 2014 में आस्ट्रेलियन ओपन जीतकर अपने ग्रैंड स्लैम सफर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन का खिताब भी अपने नाम किया। इस साल आस्ट्रेलियन ओपन में उन्होंने तीसरे दौर तक का सफर तय किया था, जबकि फ्रेंच ओपन में पहले दौर में बाहर हो गए थे। मैच के बाद भावुक वावरिंका ने कहा, जिस खेल से आप इतना प्यार करते हों, उसे अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। मैं संन्यास नहीं लेना चाहता, लेकिन मुझे पता है कि अब समय आ गया है। वहीं, इस जीत के साथ 2021 विंबलडन उपविजेता मैटियो बेरेटिनी ने दूसरे दौर में जगह बना ली है, जहां उनका सामना फ्रांस के आर्थर फिल्स से होगा ।

फीफा विश्व कप 2026 : नार्वे प्री-क्वार्टर फाइनल में, आइवरी कोस्ट विश्व कप से बाहर

आर्लिंगटन (टेक्सास)

स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड के 86वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत नार्वे ने फीफा विश्व कप 2026 के नाकआउट मुकाबले में मंगलवार को आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ आइवरी कोस्ट का विश्व कप अभियान समाप्त हो गया।

अब नार्वे का सामना अंतिम-16 में ब्राज़ील से होगा। दोनों टीमें न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में आमने-सामने होंगी।

पहले हाफ में नार्वे ने 39वें मिनट में बढ़त बनाई। आरबी लाइपज़िग के विंगर एंटोनियो नूसा ने शानदार कर्लिंग शाट लगाकर आइवरी कोस्ट के गोलकीपर याहिया फोफाना को छकाते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में आइवरी कोस्ट ने जोरदार वापसी की। मैनचेस्टर यूनाइटेड के विंगर अमाद डियालो ने 74वें मिनट में बेहतरीन व्यक्तिगत प्रयास से गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

हालांकि पूरे मैच में अपेक्षाकृत शांत रहे एरलिंग हालैंड ने आखिरकार 86वें मिनट में अपना जलवा दिखाया। पैट्रिक बर्ग के पास पर उन्होंने नजदीक से गोल दागकर नार्वे को 2-1 की बढ़त दिलाई, जो अंत तक कायम रही।

इस गोल के साथ हालैंड ने मौजूदा विश्व कप में अपने गोलों की संख्या पांच कर ली है। वह अब गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी से केवल एक गोल पीछे हैं।

हालैंड का शानदार फार्म भी लगातार जारी है। अक्टूबर 2024 से अब तक उन्होंने नार्वे के लिए खेले गए हर प्रतिस्पर्धी मैच में गोल किया है। इस दौरान उन्होंने 13 मुकाबलों में 25 गोल दागे हैं।

ब्राज़ील के खिलाफ होने वाला मुकाबला नार्वे के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा क्योंकि दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले चार मुकाबलों में नार्वे को हार नहीं मिली है। विश्व कप में दोनों की पिछली भिड़ंत 1998 में हुई थी, जिसमें नार्वे ने ब्राज़ील को 2-1 से हराया था।

गोवा में मुरादाबाद के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद की शार्प शूटिंग एकेडमी की कोच अनामिका चौधरी ने बुधवार को बताया कि गोवा में 26 से 30 जून तक आयोजित आल इंडिया वाईएसएए नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप-2026 में जिले की शार्प शूटिंग एकेडमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में पृथ्वी सिंह तोमर ने स्वर्ण पदक जीता। वहीं 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में वरुण चौधरी ने रजत पदक और 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अश्विनी गुर्जर ने कांस्य पदक हासिल किया। कोच अनामिका चौधरी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत और लगन का ही परिणाम है कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

मेसी और गोल करेंगे, लेकिन मेरा लक्ष्य विश्व कप ट्राफी जीतना है : किलियन एमबाप्पे

ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी)

फीफा विश्व कप 2026 में शानदार फार्म में चल रहे फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे ने बुधवार को कहा है कि वह गोल्डन बूट या गोलों के रिकार्ड से ज्यादा विश्व कप ट्राफी जीतने पर ध्यान दे रहे हैं। उनका मानना है कि लियोनेल मेसी अभी और गोल करेंगे, लेकिन उनकी पूरी एकाग्रता 19 जुलाई को विश्व कप का खिताब जीतने पर है।

स्वीडन के खिलाफ राउंड आफ-32 मुकाबले में दो गोल दागकर फ्रांस को 3-0 की जीत दिलाने वाले एमबाप्पे ने विश्व कप में अपने कुल गोलों की संख्या 18 पहुंचा दी है। वह अब मेसी के 19 विश्व कप गोलों के रिकार्ड से सिर्फ एक गोल पीछे हैं। मौजूदा टूर्नामेंट में भी दोनों खिलाड़ी छह-छह गोल के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर हैं।

मैच के बाद एमबाप्पे ने पत्रकारों से कहा, हमारा लक्ष्य जितना संभव हो उतना आगे बढ़ना है और 19 जुलाई को यहीं लौटकर विश्व कप ट्राफी जीतना है। हम एक-एक कदम आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अधिक गोल करने से रिकार्ड बनते हैं, लेकिन उनका ध्यान व्यक्तिगत उपलब्धियों पर नहीं है।

उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि लियो (मेसी) अभी और गोल करेंगे। इसलिए मैं इस दौड़ पर ज्यादा ध्यान नहीं देता। मेरा फोकस सिर्फ उन टीमों पर है जिनका हमें सामना करना है और अपने अंतिम लक्ष्य यानी विश्व कप फाइनल तक पहुंचना है।

पराग्वे के खिलाफ सतर्क रहेगा फ्रांस

फ्रांस का अगला मुकाबला शनिवार को फिलाडेल्फिया में पराग्वे से होगा। पराग्वे ने राउंड आफ-32 में चार बार के विश्व चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में हराकर बड़ा उलटफेर किया था। एमबाप्पे ने कहा कि फ्रांस किसी भी टीम को हल्के में नहीं लेगा। उन्होंने कहा, हम पराग्वे के खिलाफ मुकाबले से पहले अपनी कमियों पर काम करेंगे। अभी भी कुछ पहलुओं में सुधार की जरूरत है। हालांकि हमारी सबसे बड़ी ताकत गोल करने की क्षमता है, जिससे हम किसी भी मैच में बढ़त हासिल कर सकते हैं।

फीफा विश्व कप 2026 : मेक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराया, रचा इतिहास

मेक्सिको सिटी

मेक्सिको ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ-32 मुकाबले में बुधवार को इक्वाडोर को 2-0 से हराकर 40 वर्षों का इंतजार खत्म किया और अंतिम-16 में जगह बना ली। मेक्सिको की ओर से जूलियन क्विनोनेस और राउल जिमेनेज ने पहले हाफ में नौ मिनट के भीतर गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की।

क्विनोनेस ने 22वें मिनट में गोल कर मेक्सिको को बढ़त दिलाई, जबकि जिमेनेज ने 31वें मिनट में दूसरा गोल दागकर टीम की स्थिति मजबूत कर दी।

यह मेक्सिको की विश्व कप नाकआउट चरण में 1986 के बाद पहली जीत है। उस वर्ष मेक्सिको ने अपने घरेलू मैदान पर बुल्गारिया को हराकर अंतिम-16 पार किया था। इसके बाद टीम 1994, 1998, 2002, 2006, 2010, 2014 और 2018 विश्व कप में लगातार अंतिम-16 में हारकर बाहर हुई थी। वहीं 2022 कतर विश्व कप में टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी।

क्विनोनेस और जिमेनेज ने रचे नए रिकार्ड

टूर्नामेंट में क्विनोनेस का यह तीसरा गोल था। वह अब मेक्सिको के लिए विश्व कप इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे सफल गोल स्कोरर बन गए हैं। उनसे आगे केवल लुइस माटाडोर हर्नांडेज़ और जेवियर चिचारितो हर्नांडेज़ हैं, जिन्होंने चार-चार गोल किए थे।

वहीं राउल जिमेनेज ने राष्ट्रीय टीम के लिए अपना 47वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागते हुए जारेड बोर्गेट्टी को पीछे छोड़ दिया। अब वह चिचारितो के सर्वाधिक 52 गोल के रिकार्ड से केवल पांच गोल दूर हैं।

अजेय रहा एज़्टेका स्टेडियम

प्रतिष्ठित एज़्टेका स्टेडियम में मेक्सिको का विश्व कप रिकार्ड शानदार रहा है। यहां टीम ने अब तक खेले 10 विश्व कप मुकाबलों में कोई हार नहीं झेली है। आधिकारिक तौर पर मेक्सिको को इस मैदान पर केवल दो हार मिली हैं, जिनमें आखिरी हार 2013 में विश्व कप क्वालीफायर में होंडुरास के खिलाफ थी। इस जीत के साथ मेक्सिको ने सभी प्रतियोगिताओं में अपनी लगातार 12वीं अपराजित मैचों की श्रृंखला भी कायम रखी।

इतिहास भी रचा

इस जीत के साथ मेक्सिको विश्व कप के नाकआउट चरण में किसी दक्षिण अमेरिकी टीम को हराने वाला पहला कानकाकाफ देश बन गया। इससे पहले दोनों महाद्वीपों की पांचों नाकआउट भिड़ंत दक्षिण अमेरिकी टीमों ने जीती थीं। अब मेक्सिको का सामना अंतिम-16 में इंग्लैंड और कांगो के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। मुकाबला निर्धारित समय से एक घंटे देरी से शुरू हुआ क्योंकि तेज आंधी-तूफान के कारण खेल को स्थगित करना पड़ा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रेल निलयम में मनराकासमफकी उच्च स्तरीय बैठक संपन्न
राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास)-04, हैदराबाद की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन हाल ही में (30 जून) दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय मरेल निलयमफ में किया गया। इस उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता नराकास के अध्यक्ष एवं दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने की। बैठक में केंद्र सरकार के कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

इस महत्वपूर्ण बैठक में नराकास के उपाध्यक्ष, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री राजेश पी. खाड़े विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न सदस्य कार्यालयों के प्रमुख, वरिष्ठ प्रतिनिधिगण तथा हिंदी शिक्षण योजना के अधिकारी भी सम्मिलित हुए। बैठक की व्यापकता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बेंगलूरु से उप निदेशक (कार्यान्वयन) श्री निर्मल कुमार दुबे सहित कई अन्य केंद्रीय कार्यालयों के प्रमुखों व प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) माध्यम से इस बैठक में सक्रिय सहभागिता की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने इस बात पर गहरी प्रसन्नता व्यक्त की कि नराकास-04 की बैठकों का आयोजन पूरी नियमितता और समयबद्धता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने समिति की सक्रियता की सराहना करते हुए सभी सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों का आह्वान किया कि वे केंद्र सरकार की राजभाषा नीति को जमीनी स्तर पर पूरी तरह लागू करने और समिति की विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के सुचारू संचालन में अपना शत-प्रतिशत योगदान व सहयोग सुनिश्चित करें।

बैठक के शुभारंभ में उपाध्यक्ष व मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री राजेश पी. खाड़े ने अध्यक्ष महोदय सहित देश भर से जुड़े सभी सदस्यों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने अवगत कराया कि नराकास के तत्वावधान में विभिन्न सदस्य कार्यालयों के समन्वय से नियमित रूप से उत्कृष्ट कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसके पश्चात, दक्षिण मध्य रेलवे के उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री एम. के. नागराजु ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की एक-एक मद पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पिछली तिमाही के दौरान राजभाषा के संवर्धन हेतु किए गए विशेष कार्यों, कार्यशालाओं और उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। अंत में, सभी उपस्थित सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

टूटते रिश्ते, खामोश समाज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

कोलकाता, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) - इंडिया वन फाउंडेशन एवं पुलिस पब्लिक प्रेस के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को द पार्क होटल, कोलकाता में टूटते रिश्ते, खामोश समाज विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

संगोष्ठी में समाजसेवी, शिक्षाविद, विधि विशेषज्ञ, चिकित्सक व उद्योगपतियों ने पारिवारिक मूल्यों के क्षरण व सामाजिक संवेदनहीनता पर चिंता जताई। मुख्य वक्ता पवन पटोदिया ने कहा कि परिवार कमजोर होने से समाज बिखरता है। प्रधान अतिथि डॉ. बसंत गोयल ने समाज के लिए समय देने की अपील की।वरिष्ठ अधिवक्ता पारस कोचर, डॉ. ममता बनानी, भावन कामदार, विमल बेंगानी, राजकुमार मित्तल, मधुमिता गुप्ता, सुधांशु शेखर व मंजू अग्रवाल ने भी विचार रखे।

आयोजक पवन कुमार भूत ने कहा कि ऐसी संगोष्ठियां देशभर में आयोजित की जाएंगी। संचालन केयूर मजूमदार ने किया। अंत में समाज में सकारात्मक बदलाव का संकल्प लिया गया।.

कविता ने चुनावी वादों को पूरा नहीं करने पर तेलंगाना सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना रक्षण सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता ने बुधवार को प्रदेश की रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर अपने चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाते हुए उसकी आलोचना की। चुनावों वादों में कांग्रेस पार्टी की छह गारंटी को लागू करना भी शामिल है।

उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो सभी को मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएगी। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस सरकार की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने में नाकाम रहने के लिए उसकी आलोचना की। सुश्री कविता ने सिकंदराबाद के सीताफलमंडी में पार्टी का झंडा फहराने के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने के मकसद से मिट्टी की बेटी के रूप में पार्टी की स्थापना की थी और कहा कि राज्य का एजेंडा अब बदलना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी कांग्रेस पार्टी की छह गारंटी को लागू करने में नाकाम रहे हैं, जिसमें पेंशन बढ़ाना, नई पेंशन देना, छात्रों के लिए घर और फीस प्रतिपूर्ति शामिल हैं। उन्होंने सरकार की प्राथमिकता पर सवाल उठाया कि वह एक लाख करोड़ रुपये की मुसी नदी विकास परियोजना की पेशकश कर रही है, जबकि छात्र फीस प्रतिपूर्ति में देरी के कारण मुश्किलों का सामना कर रहे हैं।

सुश्री कविता ने दावा किया कि तेलंगाना बनने के एक दशक से ज़्यादा समय बाद भी, गरीबों के जीवन स्तर में कोई सुधार नहीं हुआ है और शिक्षा तथा स्वास्थ्य देखभाल का खर्च गरीब और मध्यम श्रेणी के परिवारों पर बोझ बना हुआ है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल का पूरा खर्च उठाए और बेरोज़गार युवाओं को स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के लिए दो लाख से 20 करोड़ रुपये तक के व्यापारिक ऋण देगी। उन्होंने एक के बाद एक सरकारों पर तेलंगाना आंदोलन के कार्यकर्ताओं को नज़रअंदाज़ करने का भी आरोप लगाया, और कहा कि उन्हें 250 स्क्वायर यार्ड ज़मीन देने का वादा पूरा नहीं किया गया। उन्होंने घोषणा की कि पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए ज़मीन की मांग को लेकर बुधवार को उप्पल भगायत में एक विरोध प्रदर्शन करेगी।

सुश्री कविता ने पार्टी कार्यकर्ताओं से स्थानीय मुद्दों पर ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि अगर सरकार बनाने का मौका मिला तो टीआरएस न्याय के लिए खड़ी होगी और लोगों की भलाई के लिए काम करेगी।

ठाणे-पालघर जिला बैंक चुनाव: सहकार पैनल ने 21 में से 16 सीटें जीतीं, शिंदे-ठाकुर-कथोरे का दबदबा कायम

ठाणे, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) - ठाणे-पालघर जिला मध्यवर्ती बैंक के निदेशक पद चुनाव में विधायक किसन कथोरे और हितेंद्र ठाकुर के सर्वदलीय मसहकार पैनलफ ने 21 में से 16 सीटें जीतकर अपना दबदबा बरकरार रखा।

भाजपा समर्थित मपरिवर्तन पैनलफ को 4 सीटें मिलीं, जबकि एक सीट पर निर्दलीय निलेश सांबरे जीते। 10 निदेशक निर्विरोध चुने गए थे। शेष 11 सीटों की मतगणना रविवार को हुई।

सहकार पैनल ने पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटील के मपरिवर्तन पैनलफ को करारी शिकस्त दी। भाजपा की मदद से हितेंद्र ठाकुर के भांजे हार्दिक राउत की बगावत भी नाकाम रही।

इस जीत से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, बविया अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर और विधायक किसन कथोरे का जिला बैंक पर प्रभाव फिर साबित हुआ। मुरबाड, बदलापुर, अंबरनाथ, कल्याण क्षेत्र में विधायक कथोरे सहकारिता क्षेत्र में अहम माने जाते हैं।

आरपीएफ ने छह महीनों में लौटाया रेल यात्रियों का 2.24 करोड़ रुपये का खोया हुआ सामान

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण-मध्य रेलवे (एससीआर) के सिकंदराबाद खंड के रेलवे सुरक्षा बल ने ऑपरेशन अमानत के तहत जनवरी-जून 2026 के दौरान यात्रियों का 2.24 करोड़ रुपये का खोया हुआ सामान बरामद कर उन्हें लौटाया है।

एससीआर ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आरपीएफ ने छह महीने की अवधि में 658 मामलों को सुलझाया और सामान, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, गहने, नकदी एवं ज़रूरी दस्तावेज़ बरामद किये। जनवरी 2024 से खंड ने 2,747 मामलों को सुलझाया है और 7.28 करोड़ रुपये से ज़्यादा कीमत का सामान यात्रियों को वापस किया है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस ऑपरेशन की सफलता के पीछे 700 से ज़्यादा सीसीटीवी कैमरे, आरक्षण और यात्रा रिकॉर्ड का इस्तेमाल करके मालिकों का तेज़ी से पता लगाना तथा बरामद सामान सौंपने से पहले पारदर्शी तरीके से पुष्टि करना शामिल है।

तेलंगाना में नहीं है भाजपा का कोई भविष्य: रवि

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में नागरकुर्नूल के कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि तेलंगाना में पार्टी का कोई भविष्य नहीं है।

श्री रवि ने भाजपा पर बांटने वाली राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में ऐसी राजनीति सफल नहीं होगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के हालिया तीन दिवसीय दौरे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री रवि ने उनके दौरे को पूरी तरह से फ्लाप बताया । उन्होंने भाजपा के कांग्रेस-मुक्त तेलंगाना के नारे को अव्यावहारिक करार देते हुए कहा कि न तो भाजपा और न ही कोई अन्य पार्टी तेलंगाना से कांग्रेस को खत्म कर सकती है। भाजपा राज्य में सत्ता में आने का सिर्फ सपना देख रही है।

कांग्रेस सांसद ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की तारीफ करते हुए कहा कि राज्य सरकार लोगों से किए गए वादों को पूरा करते हुए समाज के सभी वर्गों के कल्याण और सभी क्षेत्रों के संतुलित विकास के लिए काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस प्रशासन भगवान राम के रास्ते पर चल रहा है, जबकि भाजपा रावण के रास्ते पर चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में तेलंगाना में कांग्रेस सरकार को चुनौती देने की ताकत नहीं है।

श्री रवि ने भाजपा पर राष्ट्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार और तानाशाहीपूर्ण शासन का आरोप भी लगाया और कहा कि पार्टी ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले फंड का गलत इस्तेमाल किया है। उन्होंने दावा किया कि देश भर में भाजपा का जनसमर्थन घट रहा है और भविष्यवाणी की कि भविष्य में केंद्र में कांग्रेस की सत्ता में वापसी होगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मंत्री हो...

तो उन्हें पद छोड़ना पड़ सकता है।

3. क्या सिर्फ गिरफ्तारी होते ही पद छिन जाएगा?

नहीं। सिर्फ गिरफ्तारी से पद नहीं जाएगा। प्रस्तावित प्रावधान तभी लागू होगा, जब व्यक्ति लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहे।

4. क्या यह हर मामले में लागू होगा?

नहीं। यह केवल उन मामलों में लागू होगा, जिनमें 5 साल या उससे अधिक की सजा का प्रावधान है। छोटे अपराध इसके दायरे में नहीं होंगे।

5. सरकार इस कानून की जरूरत क्यों बता रही है?

सरकार का कहना है कि इससे सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही बढ़ेगी। उनका तर्क है कि गंभीर आरोपों में लंबे समय तक जेल में रहने वाला व्यक्ति मंत्री पद पर बना रहे, यह लोकतांत्रिक नैतिकता के खिलाफ है।

आगे क्या होगा?

अभी यह सिर्फ प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक है। यदि 17 जुलाई को गझउ से मंजूरी मिलती है तो इसे लोकसभा और राज्यसभा में पेश किया जाएगा। इसके बाद अगर बिल दोनों सदनों से पास हो जाता है तो यह कानून बन सकेगा।

क्या बिल का दुरुपयोग हो सकता है?

नहीं। जेपीसी रिपोर्ट में ऐसे सुरक्षा उपाय जोड़ सकती है, जिससे राजनीतिक बदले की भावना से झूठे मामलों में गिरफ्तारी कर किसी सरकार को अस्थिर करने के लिए इस कानून का दुरुपयोग न हो।

क्या बिल को कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है?

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस एके पटनायक के मुताबिक प्रस्तावित बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी सकती है।

सीबीआई -ईडी ने 2014 के बाद 13 सिटिंग मंत्रियों को गिरफ्तार किया

2014 के बाद कम से कम 13 सिटिंग मंत्रियों को सीबीआई -ईडी गिरफ्तार कर चुकी हैं। इनमें से 10 गिरफ्तारियां पीएमएलए के कड़े प्रावधानों के तहत हुईं। ज्यादातर गिरफ्तारियां आप शासित दिल्ली और टीएमसी शासित पश्चिम बंगाल में हुईं।

किसी भाजपाई मंत्री की गिरफ्तारी नहीं हुई है। सिर्फ उत्तर प्रदेश के मंत्री राकेश सचान को अवैध हथियार के मामले में एक वर्ष की सजा हुई थी। वह जमानत के बाद पद पर बने रहे।

कानून की जरूरत क्यों?

केंद्र सरकार का मानना है कि ये तीनों बिल लोकतंत्र और सुशासन की साख मजबूत करेंगे। अब तक संविधान के तहत केवल दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को ही पद से हटाया जा सकता था। मौजूदा कानूनों में संवैधानिक पद पर बैठे नेताओं को हटाने को लेकर स्पष्ट व्यवस्था नहीं है। इसको लेकर कानूनी और सियासी विवाद होते रहे हैं।

आर्टिफिशल...

यह मैग्नेट अंतरराष्ट्रीय फ्यूजन प्रोजेक्ट आईटीईआर में इस्तेमाल किए गए ऐसे ही मैग्नेट से करीब 1.3 गुना बड़ा है। इसमें तीन गुना ज्यादा एनर्जी जमा की जा सकती है। आगे चलकर ऐसे 16 मैग्नेट एक साथ लगाए जाएंगे।

एक और अहम उपकरण भी तैयार

वैज्ञानिकों ने एक खास सुपरकंडक्टिंग कॉयल भी तैयार की है। इसका काम फ्यूजन प्रक्रिया को शुरू करना और प्लाज्मा को पूरे समय सही जगह पर बनाए रखना है। परीक्षण के दौरान इस कॉइल ने 60 किलोएम्पियर करंट और 6.03 मेगाजूल एनर्जी संभालने की क्षमता दिखाई। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह लंबे समय तक रिएक्टर को चलाने में मदद करेगा।

क्यों अहम है यह उपलब्धि?

वैज्ञानिकों का कहना है कि इन दोनों उपकरणों के सभी जरूरी हिस्से चीन में ही बनाए गए हैं। इससे इस तकनीक के लिए अब दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो गई है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह कदम फ्यूचर में साफ और लगातार एनर्जी बनाने वाली तकनीक को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

ऐसे होती ...

बाहर से किसी को शक न हो। इससे कैमरों या अन्य कर्मचारियों की नजर सीधे उस व्यक्ति तक नहीं पहुंचती थी। दावा है कि रकम निकालने के बाद उसे तत्काल बाहर नहीं ले जाया जाता था। पहले उसे मंदिर परिसर के बाथरूम में छिपा दिया जाता था। इसके बाद अनुकूल मौका मिलने पर उसे परिसर से बाहर पहुंचाया जाता था। पुलिस अब इस दावे की पुष्टि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के जरिए करने में जुटी है।

कैमरों की लोकेशन तक थी जानकारी

सूत्रों के अनुसार, आरोपियों को मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की पूरी जानकारी थी। उन्हें यह भी पता था कि किस दिशा में कैमरों की निगरानी रहती है और किन जगहों पर उनकी नजर कम पड़ती है। इसी वजह से कथित तौर पर पूरी योजना कैमरों की सीधी निगरानी से बचते हुए बनाई जाती थी। पूछताछ में यह भी दावा किया गया कि सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद कुछ कमियों का लगातार फायदा उठाया गया। पुलिस अब कंट्रोल रूम की ड्यूटी, सीसीटीवी रिकॉर्ड और संबंधित कर्मचारियों की भूमिका का भी मिलान कर रही है।

गणना कक्ष की चाबी को लेकर भी बड़ा दावा

जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गणना कक्ष की एक चाबी टिन्नू यादव के पास रहती थी, जबकि दूसरी चाबी बैंक कर्मियों के पास होती थी। आरोपियों ने कथित तौर पर दावा किया कि इसी व्यवस्था का फायदा उठाकर चोरी को अंजाम दिया जाता था। हालांकि, बैंक कर्मियों की कथित भूमिका को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस इस संबंध में उपलब्ध दस्तावेजों, ड्यूटी रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है।

पिछले सप्ताह हुई थीं गिरफ्तारियां

इस मामले में पुलिस ने पिछले सप्ताह मुकदमा दर्ज करने के बाद तेजी से कार्रवाई की थी। इसके बाद चंपत राय के करीबी बताए जाने वाले टिन्नू यादव, गिनती इंचार्ज सुभाष श्रीवास्तव और रकम गिनने वाले अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष यादव, रमाशंकर मिश्रा, करुणेश और अवनीश शुक्ला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस लगातार साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। अब जेल में हुई पूछताछ को जांच का अहम पड़ाव माना जा रहा है, क्योंकि पहली बार आरोपियों से पूरे घटनाक्रम को लेकर विस्तार से सवाल-जवाब किए गए।

बैंक ने दिया नोटिस का जवाब

अयोध्या स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा को नोटिस भेजकर कुछ खातों की जानकारी मांगी गई थी। इसके बाद बैंक की ओर से जवाब दे दिया गया। बैंक ने अपने जवाब में स्पष्ट किया कि उसकी भूमिका केवल ऑनलाइन माध्यम से मिलने वाले दान तक सीमित है। बैंक के अनुसार, क्यूआर कोड के जरिए आने वाली धनराशि सीधे बैंकिंग प्रणाली में दर्ज होती है। नकद चढ़ावे की गणना, उसकी पैकिंग या उसे बैंक तक पहुंचाने की प्रक्रिया में बैंक का कोई हस्तक्षेप नहीं होता। यानी मंदिर में आने वाले नकद चढ़ावे की गिनती और उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी बैंक के अधिकार क्षेत्र में नहीं आती। सूत्रों के मुताबिक, राम जन्मभूमि ट्रस्ट को मिलने वाले कुल दान का करीब 10 से 15 प्रतिशत हिस्सा बैंक ऑफ बड़ौदा और पंजाब नेशनल बैंक के जरिए ऑनलाइन प्राप्त होता है, जबकि सबसे अधिक लेनदेन भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से किया जाता है।

चंपत राय और अनिल मिश्रा के खातों की भी जांच

जांच के दौरान ट्रस्ट से जुड़े कुछ प्रमुख लोगों के बैंक खातों को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का बैंक ऑफ बड़ौदा की अयोध्या शाखा में एक खाता है। बताया जा रहा है कि यह खाता कई वर्ष पहले दिल्ली से अयोध्या स्थानांतरित किया गया था। फिलहाल उसमें बहुत कम पैसा है और लंबे समय से उसमें कोई खास ट्रांजेक्शन नहीं हुई है। इसी तरह ट्रस्ट से जुड़े अनिल मिश्रा का भी इसी शाखा में बैंक खाता है। सूत्रों का दावा है कि उन्होंने हाल ही में एक इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए करीब 20 लाख रुपये का बैंक लोन लिया था। फिलहाल पुलिस इस जानकारी का सत्यापन कर रही है। जांच एजेंसियों की ओर से अब तक यह नहीं कहा गया है कि इन बैंक खातों का कथित चोरी से कोई सीधा संबंध मिला है।

सात आरोपियों से ...

2. अभियुक्त: करुणेश पांडेय
पिता का नाम: रामराज पांडेय
निवासी: तालढोड़ी, मिल्कीपुर, थाना खंडासा, अयोध्या
बरामदगी: कुल 18,07,063 रुपए (नोट और सिक्के)

3. अभियुक्त: अनुकल्प मिश्रा
पिता का नाम: रवीन्द्र कुमार मिश्रा
निवासी: कौशलपुरी, अयोध्या
बरामदगी: कुल 16,82,040 रुपए (नोट)

4. अभियुक्त: रामशंकर यादव उर्फ टिंकू
पिता का नाम: स्व तुलसीराम यादव
निवासी: 993 स्वर्गद्वार, नयाघाट, अयोध्या
बरामदगी: कुल 1,00,000 रुपए (500 के 180 नोट और 100 के 100 नोट)

5. अभियुक्त: रमांकर मिश्रा
पिता का नाम: छद्यूलाल मिश्रा
निवासी: मीरपुर रामसखा बगिया, अयोध्या
बरामदगी: कुल 7,32,170 रुपए नकद, 2 सफेद धातु के सिक्के और 1 पैर का बिछुआ (वजन 24.72 ग्राम)

6. अभियुक्त: लवकुश मिश्रा
पिता का नाम: राजेश कुमार मिश्रा
निवासी: ठकुरान फैगोली, थाना रुदौली, अयोध्या
बरामदगी: कुल 14,25,000 रु (500 के 2850 नोट)

7. अभियुक्त: अविनाश शुक्ला
पिता का नाम: राम सजीवन शुक्ला
निवासी: बाबू पुर, थाना महेशगंज, प्रतापगढ़; हाल पता: कौशलपुरी कॉलोनी, मधुबन डेयरी के पीछे, अयोध्या
बरामदगी: 20,39,220 रुपए, 1121 अमेरिकी डॉलर, चांदी जैसा धातु (159.54 ग्राम), 1 पयली धातु चैन (8.14 ग्राम), 1 पीली धातु की भारती (3.44 ग्राम)

ट्रस्ट की बैठक पर टिकीं सबकी नजरें

चंदा चोरी विवाद के बीच अब ट्रस्ट की बैठक पर सबकी नजर है। बैठक में इस्तीफों के अलावा ट्रस्ट की आगे की रणनीति और संभावित बदलावों पर भी चर्चा हो सकती है। चंपत राय, जो विश्व हिंदू परिषद के वाइस प्रेसिडेंट भी हैं, ट्रस्ट के अहम पदाधिकारी रहे हैं। ट्रस्ट का गठन साल 2020 में राम मंदिर निर्माण के लिए किया गया था। यदि चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार हो जाते हैं तो ट्रस्ट में तीन पद खाली हो जाएंगे।

पेट्रोल...

इंडस्ट्री के सूत्रों ने बताया कि नायरा के 7,000 से ज्यादा फ्यूल स्टेशनों पर नई कीमतें 1 जुलाई 2026 से लागू कर दी गई हैं। यहां ध्यान रहे कि विभिन्न राज्यों में पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल के दाम अलग-अलग हो सकती हैं, जो लोकल टैक्स जैसे वैल्यू-एडेड टैक्स पर निर्भर करती हैं।एक ओर जहां प्राइवेट सेक्टर की नायरा एनर्जी ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती करते हुए लोगों को राहत दी है, तो वहीं सरकारी फ्यूल रिटेलर्स ने अपनी कीमतों में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जो मिलकर भारत के एक लाख से ज्यादा पेट्रोल-पंपों में से 90 फीसदी से ज्यादा का संचालन करती हैं, इनपर फ्यूल प्राइस यथावत बने हुए हैं। राजधानी दिल्ली में, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन आउटलेट्स पर पेट्रोल की कीमत 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 95.20 रुपये प्रति लीटर है।

गौरतलब है कि अमेरिका-ईरान युद्ध से पैदा हुई ग्लोबल टेंशन के बीच इंटरनेशनल ऑयल प्राइस में तेज उछाल देखने को मिला था। इस दौरान पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा करने के मामले में पहली फ्यूल रिटेलर्स में नायरा एनर्जी भी शामिल थी। बीते 26 मार्च को कंपनी ने अपने पेट्रोल की कीमतों में 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। अब इतनी ही कटौती भी की है।

नायरा के बाद करीब चार साल तक स्थिर रखने के बाद भारत में सरकारी तेल कंपनियों ने भी पेट्रोल-डीजल पर महंगाई का बम फोड़ते हुए देशवासियों को झटका दिया था। इंडियन ऑयल से बीपी, एचपी तक ने मई महीने में एक के बाद एक कई बार पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी की थी और इनकी कीमतों में कुल मिलाकर 7.50 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया था। इसके पीछे कंपनियों ने मिडिल ईस्ट युद्ध से पैदा हुए तेल संकट से बढ़ती लागत का हवाला दिया था।

व्हाट्सएप...

वॉट्सऐप का यूजरनेम फीचर टेलीग्राम की तरह काम करता है। पहले किसी नए शख्स से वॉट्सऐप पर बात करने के लिए मोबाइल नंबर जरूरी होता था। अब यूजर सिर्फ अपने यूजरनेम के जरिए भी बातचीत शुरू कर सकता है। इसका फायदा यह होगा कि आपका मोबाइल नंबर सामने वाले व्यक्ति को नहीं दिखेगा। कंपनी का कहना है कि इससे प्राइवेसी बेहतर होगी और अनजान लोगों के साथ नंबर शेयर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

हालांकि सरकार की चिंता दूसरी भी है। अधिकारियों का मानना है कि अगर कोई शख्स किसी दूसरे के नाम जैसा यूजरनेम बना ले या अपनी असली पहचान छिपाकर लोगों से संपर्क करे, तो ऑनलाइन ठगी के नए तरीके सामने आ सकते हैं।टेलीग्राम पर पहले भी फर्जी यूजरनेम और नकली प्रोफाइल के जरिए लोगों को धोखा देने के कई मामले सामने आ चुके हैं। इसी वजह से सरकार वॉट्सऐप के नए फीचर को लेकर एक्स्ट्रा सावधानी बरत रही है।सोशल मीडिया पर भी कुछ लोगों ने इस फीचर को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि प्राइवेसी बढ़ाना अच्छी बात है, लेकिन अगर पहचान छिपाना आसान हो गया तो स्कैमर्स इसका फायदा उठा सकते हैं। खासकर ऐसे यूजरनेम जो किसी कंपनी, सेलिब्रिटी या दूसरे व्यक्ति से मिलते-जुलते हों, वे लोगों को आसानी से भ्रमित कर सकते हैं।व्हाट्सएप के नए सीईओ कुणाल शाह ने इस फीचर के बारे में पोस्ट किया है। उन्होंने कहा है कि उन्होंने ऐसे समय पर वॉट्सऐप ज्वाइन किया जब दुनिया से पहले उन्हें यूजरनेम मिल गया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 02 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एसबीआई हैदराबाद ने भव्य दान और सम्मान समारोह के साथ मनाया 71वां बैंक दिवस

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने भरोसे, वित्तीय समावेशन और राष्ट्र-निर्माण की सात दशकों की समृद्ध विरासत को दोहराते हुए अपना ऐतिहासिक 71वां बैंक दिवस मनाया। एसबीआई हैदराबाद सर्कल द्वारा आयोजित इस सुबह के सत्र में बैंक के गौरवशाली इतिहास को याद करने और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और गहरा करने के लिए सर्कल मैनेजमेंट कमेटी (सीएमसी), सम्मानित अतिथियों और स्टाफ सदस्यों ने एक साथ हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत हैदराबाद सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) श्री नीलेश द्विवेदी के नेतृत्व में सर्कल मैनेजमेंट कमेटी के स्वागत के साथ हुई। इस अवसर पर उनके साथ महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार (नेटवर्क खख), श्री रणविजय प्रताप (नेटवर्क ख) और श्री आर. गणेश (सीसीज-ीआरओ) मौजूद थे। पर्यावरण स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) को बढ़ावा देने के लिए, उप महाप्रबंधक (डीजीएम) व मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) श्री सुराजित त्रिपाठी द्वारा गणमान्य अतिथियों को पर्यावरण-अनुकूल पौधों के गुलदस्ते भेंट किए गए, जिसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से 71वें बैंक दिवस की प्रतिज्ञा ली।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा

एक समावेशी भविष्य के निर्माण के अपने मूल मूल्य को आगे बढ़ाते हुए, एसबीआई हैदराबाद सर्कल ने इस अवसर पर स्थानीय समुदायों के आवागमन और सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए प्रमुख शैक्षणिक और कल्याणकारी संस्थानों को तीन उपयोगिता वाहन (यूटिलिटी व्हीकल्स) दान किए-

साधना इंस्टीट्यूट फॉर स्पेशल चिल्ड्रन (सिकंदराबाद): विशेष बच्चों के लिए सुरक्षित और सुलभ परिवहन सुनिश्चित करने के लिए संस्थान को एक विशेष मिनीवैन दी गई। इस वाहन को श्री मधुसूदन रेड्डी ने स्वीकार किया।

दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ नर्सिंग (हैदराबाद): भविष्य के स्वास्थ्य पेशेवरों और फैकल्टी के दैनिक आवागमन की सुविधा के लिए संस्थान को एक 52-सीटर बस प्रदान की गई। इसकी चाबियां चेयरपर्सन डॉ. जी.एल.के. दुर्गा और प्रिंसिपल मिस श्रव्या स्पंदना ने स्वीकार कीं।

इसके बाद बैंक की नेतृत्व टीम द्वारा इन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय पेशेवरों का सम्मान

राष्ट्रीय दिवसों के उपलक्ष्य के साथ समन्वय बिठाते हुए, एसबीआई ने इस अवसर पर उन पेशेवरों के प्रति औपचारिक आभार व्यक्त किया जिन्होंने बैंक और समाज को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है:-

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (नेशनल डॉक्टर्स डे):

एसबीआई परिवार को उनके निरंतर स्वास्थ्य और कल्याण संबंधी सहयोग के लिए सीएमसी द्वारा ग्यारह समर्पित बैंक चिकित्सा अधिकारियों, विशेषज्ञों और स्वास्थ्य सलाहकारों को सम्मानित किया गया।

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स दिवस: मुख्य महाप्रबंधक श्री नीलेश द्विवेदी ने बैंक के साथ दीर्घकालिक संबंधों, वित्तीय मार्गदर्शन और मूल्यवान योगदान के लिए विशिष्ट ऑडिटर श्री सीएसआर मूर्ति और श्री डी विजय कुमार को सम्मानित किया।

सुबह की कार्यवाही का समापन उप महाप्रबंधक और मुख्य विकास अधिकारी श्री सुराजित त्रिपाठी डरा दिए गए औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव (वोट ऑफ थैंक्स) के साथ हुआ, जिसने 71वें बैंक दिवस उत्सव की एक सफल और शानदार शुरुआत की।

राजधानी बैंक ने खोल दिये अग्रवाल समाज के खाते

Agarwal Samaj
Telangana

हैदराबाद, 1 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राजधानी को-आपरेटिव अर्बन बैंक ने आज अग्रवाल समाज तेलंगाना, राघव रत्ना टावर्स, आबिड्स का खाता अनफ्रीज कर दिया। ज्ञातव्य है समाज ने अग्रसेन बैंक में अपने खाते फ्रीज किये जाने के बाद, जब एक दिन के लिए इन्हे खोला गया, तब अपनी रकम का कुछ हिस्सा राजधानी बैंक में ट्रांसफर करवा लिया था, किन्तु विरोधी गुट ने यहाँ भी झूठे दावे कर खातों के परिचालन पर रोक लगवा दी। हालांकि 30 जून 2026 को समाज द्वारा अपने वकील के माध्यम से फिर नोटिस देकर रजिस्ट्रार आफ सोसाइटी के आदेश का हवाला दिया गया तो राजधानी बैंक को समाज के खाते खोलने के लिए मजबूर होना पडा। समाज के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र गोयल ने उक्त जानकारी देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने उम्मीद जतायी की अग्रसेन बैंक को भी सद्बुद्धि आएगी और वह भी समाज के सभी खाते खोलने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाएगा। गौरतलब है कि आईसीआईसीआई बैंक ने विरोधी गुट की लाख कोशिशों के बावजूद समाज के खाते बंद नहीं किये, जबकि अग्रसेन बैंक कानून और नियामक संस्थाओं के निर्देशों के बावजूद समाज के खातों पर कुंडली मार कर बैठा है।

सामूहिक सहयोग से सफल हो रहे सेवा कार्य : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने बुधवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और मानवता के भाव के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद, असहाय, श्रमिक, राहगीरों एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। भोजन वितरण के दौरान ग्रुप के सदस्यों ने आत्मीयता और विनम्रता के साथ सेवा कर यह संदेश दिया कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर भक्ति है। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित यह सेवा अभियान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक सहयोग, विश्वास और सेवा भावना का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जब लोग बिना किसी स्वार्थ के एकजुट होकर जरूरतमंदों की सेवा के लिए आगे आते हैं, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन की शुरुआत होती है। उन्होंने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी और समर्पण के कारण ही यह अन्नदान अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है तथा प्रतिदिन अनेक जरूरतमंदों तक भोजन और सम्मान पहुंचा रहा है।उन्होंने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल नियमित अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में प्रेम, करुणा, भाईचारा, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों को मजबूत करना भी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन का कुछ समय और संसाधन जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित करे, तो समाज से भूख, निराशा और उपेक्षा जैसी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से ऐसे सेवा कार्यों से जुड़ने और मानवता के इस अभियान को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल धरसुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल एवं शर्मिला अग्रवाल सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना ही सच्ची सामाजिक जिम्मेदारी है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने संगठन मंत्री चंद्रशेखर को सौंपी 6 माह की रिपोर्ट

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा तेलंगाना के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज प्रदेश संगठन महामंत्री (संगठन मंत्री) श्री चंद्रशेखर जी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मोर्चा के पदाधिकारियों ने संगठन मंत्री को विगत 6 माह के दौरान किए गए संगठनात्मक कार्यों और गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट सौंपी।

जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने का लेखा-जोखा

सौंपी गई विस्तृत कार्य रिपोर्ट में मोर्चा द्वारा पूरे तेलंगाना राज्य में जमीनी स्तर पर पार्टी को सशक्त और सक्रिय बनाने हेतु किए गए संगठनात्मक कार्यों का पूरा विवरण दिया गया है। इसके साथ ही पिछले 6 महीनों में चलाए गए जनसंपर्क अभियानों, जनसेवा कार्यक्रमों तथा समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने के लिए की गई विभिन्न कल्याणकारी पहलों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया है।इस खास अवसर पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के कुशल मार्गदर्शन में संगठन को और अधिक गतिशील व सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने दोहराया कि मोर्चा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मूल मंत्र मसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयासफ के विजन के साथ जनता की सेवा करने हेतु पूर्ण समर्पण के साथ प्रतिबद्ध है।

बैठक में यह वरिष्ठ पदाधिकारी रहे मौजूद

संगठन मंत्री को रिपोर्ट सौंपने के दौरान अल्पसंख्यक मोर्चा के कई प्रमुख चेहरे और पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस गरिमामयी अवसर पर मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह के साथ जनरल सेक्रेटरी रजनीश जैन, हरप्रीतसिंह गुलाटी, उपाध्यक्ष शाहजहान, सेक्रेटरी सतपाल सिंह छाबडा, मोहम्मद गजनी, सतीश हुंडिया, मनमोहन सिंह, मोहिंदरपाल सिंह, रीदा कुद्दूस, फरनाज़, मनदीप सिंह संधु, गुरदीप सिंह एवं अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सूत्रधार साहित्यिक संस्था की 79वीं मासिक ऑनलाइन गोष्ठी सम्पन्न, कबीर पर परिचर्चा

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) –
सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद द्वारा मंगलवार को 79वीं मासिक ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार विनीता शर्मा ने की।

गोष्ठी दो सत्रों में हुई। प्रथम सत्र में कबीरदास के जीवन व रचनाओं पर परिचर्चा हुई। संस्थापिका सरिता सुराणा ने कबीर को समाज सुधारक बताया। दर्शन सिंह ने साखी, सबद व रमैनी पर प्रकाश डाला। आर्या झा ने आत्मा-परमात्मा पर कबीर के विचार रखे।

द्वितीय सत्र में काव्य पाठ हुआ। श्रीया धपोला ने मुक्त छंद कविता, बिनोद गिरि अनोखा ने भोजपुरी गजल, किरन सिंह ने दोहे-पद, दर्शन सिंह, सुहास भटनागर, रिमझिम झा, आर्या झा, गजानन पाण्डेय व सरिता सुराणा ने रचनाएं प्रस्तुत कीं।

विनीता शर्मा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी की सराहना की और गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में तृप्ति मिश्रा व सिंह साहब उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन आर्या झा ने किया।

रामान्तपुर में भव्य गो तुलाभार कार्यक्रम संपन्न, गायों के प्रति उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रामान्तपुर इंदिरा नगर स्थित श्री सत्यनारायण स्वामी मंदिर परिसर में हाल ही में एक अनूठे और भव्य मगो तुलाभारफ कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। गौमाता सेवा ट्रस्ट एवं सनातन वेदिका ब्राह्मण सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस पारंपरिक और आध्यात्मिक उत्सव में स्थानीय निवासियों सहित दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। परिसर में इस तरह का यह पहला और बेहद सफल आयोजन था, जिसने पूरे क्षेत्र को सकारात्मकता और सेवा भाव के माहौल से सराबोर कर दिया।

नंदी पुरस्कार विजेता गोस्वामी गोपाल कृष्ण ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस भव्य आयोजन का मुख्य उद्देश्य सनातन संस्कृति में पूजनीय गायों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना और समाज में गो-सेवा व गो-संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए श्री कसीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने अपने संबोधन में कहा, ङ्गआज की आधुनिक जीवनशैली में हम अपनी जड़ों और गो-संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। गोमाता केवल एक पशु नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।ङ्ग उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से हमारी युवा पीढ़ी में गो-सेवा के मूल्यवान संस्कार जाग्रत होते हैं। विशिष्ट अतिथि और तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने इस प्राचीन परंपरा की महत्ता समझाते हुए बताया कि गो तुलाभार एक अत्यंत पवित्र अनुष्ठान है। इसमें तराजू के एक पलड़े पर साक्षात गोमाता को बैठाया जाता है और दूसरे पलड़े पर उनके वजन के बराबर खाद्य सामग्री या अन्य आवश्यक वस्तुएं तौली जाती हैं।

इस भव्य अनुष्ठान के दौरान पूजनीय गायों के वजन के बराबर केला, गुड़, हरा चारा, चोकर, विभिन्न प्रकार के अनाज और फल पूरी श्रद्धा के साथ तौले गए। तुलाभार की इस प्रक्रिया के संपन्न होने के बाद, तौली गई इन सभी सामग्रियों को स्थानीय गोशालाओं और लावारिस पशुओं के आहार के रूप में वितरित कर दिया गया। इस दिव्य कार्यक्रम का शुभारंभ पंडितों और पुरोहितों द्वारा किए गए सस्वर वैदिक मंत्रोच्चार, गो-पूजन और विशेष महाआरती के साथ हुआ, जिसमें विद्वानों ने गोमाता की आध्यात्मिक महत्ता को रेखांकित किया। पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों और भव्य रंगोलियों से सजाया गया था, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम के गरिमामयी समापन पर उपस्थित सभी भक्तों और श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस गौरवमयी क्षण के साक्षी बनने वालों में इस्कॉन के ए. बी. चैतन्य दास स्वामी, आकूटोटा रामाराव, एन. वी. प्रसाद, और बालासुब्रमण्यम सहित कई गणमान्य नागरिक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एनएमडीसी ने पहली तिमाही की अब तक की सर्वाधिक मात्रा दर्ज की

60 एमटी लक्ष्य के लिए गति बनाई

हैदराबाद, 1 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक और जिम्मेदार खनिक एनएमडीसी ने स्थापना के बाद से अपनी पहली तिमाही का अबतक का सर्वोच्च उत्पादन और बिक्री दर्ज करके वित्त वर्ष 27 की शुरुआत की है, जिससे भारत की इस्पात मूल्य-श्रृंखला की रीढ़ के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के दौरान 15.10 एमटी लौह अयस्क का उत्पादन किया, जो वर्ष-दर-वर्ष 26% की वृद्धि दर्शाता है, जबकि बिक्री 11.75 एमटी हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में2% की वृद्धि दर्शाती है। यह रिकॉर्ड तिमाही प्रदर्शन निरंतर घरेलू मांग,छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में अपने खनन परिसरों मेंपरिचालन उत्कृष्टता और उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर कंपनी के निरंतर ध्यान को दर्शाता है।

तिमाही को और अधिक गतिशील बनाते हुएएनएमडीसी ने 5.15 एमटी के उत्पादन और 3.98 एमटी की बिक्री के साथ जून माह में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन दर्ज किया, जो वर्ष-दर-वर्ष क्रमशः 44% और 11% की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है । इस प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुएश्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक,एनएमडीसी ने कहा, ङ्घबुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्र में भारत का निरंतर निवेश लौह अयस्क की मांग को मजबूत करता है, और एनएमडीसी इस आवश्यकता को पैमाने, दक्षता और जिम्मेदारी के साथ पूरा कर रहा है । हमारी अब तक की सबसे मजबूत पहली तिमाही हमारे संचालन की सुस्थिरता, हमारे कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और घरेलू इस्पात उद्योग द्वारा हम पर रखे गए विश्वास को दर्शाती है। जैसे-जैसे हम खनन क्षमताओं का विस्तार करते हैं, लॉजिस्टिक्स को मजबूत करते हैं और अपने बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करते हैं, हम एक वैश्विक खनन पावरहाउस बनने की अपनी दीर्घकालिक आकांक्षा की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं ।

इस्पात की मजबूत घरेलू मांग और सरकार के बुनियादी ढांचे के प्रोत्साहन से प्रेरित होकर, एनएमडीसी अपने खनन कार्यों के चरणबद्ध संवर्धन, रणनीतिक खदान विकास और आधुनिक निकासी बुनियादी ढांचे में निवेश के माध्यम से अपनी क्षमता-विस्तार रोडमैप में तेजी ला रहा है।

यह पहलें लगातार कंपनी की उत्पादन क्षमताओं को बढ़ा रही हैं, जिससे यह अपने महत्वाकांक्षी 100एमटी क्षमता के दृष्टिकोण पर दृढ़ता से आगे बढ़ रही है, साथ ही भारत के दीर्घकालिक इस्पात विकास का समर्थन करने के लिए लौह अयस्क की एक विश्वसनीय और उच्च-गुणवत्ता वाली आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है।

रिकॉर्ड तिमाही प्रदर्शन ने वित्त वर्ष 27के लिए मजबूत गति प्रदान की है, जिससे एनएमडीसी को अपने दीर्घकालिक 100एमटी विजन की ओर तेजी से आगे बढ़ाते हुए अपने 60एमटी उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगी ।

चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और जन अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्धः पोन्नम प्रभाकर

बांसवाड़ा, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना राज्य के परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर आज अपने बांसवाड़ा दौरे के दौरान सरकारी सलाहकार एवं स्थानीय विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी के निवास स्थान पर पहुंचे। मंत्री के आगमन पर कामारेड्डी जिला डीसीसी अध्यक्ष येले मल्लिकार्जुन ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस शिष्टाचार मुलाकात के बाद कैबिनेट मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी के आवास पर आयोजित एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा साल 2002 में वोटर रिवीजन प्रोसेस (मतदाता सूची पुनरीक्षण) प्रभावी ढंग से किया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग ने यह पुनरीक्षण प्रक्रिया इसलिए शुरू की है ताकि देश का कोई भी योग्य मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रह जाए। मंत्री ने जानकारी दी कि वोटर रिवीजन की यह प्रक्रिया वर्तमान में भी निरंतर चल रही है।

इसके साथ ही, एसआईआर (डखठ) मुद्दे पर राज्य सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए उन्होंने दोटूक शब्दों में कहा कि एसआईआर प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और स्थापित नियमों के अनुसार संचालित की जा रही है, जिससे आम जनता में किसी भी प्रकार की गलतफहमी या संदेह की कोई गुंजाइश नहीं बचती है। सरकार का मुख्य उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना और नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हाल ही के घटनाक्रमों को देखा जाए, तो ऐसा प्रतीत होता है कि बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में वोटर वेरिफिकेशन (मतदाता सत्यापन) के नतीजों के साथ कथित रूप से छेड़छाड़ की गई है, जिसके कारण आम जनता और राजनीतिक हलकों में भारी अशांति व चिंता का माहौल है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय चुनाव आयोग एक पूर्णतः स्वायत्त संस्था (ऑटोनॉमस बॉडी) है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में हर तरफ से यह गंभीर आरोप लग रहे हैं कि चुनाव आयोग अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े एक संगठन की तरह काम कर रहा है, जो कि लोकतंत्र के लिए एक विचारणीय विषय है।

राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजन-ाओं का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए परिवहन मंत्री ने कहा कि पिछले 30 महीनों के कार्यकाल में सरकार ने महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को न केवल आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सौगात दी गई है, बल्कि कई क्रांतिकारी कदमों के जरिए उन्हें परिवहन क्षेत्र में सशक्त बनाकर बसों का असली मालिक भी बनाया गया है।इसके अतिरिक्त, किसानों के कल्याण का जिक्र करते हुए मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने प्रदेश के अन्नदाताओं को पुख्ता भरोसा दिलाया कि महत्वाकांक्षी मरायथु भरोसाफ योजना की शुरुआत की जा चुकी है और आगामी 9 दिनों के भीतर राज्य के सभी पात्र व योग्य लाभार्थियों के खातों में यह हितलाभ पूरी पारदर्शिता के साथ हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

तांडूर डिपो की अनियंत्रित आरटीसी बस ने छात्र को कुचला, मौके पर ही मौत

चेवेल्ला (रंगारेड्डी), 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला मंडल में बुधवार सुबह एक हृदयविदारक और दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें एक होनहार छात्र की असमय मौत हो गई। यह भीषण दुर्घटना चेवेल्ला-शाबाद चौराहे पर उस समय घटित हुई, जब कंदवाड़ा गांव निवासी शेरी सात्विक रेड्डी (पुत्र शेरी कृष्णा रेड्डी) रोज की तरह अपने गांव से मोइनाबाद स्थित स्वामीनारायण गुरुकुल विद्यालय जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे थे। इस दुखद घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह लगभग 7:30 बजे सात्विक रेड्डी सड़क किनारे खड़े होकर स्कूल बस की प्रतीक्षा कर रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रही तांडूर डिपो की एक आरटीसी (ठढउ) बस (संख्या ढड-09-न-8119) के चालक ने कथित रूप से वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित हो चुकी तेज रफ्तार बस सीधे सड़क किनारे खड़े छात्र सात्विक को रौंदते हुए आगे बढ़ गई। छात्र को चपेट में लेने के बाद बस वहीं पास में खड़ी एक ऑल्टो कार से जा टकराई, जिससे कार का बायां हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस और छात्र के बीच हुई यह टक्कर इतनी भीषण थी कि सात्विक रेड्डी के सिर सहित शरीर के अन्य अंगों में गंभीर और जानलेवा चोटें आईं। अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण छात्र ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इस भयावह मंजर को देखकर मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। देखते ही देखते बड़ी संख्या में स्थानीय लोग वहां एकत्र हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन की टीम भी तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक छात्र के पिता शेरी कृष्णा रेड्डी (पुत्र वेंकट रेड्डी) द्वारा दी गई लिखित शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने दुर्घटना कारित करने वाली आरटीसी बस को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से बारीकी से पड़ताल की जा रही है।

मृतक सात्विक रेड्डी एक होनहार छात्र थे और अपने बेहतर भविष्य का सपना संजोकर स्वामीनारायण गुरुकुल विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। परिवार को अपने इस लाडले से बड़ी उम्मीदें थीं, जिसके लिए वह रोज कंदवाड़ा गांव से मोइनाबाद पढ़ने जाया करते थे। लेकिन नियति के क्रूर चक्र के कारण घर से सुनहरे भविष्य की नींव रखने निकला यह छात्र कुछ ही पलों में सड़क हादसे का शिकार हो गया, जिससे पूरा परिवार गहरे सदमे में है। इस दर्दनाक हादसे के बाद कंदवाड़ा गांव और आसपास के समूचे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय निवासियों ने गहरा दुख जताते हुए प्रशासन से मांग की है कि व्यस्त चौराहों और बस स्टॉप के पास सड़क सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं और सरकारी बस चालकों द्वारा गति सीमा का पालन सख्ती से सुनिश्चित कराया जाए ताकि भविष्य में किसी और मासूम की जान न जाए।

मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, निस्वार्थ सेवा से ही समाज में मानवता और संस्कार जीवित रहते हैं : सोहनलाल दायमा

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को नामपल्ली स्थित पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण के वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद, असहाय एवं राहगीरों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल भूखों को भोजन कराना ही नहीं, बल्कि समाज में मानवता, करुणा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करना भी रहा।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी सोहनलाल दायमा ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि ङ्घमानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब तक समाज का सक्षम वर्ग जरूरतमंद लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेगा, तब तक वास्तविक सामाजिक विकास संभव नहीं हो सकता। ईश्वर की सच्ची पूजा केवल मंदिरों में दीप जलाने से नहीं, बल्कि भूखे को भोजन, प्यासे को पानी और निराश व्यक्ति को सहारा देने से होती है।ङ्घ

उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को ऐसे संगठनों की आवश्यकता है, जो बिना किसी भेदभाव के सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाएं। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी भावना के साथ लंबे समय से नियमित अन्नदान, गौसेवा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े अनेक सेवा कार्य कर रहा है।

यह कार्य केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के मन में सेवा, सहयोग और अपनत्व की भावना भी जागृत कर रहा है।

सोहनलाल दायमा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मनर सेवा ही नारायण सेवाफ का संदेश सदियों से दिया जाता रहा है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में थोड़ा-सा समय और अपनी आय का एक छोटा-सा भाग समाज सेवा के लिए समर्पित कर दे, तो कोई भी व्यक्ति भूखा, असहाय या उपेक्षित नहीं रहेगा। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे सेवा कार्यों से जुड़कर समाज निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं और अपने जीवन को सार्थक बनाएं।

उन्होंने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन बिना किसी प्रचार-प्रसार की अपेक्षा के प्रतिदिन सेवा कार्य कर रहा है। ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनते हैं और नई पीढ़ी को भी मानवीय मूल्यों से जोड़ते हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक बनाने का संकल्प लिया। सभी ने कहा कि जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही इस अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि है। ग्रुप भविष्य में भी नियमित अन्नदान, गौसेवा एवं अन्य सामाजिक सेवा गतिविधियों को और अधिक विस्तार देगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सके।

अंत में सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया तथा समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति से इस पुनीत अभियान से जुड़ने की अपील की।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, संजय अग्रवाल, किरण अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता, भगत राम गोयल, नन्द किशोर अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, महेश अग्रवाल, सुरेश सिंघल एवं सोहनलाल दायमा सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

एनआईपीएचएम में एक दिवसीय मखेत बचाओ अभियानफका भव्य समापनः एक महीने में लाभान्वित हुए 1200 किसान

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम), हैदराबाद में विगत 1 जून से 30 जून, 2026 तक संचालित किए गए राष्ट्रव्यापी मखेत बचाओ अभियानफ (केबीए) का हाल ही में सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस एक माह लंबे विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक व उन्नत कृषि तकनीकों के प्रति जागरूक करना था। अभियान के तहत किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग, मृदा स्वास्थ्य (मिट्टी की गुणवत्ता), प्राकृतिक खेती, समन्वित कीट प्रबंधन (आईपीएम), समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) पद्धतियों, कृषि मशीनीकरण, कीटनाशकों के सही व सुरक्षित प्रयोग तथा उच्च गुणवत्तापूर्ण बीजों के उपयोग के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया गया।

एनआईपीएचएम की महानिदेशक डॉ. (श्रीमती) सी. तारा सत्यवती के कुशल मार्गदर्शन में संस्थान के विभिन्न प्रभागों ने इस अभियान को जमीनी स्तर पर सफल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण गतिविधियों का खाका तैयार किया। इस अभियान की पहुंच बढ़ाने के लिए एनआईपीएचएम के अधिकारियों ने न केवल संस्थान के कैंपस के भीतर, बल्कि ग्रामीण अंचलों और दूर-दराज के गांवों का दौरा करके विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया।

प्रायोगिक प्रदर्शनों, विशेष प्रशिक्षण सत्रों और शैक्षणिक भ्रमण दौरों के माध्यम से अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषकों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर जागरूकता पैदा की गई। इसके साथ ही, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, आकर्षक बैनर और फील्ड विजिट्स के माध्यम से संस्थान की इन लोक-कल्याणकारी गतिविधियों और अभियान को व्यापक स्तर पर प्रसारित किया गया।

संस्थान द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस पूरे एक महीने के अभियान में कुल मिलाकर लगभग 1200 प्रगतिशील किसान, कृषि उद्यमी, प्रशिक्षु और विभिन्न कृषि महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं शामिल हुए और उन्होंने इस तकनीकी ज्ञान का प्रत्यक्ष लाभ उठाया।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, अभियान की दैनिक गतिविधियों के सुचारू समन्वय एवं कड़ी निगरानी के लिए संस्थान के संयुक्त निदेशक (विस्तार) श्री प्रभाहरन को नोडल अधिकारी नामित किया गया था। उन्होंने अभियान की प्रगति को लेकर प्रतिदिन तैयार की गई विस्तृत रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से उच्चाधिकारियों और संबंधित विभाग को प्रेषित की।

अभियान के गरिमामयी समापन समारोह के अवसर पर संस्थान के निदेशक (पीएचएम) डॉ. ओ. पी. शर्मा ने पूरे एक माह के सफल सफरनामा को रेखांकित किया। उन्होंने अभियान के मूल उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न ज्ञानवर्धक गतिविधियों की योजना बनाने और उन्हें धरातल पर उतारने के लिए संस्थान के सभी कोर कमेटी सदस्यों, विभिन्न प्रभागों के अध्यक्षों, संस्थान के रजिस्ट्रार, वित्त सलाहकार, संकाय सदस्यों (फैकल्टी) तथा सहयोगी स्टाफ द्वारा किए गए उत्कृष्ट सहयोग और भगीरथ प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की। अंत में, उन्होंने इस महाअभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

एलएमजी स्मार्ट किड्स हाई स्कूल में जिम्नास्टिक्स एवं एरोबिक्स क्लासेस का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित एल. एम. जी. स्मार्ट किड्स हाई स्कूल में बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिम्नास्टिक्स एवं एरोबिक्स क्लासेस का शानदार शुभारंभ किया गया। इस विशेष अवसर पर श्रृंग ऋषि भवन में आयोजित एक गरिमापूर्ण समारोह के दौरान क्लासेस के आधिकारिक बैनर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों और गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर न केवल खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, बल्कि बच्चों के जीवन में खेलकूद की महत्ता को भी रेखांकित किया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रबुद्ध नागरिकों और अतिथियों ने बच्चों के शारीरिक, मानसिक और अनुशासनात्मक विकास के लिए जिम्नास्टिक्स को बेहद महत्वपूर्ण बताया। वक्ताओं ने कहा कि आज के डिजिटल युग में बच्चों को शारीरिक रूप से सक्रिय रखना एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में जिम्नास्टिक्स और एरोबिक्स जैसी गतिविधियां बच्चों की एकाग्रता, लचीलेपन और मानसिक दृढ़ता को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगी। विद्यालय प्रबंधन ने जानकारी दी कि इन विशेष क्लासेस में बच्चों को खेल की बारीकियां सिखाने के लिए अनुभवी और प्रशिक्षित कोच प्रेम शर्मा की सेवाएं ली गई हैं। कोच प्रेम शर्मा के सीधे मार्गदर्शन और देखरेख में बच्चों को जिम्नास्टिक्स एवं एरोबिक्स का अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रबंधन ने स्थानीय अभिभावकों से अपील की है कि वे समय पर अपने बच्चों का प्रवेश कराकर इस बेहतरीन अवसर का लाभ उठाएं। बैनर विमोचन और उद्घाटन के इस गौरवमयी अवसर पर बेगम बाजार और स्थानीय क्षेत्र की कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में रामदेव नागला, मोतीलाल तिवारी, मुरलीधर उपाध्याय, सुरेश कुमार व्यास (जानम), सतनारायण तिवारी, पवन उपाध्याय, श्याम ओझा, ज्ञानचंद व्यास और नरेश पांडे सहित कई वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.